@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 25 जून 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 231 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

कोलकाता में बड़ा हादसा

कोलकाता में निर्माणाधीन गोदाम ढहा, 4 की मौत

● 40 से ज्यादा लोगों के दबे होने की आशंका, 21 का रेस्क्यू

एजेंसी

तारतला। कोलकाता के तारतला इलाके में बुधवार दोपहर एक बड़ा हादसा हुआ, जिसने निर्माण क्षेत्र की सुरक्षा और मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट की लीज-होल्ड प्रॉपर्टी पर बन रहे तीन मंजिला वेयरहाउस (गोदाम) की इमारत अचानक ढह गई। इस हादसे में अब तक चार लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 17 मजदूरों को मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया है। राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने घटनास्थल का दौरा किया है। ब्रेस ब्रिज के पास ट्रांसपोर्ट डिपो रोड पर स्थित इस साइट पर निर्माण कार्य जोरों पर था। अधिकारियों के मुताबिक, यह जमीन श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट के अधीन है और इसे लीज पर दिया गया था। चश्मदीदों ने बताया कि ग्राउंड फ्लोर पर काम चल रहा था, जबकि पहली और दूसरी मंजिल का आरसीसी ढांचा पहले ही खड़ा किया जा चुका था। फायर विभाग के अनुसार, जब छत की ढलाई (कास्टिंग) का

काम चल रहा था, तभी लोहे के भारी बीम और कंक्रीट का पूरा ढांचा भरभरा कर गिर गया, जिसके नीचे वहां काम कर रहे कई मजदूर दब गए।

-यह आंकडे खबर लिखे जाने तक के हैं।

नशा मुक्त भारत के रोडमैप पर मंथन, अमित शाह 26 जून को एनसीओआरडी की शीर्षस्तरीय बैठक की करेंगे अध्यक्षता

यह दस्तावेज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'नशा मुक्त भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए मार्गदर्शक ढांचे का कार्य करेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार, 26 जून को यहां विज्ञान भवन में नार्को-कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्षस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा आयोजित इस बैठक में देश को नशा मुक्त बनाने के लक्ष्य की दिशा में विभिन्न मंत्रालयों, राज्यों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रयासों की समीक्षा की जाएगी।

गृह मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि बैठक में अमित शाह 'मादक पदार्थ नियंत्रण पर विजन डॉक्यूमेंट (2026-2029)' तथा एनसीबी वार्षिक रिपोर्ट-2025 जारी करेंगे। व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया

यह विजन दस्तावेज मादक पदार्थों की मांग में कमी, आपूर्ति पर नियंत्रण तथा नशे से होने वाली हानि को कम करने के लिए अगले तीन वर्षों का साझा रोडमैप प्रस्तुत करेगा। दस्तावेज में सिंथेटिक ड्रग्स, डार्कनेट के माध्यम से होने वाली तस्करी, युवाओं को नशे से दूर रखने, उपचार एवं पुनर्वास केंद्रों के विस्तार तथा विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया गया है। सरकार का कहना है कि यह दस्तावेज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'नशा मुक्त भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए मार्गदर्शक ढांचे का कार्य करेगा। गृहमंत्री इस अवसर पर ऑनलाइन ड्रग डिस्पोजल फोर्टनाइट कैंपेन का भी शुभारंभ करेंगे। इस विशेष अभियान के तहत देशभर में विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य एजेंसियों द्वारा लगभग 2,09,500 किलोग्राम मादक पदार्थों को नष्ट किया जाएगा, जिनकी अनुमानित कीमत 6,000 करोड़ रुपये है। इसके अलावा अमित शाह जम्मू और गुवाहाटी में नव-निर्मित एनसीबी जोनल कार्यालयों का भी उद्घाटन करेंगे।

बैठक में 44 केंद्रीय मंत्रालयों एवं विभागों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ राज्यों की सरकारों और मादक पदार्थ कानून प्रवर्तन एजेंसियों के 108 प्रतिनिधि प्रत्यक्ष एवं वर्चुअल माध्यम से भाग लेंगे। बैठक में आगामी तीन वर्षों के दौरान मादक पदार्थों की तस्करी और नशे की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

दिल्ली में केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो के सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर के कार्य का शुभारंभ

यह प्रोजेक्ट नई दिल्ली के मुख्य इलाकों तक कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है।

'दिल्ली के शहरी ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है।'

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों और बिजली मंत्री मनोहर लाल ने केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन पर दिल्ली मेट्रो के सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर के कार्य की बुधवार को शुरुआत की। इसके मौके पर आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के सचिव और डीएमआरसी के चेयरमैन के. श्रीनिवास भी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौजूद रहे।

मनोहर लाल ने कहा कि दिल्ली के शहरी ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। यह कॉरिडोर कर्तव्य भवन, इंडिया गेट, नेशनल वॉर मेमोरियल और सुप्रीम कोर्ट जैसे

प्रमुख राष्ट्रीय संस्थानों और लैंडमार्क तक आसान कनेक्टिविटी देगा, जिससे रोजाना हजारों कर्मचारियों, नागरिकों और आने-जाने वालों के लिए पहुंच आसान हो जाएगी। प्रमुख मेट्रो लाइनों के साथ बेहतर इंटीग्रेशन से राजधानी में यात्रा और भी आसान और कुशल हो जाएगी। आधुनिक और नागरिक-केंद्रित इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट यात्रा के कीमती समय की बचत करेगा, यात्रियों की सुविधा बढ़ाएगा। डीएमआरसी ने एक बयान में कहा कि यह स्टेशन मौजूदा मैजेंटा लाइन (जनकपुरी वेस्ट से आरके आश्रम मार्ग तक) के विस्तार के तौर पर फेज V(ए) के तहत बनाया जा रहा है। केंद्रीय सचिवालय स्टेशन एक ट्रिपल इंटरचेंज स्टेशन बन जाएगा, जहां नई मैजेंटा लाइन का स्टेशन मौजूदा येलो लाइन और वॉयलेट लाइन से आसानी से जुड़ जाएगा। इस खास सुविधा से सरकारी कर्मचारियों और लुटियंस जोन व आसपास के प्रशासनिक इलाकों में आने-जाने वाले यात्रियों को काफी फायदा होगा। यह कॉरिडोर 9.913 किलोमीटर लंबा है और इसमें नौ अंडरग्राउंड स्टेशन हैं- शिवाजी स्टेडियम, युगे-युगीन भारत, केंद्रीय सचिवालय, कर्तव्य भवन, इंडिया गेट, वॉर मेमोरियल-हाई कोर्ट, बड़ौदा हाउस, भारत मंडपम और इंद्रप्रस्थ। यह प्रोजेक्ट नई दिल्ली के मुख्य इलाकों तक कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। इससे प्रमुख सरकारी दफ्तरों, न्यायिक संस्थानों, राष्ट्रीय स्मारकों और कन्वेंशन सुविधाओं तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा, साथ ही पूरे नेटवर्क की क्षमता और यात्रियों की सुविधा भी बेहतर होगी।

सीसीटीवी, 33 डिग्री गर्मी में हुडी वाला संदिग्ध और 2,004 फोन कॉल

एक-एक कड़ी जोड़ पुलिस ने सुलझाया केतन हत्याकांड

एजेंसी

पुणे । पुणे पुलिस ने केतन हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने का दावा किया है। अधिकारियों ने बताया कि सीसीटीवी से मिले सुराग सबसे अहम थे, जिसमें मुश्किल ट्रेक के दौरान 33 डिग्री के तापमान में हुडी पहने दिखे संदिग्ध तक पहुंचने में मदद मिल सकी। इसके बाद चेतन बाबूलाल चौधरी और सिया गोयल के बीच हुई 2,004 फोन कॉल ने इस हत्याकांड की सबसे अहम कड़ी को जोड़ दिया। केतन अग्रवाल की मौत की खबर सबसे पहले 18 जून को पुणे के पास ऐतिहासिक लोहागढ़ किले में ट्रेकिंग के दौरान गलती से गिरने से हुई मौत के तौर पर आई थी, लेकिन पुलिस इस मामले की तह तक गई तो एक-एक कड़ी हर कड़ी जुड़ती गई, जिसके बाद पता चला कि यह घटना हत्या की एक खौफनाक साजिश थी। एनडीटीवी के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में केतन अपनी मंगेतर सिया गोयल के साथ

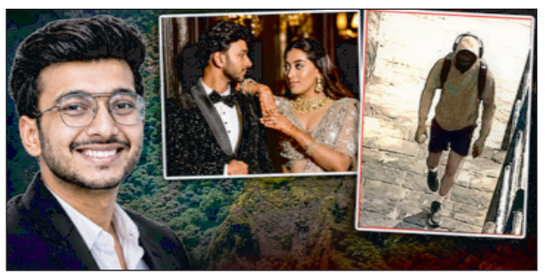

चलते हुए दिख रहे थे, जबकि शॉर्ट्स और हुडी पहने एक व्यक्ति उनसे लगभग 20 से 30 फीट की दूरी पर उनके पीछे चल रहा था। उस व्यक्ति ने हुड से अपना चेहरा ढका हुआ था और हेडसेट भी पहना हुआ था। एक और सीसीटीवी फुटेज ने पुलिस का शक और गहरा कर दिया। इस फुटेज में सिया अचानक पीछे मुड़कर हुडी पहने व्यक्ति की ओर देखती हुई दिखाई दी। लगभग उसी पल, वह व्यक्ति नीचे बैठ गया, जैसे वह खुद पर ध्यान आकर्षित करने से बचने की कोशिश कर रहा हो। गर्मी के मौसम में हुडी पहनना पुलिस को केस के और नजदीक ले गया। पुलिस ने देखा कि उस समय इलाके में तापमान लगभग 33 डिग्री सेल्सियस था। इतनी तेज गर्मी में ट्रेक के दौरान हुडी पहनने का फैसला बहुत अजीब लगा और अधिकारियों ने उस व्यक्ति की पहचान की बारीकी से जांच करने का फैसला किया। अधिकारियों के अनुसार, तकनीकी सबूतों और डिजिटल विश्लेषण से जल्द ही सिया और हुडी पहने व्यक्ति के बीच गहरा संबंध का खुलासा हुआ। उस व्यक्ति की पहचान 22 वर्षीय चेतन बाबूलाल चौधरी के रूप में हुई। जांच टीम ने चेतन के सोशल मीडिया प्रोफाइल की तस्वीरों की तुलना सीसीटीवी फुटेज की तस्वीरों से की और उनमें काफी समानताएं पाईं।

उज्जैन और अयोध्या का विवाद राष्ट्रीय नहीं, अंतरराष्ट्रीय मामला : पवन खेड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने उज्जैन जमीन और अयोध्या के फंड गबन विवाद को अंतरराष्ट्रीय मामला बताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के मुख्यमंत्री जमीन खा रहे हैं और दान की चांदी-सोना निकल रहे हैं। आरएसएस की भाषा में कहें तो अयोध्या और उज्जैन झांकी है, अभी मथुरा और काशी बाकी है। वहां से लूटने की तैयारी हैं, क्योंकि वहां कॉरिडोर बन रहे हैं। पवन खेड़ा ने बुधवार को प्रेस कॉफ्रेंस करते हुए कहा, 'ये मामला सिर्फ स्थानीय और राष्ट्रीय मामला नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मामला है। लोगों की आस्था इन शहरों से जुड़ी हुई है। अपना पेट काटकर और पैसा बचाकर लोग तीर्थस्थलों पर जाते

हैं। वहां लोग आस्था के साथ दानपेटी में पैसे डालते हैं। इन पैसों को लूटना और चोरी करना लोगों की आस्था के साथ धोखा है। यह अयोध्या में हुआ है।' कांग्रेस प्रवक्ता ने यह भी कहा कि अयोध्या का मंदिर सीधे संघ की देखरेख हैं। आज वहां की स्थिति को देखा जा सकता है। मध्य प्रदेश में संघ की सरकार है, वहां उज्जैन का हाल देख सकते हैं। इसी दौरान, उज्जैन जमीन विवाद पर पवन खेड़ा ने मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, 'उज्जैन में सिंहस्थ कुंभ आने वाला है। आप प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। सब कुछ आपकी जानकारी में रहता है और सभी फाइलें आपकी जानकारी से होकर गुजरती हैं। आप खुद नक्शों और मास्टरप्लान में हस्तक्षेप कर सकते हैं। आपकी कलम में वो ताकत है कि आप तय प्रोजेक्ट को प्रभावित कर सकते हो। उस प्रभाव और कलम का आपने दुरुपयोग किया है।'

अर्जुन राम मेघवाल गुरुवार को वितरित करेंगे राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता के पुरस्कार

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्यालयों के लिए आयोजित 36वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता (2025-26) के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन गुरुवार, 25 जून को संसद भवन परिसर के जीएमसी बालयोगी सभागार में किया जाएगा। संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल समारोह की अध्यक्षता करेंगे और विजेता विद्यार्थियों तथा विद्यालयों को पुरस्कार प्रदान करेंगे। संसदीय कार्य मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि समारोह में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त दिल्ली के प्रेसिडेंट स्टेट स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थी अपनी युवा संसद की बैठक का पुनः प्रदर्शन करेंगे। संसदीय कार्य मंत्रालय पिछले 38 वर्षों से केंद्रीय विद्यालयों में युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। वर्ष 2025-26 में आयोजित 36वीं प्रतियोगिता में देशभर के केंद्रीय विद्यालय संगठन के 25 क्षेत्रों के 200 विद्यालयों ने भाग लिया। योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मानुशासन, विभिन्न विचारों के प्रति सहिष्णुता, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा संसदीय परंपराओं के प्रति समझ विकसित करना है। इसके माध्यम से छात्रों को संसद की कार्यप्रणाली, वाद-विवाद की तकनीक, नेतृत्व क्षमता और प्रभावी वक्तृत्व कला का भी प्रशिक्षण मिलता है।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में खाई में गिरी मिनीबस

23 श्रद्धालु घायल, दो की हालत गंभीर

एजेंसी

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में बुधवार को एक सड़क हादसे में कम से कम 23 श्रद्धालु घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, इनमें से दो श्रद्धालुओं की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि बिलावर कस्बे के निकट स्थित प्रसिद्ध सुकराला माता मंदिर जा रही श्रद्धालुओं से भरी एक मिनीबस सिम्बली क्षेत्र में नियंत्रण खोने के बाद गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के समय बस मंदिर की ओर जा रही थी। अधिकारियों के मुताबिक, चालक के नियंत्रण खोने के बाद यह दुर्घटना हुई। हादसे में घायल सभी श्रद्धालुओं को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। इलाज कर रहे डॉक्टरों

ने बताया कि दो श्रद्धालुओं को गंभीर चोटें आई हैं और उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। अधिकारियों ने बताया, 'बचाव अभियान पुलिस, नागरिक प्रशासन और स्थानीय लोगों ने संयुक्त रूप से चलाया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही सभी राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए और घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया।' उन्होंने कहा कि पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है, ताकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।

केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू को पंजाब अनुसूचित जाति आयोग ने सुनाई धार्मिक सजा

पंजाब में चार धार्मिक स्थानों पर माथा टेककर लेंगे आशीर्वाद

एजेंसी

चंडीगढ़। पुलिस कर्मचारियों पर आपत्तिजक टिप्पणी करने के मामले की सुनवाई करते हुए पंजाब अनुसूचित जाति आयोग ने केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को चार धार्मिक स्थानों पर माथा टेकने की धार्मिक सजा सुनाई है। रवनीत बिट्टू बुधवार को अपने वकीलों के साथ अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन जसवीर सिंह गढ़ी के समक्ष पेश हुए और अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि मेरे शब्द 100 फीसदी कानूनी तौर पर गलत थे, जिसके लिए मैंने माफी भी मांगी। बिट्टू ने कहा कि उन्हें सबसे पहले संगरूर में एक एसपी रैंक के अधिकारी ने रोका था। उस अधिकारी ने बताया कि ओएसडी ओंकार को बलिया थाने में हिरासत में रखा गया है। इसके बाद वह बलिया थाने पहुंचे, जहां उन्हें फिर बताया गया कि ओंकार को संगरूर ले जाया गया है। इसके बाद वह धूरी पहुंचे, जहां एक एसएचओ रैंक के अधिकारी ने उनकी गाड़ी के सामने वाहन लगाकर रास्ता रोक दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस दौरान उनके साथ बदतमीजी की गई और कुछ ऐसे शब्द कहे गए, जिनसे वह आहत हुए।

रिम्स में मेडिकल सीट अलॉटमेंट अनियमितता की जांच तेज, सीआईडी टीम ने खंगाले दस्तावेज

एजेंसी

रांची। राजधानी रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में मेडिकल सीट अलॉटमेंट और नामांकन प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जांच अब तेज हो गई है। मामले की जांच कर रही अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) की टीम बुधवार को रिम्स पहुंची और डीन कार्यालय समेत विभिन्न विभागों में उपलब्ध

दस्तावेजों और अभिलेखों की जांच शुरू की। जांच एजेंसी नामांकन प्रक्रिया और टेंडर से जुड़े मामलों में हुई संभावित गड़बड़ियों की पड़ताल कर रही है। सीआईडी अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई पिछले शैक्षणिक सत्र में हुए दाखिलों से संबंधित शिकायतों के आधार पर की जा रही है। जांच के दौरान प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े रिकॉर्ड, काउंसलिंग दस्तावेज, आवंटित सीटों का ब्यौरा तथा संबंधित प्रशासनिक फाइलों का अवलोकन किया जा रहा है। टीम यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि प्रवेश प्रक्रिया के दौरान निर्धारित नियमों और दिशा-निर्देशों का पालन किया गया था या नहीं।

सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के माध्यम से मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रियांक खड़गे जमीन की लूट और भ्रष्टाचार में शामिल : प्रदीप भंडारी

प्रदीप भंडारी ने दावा किया कि यह एक-दो मामले नहीं बल्कि कई मामले हैं जिनमें खड़गे परिवार ने कथित तौर पर गरीबों की जमीन हड़पी है।

एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके बेटे व कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खड़गे पर सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के जरिए कर्नाटक में जमीन की लूट और भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप लगाया है। प्रदीप भंडारी ने दावा किया कि यह एक-दो मामले नहीं बल्कि कई मामले हैं जिनमें खड़गे परिवार ने कथित तौर पर गरीबों की जमीन हड़पी है। भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पार्टी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके बेटे एक ट्रस्ट के जरिए कर्नाटक में जमीन हड़पने और भ्रष्टाचार में शामिल हैं। इस ट्रस्ट का नाम सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट है। इस ट्रस्ट में मल्लिकार्जुन खड़गे, उनके बेटे प्रियांक खड़गे, उनके दामाद और उनकी पत्नी शामिल हैं। भंडारी ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे के कथित भ्रष्टाचार के एक नहीं बल्कि कई मामले रखूंगा, जिनसे पता चलेगा कि कैसे मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस ट्रस्ट के जरिए जमीन के अलग-अलग टुकड़ों पर कब्जा किया और अपनी ताकत और रसूख का इस्तेमाल करके गरीबों की जमीन हड़पी और कई जगहों पर जमीन लूटने की कोशिश की।

उन्होंने कहा कि जमीन हड़पने का जो पहला मामला रखना चाहता हूं, वह सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट का है। इसे 2024 में केआईएडी (कर्नाटक इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट बोर्ड) ने मंजूरी दी थी, जब कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार थी। इसका मकसद एयरोस्पेस और डिफेंस के क्षेत्र में रिसर्च और डेवलपमेंट करना बताया गया था। पांच एकड़ के इस प्लॉट की मार्केट वैल्यू अब 100 करोड़ रुपए है। इसे किसी इंडस्ट्रियल या एयरोस्पेस ट्रस्ट को दिया जाना चाहिए था। इसके बजाय इसे कांग्रेस अध्यक्ष के मालिकाना हक वाले एक प्राइवेट ट्रस्ट को दे दिया गया और इस ट्रस्ट ने कोई रिसर्च और डेवलपमेंट का काम नहीं किया।

भाजपा प्रवक्ता भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी और पूरे गांधी-वाड्रा परिवार (जिसमें उनके जीजा रॉबर्ट वाड्रा भी शामिल हैं) पर अलग-अलग इलाकों में जमीन हड़पने के ऐसे ही आरोप और मामले चल रहे हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के जरिए वही तरीका अपनाया जो गांधी-वाड्रा परिवार ने अपनाया था। यह 'प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट' की धारा 131ए और 131बी के तहत एक अपराध है।

भाजपा प्रवक्ता ने पूछा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को बताना चाहिए कि उनके पास जो ट्रस्ट हैं, उसने ऐसा कौन सा काम किया कि एयरोस्पेस और डिफेंस रिसर्च जमीन आपके प्राइवेट ट्रस्ट को दे दी गई। भंडारी ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने 19 एकड़ ज़मीन खड़गे के प्राइवेट ट्रस्ट को दे दी। इसका मतलब है कि 19 एकड़ सरकारी जमीन एक ऐसे ट्रस्ट की प्राइवेट जमीन बन गई, जिसके सदस्यों में मल्लिकार्जुन खड़गे समेत उनके परिवार के लोग शामिल हैं। तो क्या मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुलबर्गा में ये 19 एकड़ जमीन हथियाने के लिए अपनी ताकत और रसूख का इस्तेमाल किया। कांग्रेस पार्टी को जवाब देना चाहिए कि लैंड का पैसा क्यों लूटा।

निर्माणाधीन गोदाम ढहा, 4 की मौत,21 का रेस्क्यू; सेना भी बचाव में जुटी

कोलकाता (एजेंसी)। दक्षिण कोलकाता के तारातला ट्रांसपोर्ट डिपो के पास बुधवार दोपहर 12:07 बजे निर्माणाधीन गोदाम का शेड गिर गया। हादसे में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। मलबे में दबे 21 लोगों का रेस्क्यू कर लिया गया है। अभी भी 40 से ज्यादा लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। इस वजह से मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है। हादसे के वक्त गोदाम में कितने लोग मौजूद थे, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस के साथ एनडीआरएफ और सेना के जवान भी रेस्क्यू कर रहे हैं। गैस कटर से लोहे के पोल को काटा जा रहा है। मलबे और लोहे की रॉड को हटाने के लिए क्रेन मंगाई गई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे के वक्त गोदाम में कांक्रीट ढलाई का काम चल रहा था।

मेरा पैर कट लो लेकिन मुझे बचा लो

हादसे के बाद बचाव कार्य के दौरान एक युवक अंकित सिंह ने मलबे में फंसे एक मजदूर को ढूंढने में अहम भूमिका निभाई। उसने घायल मजदूर का पैर पकड़कर बचाव दल को उसकी सही जगह तक पहुंचने में मदद की, जिसके बाद रेस्क्यू टीम ने उसे बाहर निकालने का प्रयास तेज कर दिया। मलबे में फंसा मजदूर दर्द से कराहते हुए बार-बार कह रहा था कि मैंने अपना पैर खो दिया है, अगर जरूरत हो तो बाकी हिस्सा काटकर मुझे बाहर निकालो, बस मेरी जान बचा लो।

राम मंदिर चंदा विवाद- भूपेश बघेल का आरोप, गाजी जैसी लूट मचाई जा रही

रायपुर (एजेंसी)। राम मंदिर चंदे में कथित अनियमितताओं को लेकर राजनीतिक घमासान जारी है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्र पर प्रभु राम के नाम पर जनता को लूटने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने आरएसएस, वीएचपी और बजरंग दल की तुलना महमूद गज़नवी से कर कहा कि गजनवी ने सोमनाथ मंदिर को लूटा था, लेकिन अब ये संगठन राम मंदिर को लूट रहे हैं। कांग्रेस नेता बघेल ने देश में शिक्षा की बदहाली और किसानों की मुश्किलों पर बात की। उन्होंने कहा कि स्कूल बिना सुविधाओं के चल रहे हैं, जिससे बच्चों का भविष्य खतरे में है। किसानों को नकली खाद, खराब मौसम और बढ़ती डीज़ल-पेट्रोल कीमतों से जूझना पड़ रहा है, जिससे खेती महंगी हो रही है। इस बीच, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भी राम मंदिर चंदे में कथित हेराफेरी को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। यादव ने कहा कि इस मामले में जैसे-जैसे नई परतें खुल रही हैं, भाजपा सदस्यों और उनके सहयोगियों के बुरे गुनाहों की सच्चाई सामने आ रही है। उन्होंने आशंका जाहिर कि इन मामलों को जांच के बजाय दबाने की कोशिश की जाएगी।

महाराष्ट्र विधानसभा में मराठी उच्चारण पर बवाल, स्पीकर ने जताया खेद

मुंबई (एजेंसी)। बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने मानसून सत्र के पहले दिन शोक संदेश पढ़ते समय मराठी शब्दों के गलत उच्चारण पर खेद जाहिर किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह गलती अनजाने में तकनीकी दिक्कतों और भाषण की स्पष्ट प्रिंटेड कॉपी न होने के कारण हुई थी, और उनका मकसद किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। स्पीकर नार्वेकर ने कहा, सोमवार को शोक संदेश पढ़ते वक्त कुछ तकनीकी दिक्कतों की वजह से मेरे द्वारा कुछ शब्द गलत बोल दिए गए। मेरे पास मौजूद स्पीच की प्रिंटेड कॉपी साफ नहीं थी। जो कुछ भी हुआ, वह अनजाने में हुआ। अगर इससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची है, तब मैं खेद प्रकट करता हूं। मेरा मकसद किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। स्पीकर की यह सफाई महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे सहित कई हलकों से मिली तीखी आलोचना के बाद आई है। ठाकरे ने मशहूर प्लेबैक सिंगर आशा भोसले, सुमन कल्याणपुर और पूर्व विधायकों के निधन पर शोक संदेश पढ़ते समय मराठी भाषा के गलत उच्चारण को लेकर नार्वेकर की कड़ी निंदा की थी। ठाकरे ने विशेष रूप से इस बात पर आपत्ति जाहिर की थी कि नार्वेकर ने मशहूर गायक-अभिनेता दीनानाथ मंगेशकर (आशा भोसले के पिता) का नाम दीनदयाल मंगेशकर बोला, और सदन में किसी भी विधायक ने इस पर आपत्ति नहीं की। उन्होंने इसे आशा भोसले के लिए नहीं, बल्कि मराठी भाषा के लिए शोक प्रस्ताव करार दिया था। ठाकरे ने कहा था कि अगर नार्वेकर ने यह प्रस्ताव स्वाहिली या हिब्रू में भी दिया होता, तो भी कोई खास फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उनकी मराठी किसी को समझ ही नहीं आ रही थी।

भरत तिवारी एनकाउंटर- बाबा बागेश्वर ने कहा, जो हुआ सही नहीं हुआ

भोजपुर (एजेंसी)। बिहार के भोजपुर में 17 जून को हुए भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने घटना को सही नहीं बताया और इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की है। बाबा बागेश्वर ने कहा कि उन्हें तिवारी के बारे में जानकारी मिली है, वह एक हिंदू और सनातनी युवक था जो हिंदुत्व और सनातन के लिए लड़ता था। उन्हें पता चला है कि भरत ने प्रशासन के सामने सरेंडर किया था, लेकिन इसके बाद भी पुलिस ने उस पर गोली चला दी। धीरेंद्र शास्त्री ने पूरे मामले की गहन जांच की वकालत कर कहा कि अगर वह अपराधी था, तब उस न्यायपालिका से दंड मिलना चाहिए था। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मामले की जांच कराने का आग्रह कर कहा कि भगवान ने चाहा तब वह भविष्य में भरत तिवारी के परिवार से मिलूंगा। भरत के परिजनों ने भी पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं, उनका कहना है कि यह एनकाउंटर नहीं बल्कि एक सुनियोजित हत्या थी, क्योंकि भरत ने हथियार फेंककर आत्मसमर्पण किया था। भरत की मां की शिकायत पर जगदीशपुर के तत्कालीन एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा और शाहपुर थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इस घटना के बाद से क्षेत्र में रोष व्याप्त है, भरत के गांव में परिजनों और आसपास के ग्रामीणों ने महापंचायत आयोजित कर न्याय की मांग की। राजद सांसद सुधाकर सिंह ने भी मामले में गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि एनकाउंटर के लिए पटना से एसटीएफ की टीम भेजी गई थी और उन्होंने सीधे एडीजी कुंदन कृष्णा पर सवाल उठाकर पूछा कि एसटीएफ को भोजपुर किसने भेजा था। सांसद ने यह भी संकेत दिया कि एसटीएफ भेजने के पीछे मुख्यमंत्री का नाम भी हो सकता है, क्योंकि वाहवाही वही ले रहे हैं। इस फर्जी एनकाउंटर को लेकर अब कानूनी दांवपेंच जारी है।

सुवेंदु के बयान से टीएमसी में हलचल, सबका साथ, सबका विकास नहीं, बल्कि सबका हिसाब होगा

ममता पर तंज, जो नेता अपने ही बूथ में हार जाए, वह कैसी जननेता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार और पूर्व सीएम ममता बनर्जी पर कड़ा प्रहार कर भ्रष्टाचार, सरकारी धन के दुरुपयोग और प्रशासनिक अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने घोषणा की कि उनकी सरकार का मंत्र केवल सबका साथ, सबका विकास नहीं, बल्कि सबका हिसाब भी होगा। सीएम अधिकारी ने दावा किया कि जनता ने तृणमूल कांग्रेस को सबक सिखाया है और अब पिछली सरकार के दौरान हुए हर भ्रष्टाचार की गहन जांच होगी।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने विधानसभा में दस्तावेज दिखाते हुए आरोप लगाया कि बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट के नाम पर करीब 324 करोड़ 70 लाख रुपये फिज़ूल खर्च किए गए। साथ ही, उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सरकारी धन इस तरह निजी संस्थाओं को दिया जा सकता है। उन्होंने लक्ष्मीर भंडार, उज्ज्वला योजना, वृद्धावस्था पेंशन, शिक्षाश्री, मेधाश्री, मनरेगा और अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति जैसी अनेक कल्याणकारी योजनाओं में भारी अनियमितताओं का जिक्र कर पूछा कि आखिर जनता के पैसे को किसने लूटा। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और वर्तमान सत्र में ऐसा विधेयक लाएगा, जिसके तहत दोषियों की संपत्तियां जब्त कर उनकी नीलाम कर सके। उन्होंने हरिश मुखर्जी रोड और हरिश चटर्जी स्ट्रीट स्थित आलीशान मकानों में बेघर लोगों को बसाने की बात कहकर ममता और अभिषेक बनर्जी के आवासों की ओर इशारा किया।

सीएम अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को भ्रष्टाचार का मुख्य सूत्रधार बताया। उन्होंने बीरभूम की पत्थर खदानों का उदाहरण देकर कहा कि उनकी सरकार ने केवल एक महीने में 83 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया है, जबकि पिछली सरकार पूरे वर्ष में केवल साठ करोड़ रुपये का राजस्व दिखाती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि शेष धन कैमैक्स स्ट्रीट के जरिए दुबई पहुंचाया जाता था, और चुनाव से पहले जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एक ठेकेदार ने आइपैक को 10 करोड़ रुपये दिए थे। मुख्यमंत्री सुवेंदु ने ममता के राजनीतिक भविष्य पर टिप्पणी कर कहा कि वह अब कभी सत्ता में नहीं लौटेंगी और उनका राजनीतिक अध्याय समाप्त हुआ है। उन्होंने नंदीग्राम और भवानीपुर में उनकी हार का जिक्र कर तंज कसा कि जो नेता अपने ही बूथ में हार जाए, क्या जननेता माना जा सकता है?

इस बीच, पश्चिम बंगाल सरकार के एक अन्य फैसले ने नया राजनीतिक और सामाजिक विवाद खड़ा कर दिया है। राज्य सरकार ने घोषणा की है कि कोलकाता नगर निगम क्षेत्र के सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना का संचालन अब इस्कॉन करेगा। इस फैसले के बाद स्पष्ट हो गया कि विद्यार्थियों को परोसे जाने वाले भोजन में अब अंडा शामिल नहीं होगा। इस्कॉन की अन्नमित्र फाउंडेशन के माध्यम से यह योजना लागू की जाएगी और लगभग एक लाख विद्यार्थियों को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इस्कॉन के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता राधारमण दास ने बताया कि अंडे के स्थान पर सोया, राजमा, पनीर, दाल, बीन्स और अन्य शाकाहारी प्रोटीन स्रोत भोजन में शामिल किए जाएंगे, जो बच्चों को अंडों से मिलने वाले पोषण के बराबर या उससे अधिक लाभ देने वाले है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने आरोप लगाया कि बच्चों से पोषण छीना जा रहा है और उन पर जबरन शाकाहार थोपा जा रहा है, जिससे पश्चिम बंगाल की विविध भोजन पद्धतियों और बच्चों के पोषण पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शुभेन्दु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने के बाद पश्चिम बंगाल में प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर तेजी से बदलाव दिखाई देने लगे हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार कार्रवाई हो रही है और कट मनी तथा भाइपो टैक्स जैसी अवैध वसूलियों पर पूरी तरह रोक लग चुकी है। अवैध घुसपैठियों के खिलाफ अभियान तेज हुआ है तथा विभिन्न इलाकों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी चल रही है। राज्य सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकारी खजाने का एक-एक पैसा केवल जनता की भलाई और विकास कार्यों के लिए खर्च होगा।

सीएम मान पर सियासी घेराबंदी : वीडियो विवाद में फर्जी रिपोर्ट का खुलासा

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर सिख गुरुओं के कथित अपमान से जुड़े वीडियो विवाद के बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और कांग्रेस ने उनके इस्तीफ़े की मांग कर रही है। यह मांग गुरुग्राम पुलिस द्वारा दो लोगों को वीडियो से संबंधित एक फर्जी फ़ॉरेंसिक रिपोर्ट में हेरफेर करने के आरोप में गिरफ़्तार करने के बाद सामने आई है। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि मूल विवादित वीडियो नकली और एआई-निर्मित था। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने सीएम मान को सत्ता के नशे में चूर बताया। उन्होंने कहा कि अकाल तख्त साहिब द्वारा वीडियो को नकली और एआई-निर्मित बताए जाने के बाद, मान ने एक झूठी रिपोर्ट पेश की। चुघ ने उन्हें देशद्रोही घोषित कर सीएम पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार न होने की बात कही। वहीं पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने भी मान के इस्तीफ़े और सार्वजनिक माफी की मांग की। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा गुरुग्राम में बैठक कर अपने एजेंडे के हिसाब से रिपोर्ट तैयार करवाना अकाल तख्त के गुरु द्रोही करार देने के फ़ैसले की पुष्टि करता है। गुरुग्राम के एसीपी क्राइम नवीन शर्मा ने पुष्टि की कि पुलिस ने फ़ॉरेंसिक रिपोर्ट में हेरफेर करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ़्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, इन आरोपियों को वीडियो में हेरफेर के लिए पंजाब के अधिकारियों से 10 लाख रुपये मिले थे।

नीट विवाद:मल्लिकार्जुन खड़गे ने धर्मेंद्र प्रधान पर साधा निशाना, इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर नीट पेपर लीक मामले में छात्रों के विरोध प्रदर्शनों पर उनकी कथित टिप्पणियों को लेकर तीखा हमला बोला। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने केंद्र सरकार पर लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद करने और परीक्षा में गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज उठाने वालों का अपमान करने का आरोप लगाकर केंद्रीय मंत्री प्रधान के तत्काल इस्तीफे की मांग की।

खड़गे ने दावा किया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल के दौरान 90 पेपर लीक हुए हैं, जिससे लाखों छात्रों का भविष्य तबाह हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक विवाद के कारण 20 छात्रों ने आत्महत्या की है। खड़गे ने कड़े शब्दों में कहा, 90 बार पेपर लीक हुए हैं, लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद हो गया है। लेकिन मोदी सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपनी कुर्सी से चिपके हुए हैं और इंटरव्यू देकर छात्रों की आवाज़ को आतंकवादी बता रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार सवाल उठाने वाले किसी भी व्यक्ति को देश-विरोधी करार देती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पहले प्रदर्शनकारी किसानों को आंदोलन-जीवी और परजीवी कहे जाने का भी ज़िक्र किया। कांग्रेस नेता खड़गे ने कहा कि छात्रों का आंदोलन पूरे देश में ज़ोर पकड़ेगा और मोदी सरकार के मंत्री प्रधान को निश्चित रूप से इस्तीफा देना होगा। इससे पहले, एक साक्षात्कार में प्रधान ने जंतर-मंतर पर उनके इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों को विघटनकारी तत्वों की बी-टीम बताया था। उन्होंने कहा था कि जो लोग लोकतंत्र में नकार दिए गए थे, वे अब भेष बदलकर आए हैं और सिस्टम के पीछे पड़े हैं। वे उन लोगों के लिए नारे लगाते हैं जो देश को बांटना चाहते हैं।

शपथ लेते वक्त देवी-देवता का नाम नहीं ले सकते

–केरल हाईकोर्ट ने कहा– कानून में तय प्रारूप से बाहर नहीं जा सकते जनप्रतिनिधि

–गलत शपथ लेने वालों को दोबारा शपथ का निर्देश

कोच्चि(एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की शपथ को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि शपथ लेते समय कानून में निर्धारित शब्दों से बाहर नहीं जाया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि शपथ केवल 'ईश्वर' के नाम पर ली जा सकती है या फिर बिना ईश्वर का नाम लिए सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा की जा सकती है। इसमें किसी देवी-देवता, भारत माता, राजनीतिक संगठन, शहीद या किसी व्यक्ति का नाम जोड़ना कानूनन मान्य नहीं है।

हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति पीवी कुन्हीकृष्णन की एकल पीठ ने यह फैसला तिरुवनंतपुरम नगर निगम और पलक्कड़ जिले की वडक्कनचेरी ग्राम पंचायत से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान दिया। अदालत ने कहा कि शपथ का प्रारूप संबंधित कानूनों में स्पष्ट रूप से निर्धारित है और उसमें अपनी ओर से कोई भी अतिरिक्त शब्द जोड़ना वैध नहीं माना जा सकता। मामला उस समय सामने आया जब तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 20 पार्षदों ने शपथ के दौरान विभिन्न हिंदू देवी-देवताओं, 'भारतम्बा', 'भारत माता', गुरुदेव और राजनीतिक आंदोलनों के शहीदों के नाम लिए। वहीं, वडक्कनचेरी ग्राम पंचायत के एक सदस्य ने 'ईश्वर की कृपा से उम्मन चांडी के नाम पर' शपथ ली थी।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि केरल म्युनिसिपैलिटी एक्ट और पंचायत राज एक्ट के तहत शपथ लेने के केवल दो वैधानिक तरीके हैं। पहला, ईश्वर के नाम पर शपथ लेना और दूसरा, ईश्वर का उल्लेख किए बिना सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा करना। कोर्ट ने कहा कि 'ईश्वर' शब्द का अर्थ किसी विशेष देवी-देवता, व्यक्ति, संगठन या विचारधारा तक सीमित नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि शपथ महज एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संविधान और जनता के प्रति एक गंभीर वचन है। इसलिए शपथ वही मानी जाएगी जो कानून में निर्धारित प्रारूप के अनुसार ली गई हो।

हालांकि अदालत ने संबंधित जनप्रतिनिधियों को राहत देते हुए उनकी सदस्यता समाप्त नहीं की। कोर्ट ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम के पार्षदों और वडक्कनचेरी पंचायत सदस्य को चार सप्ताह के भीतर दोबारा वैधानिक तरीके से शपथ लेने का निर्देश दिया है।

अदालत ने यह भी माना कि संबंधित जनप्रतिनिधियों ने संभवतः यह मानकर ऐसा किया कि उनका तरीका वैध है, इसलिए उन पर कोई दंडात्मक कार्रवाई या जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। साथ ही कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक सुधारक नारायण गुरु की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि लोग भगवान को अलग-अलग नामों से पुकार सकते हैं, लेकिन कानूनी शपथ केवल निर्धारित प्रारूप में ही ली जा सकती है।

तकनीकी खराबी : एयर इंडिया का विमान पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में घुसकर लौटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से अमृतसर जा रहा एयर इंडिया का विमान तकनीकी खराबी के कारण रास्ता भटककर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में जा घुसा। पाकिस्तानी एयर ट्रैफिक अर्थॉरिटी (एटीसी) की चेतावनी के बाद विमान वापस भारतीय सीमा में लौट आया। अमृतसर एयरपोर्ट पर ट्रैफिक अधिक होने के चलते विमान को तुरंत लैंडिंग की अनुमति नहीं मिली और विमान को दिल्ली वापस भेजा गया, जिसके बाद करीब चार घंटे की देरी से वह मंगलवार तड़के अमृतसर पहुंचा।

एयरपोर्ट अर्थॉरिटी के अनुसार, एयरबस एआई-321 विमान ने सोमवार रात 9 बजकर 18 मिनट पर दिल्ली से उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आने से विमान अपने निर्धारित मार्ग से भटक गया। रात 10 बजकर 30 मिनट पर विमान को अमृतसर में लैंड होना था, लेकिन यह पाकिस्तान के एयरस्पेस में पहुंच गया। इसके बाद विमान के पायलट को पाकिस्तान एटीसी से मिली चेतावनी के बाद ही इस गलती का एहसास हुआ। इसके तुरंत बाद पायलट ने यू-टर्न लेकर विमान को वापस भारतीय हवाई क्षेत्र में ले आया। हालांकि, तब तक अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के लिए ट्रैफिक बढ़ चुका था, जिससे विमान को उतरने की परमिशन नहीं मिली। ऐसी स्थिति में, एयरपोर्ट कंट्रोल रूम के निर्देश पर विमान को वापस दिल्ली भेजा गया, जहां उसकी सुरक्षित लैंडिंग हुई। दो घंटे बाद दुबारा अनुमति मिलने पर विमान ने अमृतसर के लिए फिर से उड़ान भरी और मंगलवार तड़के 2 बजकर 20 मिनट पर, करीब चार घंटे की देरी से, सुरक्षित रूप से अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा।

महुआ बोलीं- मैं पूरी रात रोई तो सिर्फ शुभेंदु ने दिया मेरा साथ

–महुआ के बयान से ममता की बढ़ी चिंता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस समय तृणमूल कांग्रेस के भीतर और बाहर दोनों जगह उथल-पुथल मची हुई है। विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद ममता बनर्जी इन दिनों कई मुश्किलों का सामना कर रही हैं। पार्टी के भीतर बागियों की झड़ी लगी है, जहां हाल ही में ऋतब्रत बनर्जी की अगुवाई में कुछ नेताओं ने ममता बनर्जी को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से बेदखल करने की घोषणा तक कर दी। ऐसे मुश्किल दौर में, टीएमसी की फायरब्रांड नेता और ममता की सबसे करीबी सांसदों में गिनी जाने वाली महुआ मोइत्रा ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने मुख्यमंत्री की चिंता बढ़ा दी है। महुआ मोइत्रा ने बीते 22 जून को एक इंटरव्यू में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की जमकर तारीफ की है। मौजूदा समय में महुआ और शुभेंदु एक-दूसरे के धुर विरोधी माने जाते हैं, ऐसे में उनका यह बयान राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। महुआ ने शुभेंदु को एक अच्छा दोस्त बताया और पुराने दिनों को याद किया जब शुभेंदु ने उनकी मदद की थी। महुआ कहती हैं, शुभेंदु मेरे अच्छे दोस्त हैं। जब हम एक पार्टी में थे तो उन्होंने मेरा काफी साथ दिया। उन्होंने याद किया कि जब वह करीमपुर से चुनाव लड़ी थीं, तो सिर्फ शुभेंदु ही उनके लिए प्रचार करने आए थे और उन्हें हर तरह की मदद भेजी थी।

महुआ ने 2014 की घटना का भी जिक्र किया, जब उन्हें लोकसभा का टिकट मिलने वाला था लेकिन नहीं मिला, तब केवल शुभेंदु अधिकारी ही उनके साथ खड़े थे। महुआ ने बताया कि शुभेंदु ने उनसे कहा था, नहीं बहन, मैं हूं न। महुआ इसे भावनात्मक कनेक्शन बताती हैं, हालांकि वह स्वीकार करती हैं कि आज वे अलग-अलग पार्टी में हैं और उनकी बात नहीं होती। यह बयान ऐसे समय में आया है जब शुभेंदु अधिकारी तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम चुके हैं और ममता के कट्टर आलोचक बन गए हैं। शुभेंदु दिसंबर 2020 में टीएमसी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे।

महुआ मोइत्रा साल 2016 में पश्चिम बंगाल की करीमपुर विधानसभा सीट से अपना पहला चुनाव लड़ी थीं और उसमें विजयी भी हुई थीं। उस समय शुभेंदु अधिकारी टीएमसी के एक कद्दावर संगठनकर्ता और नदिया जिले के पार्टी पर्यवेक्षक थे। महुआ उसी दौर की बात कर रही थीं जब संगठन के अन्य नेताओं से पर्याप्त सहयोग न मिलने पर शुभेंदु अधिकारी ने जमीन पर उतरकर उनके लिए चुनाव प्रचार किया था। इसी तरह, 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले जब महुआ मोइत्रा कृष्णानगर सीट से चुनाव लड़ना चाहती थीं और टिकट मिलने में संशय था, तब वह भावुक हो गई थीं। उस समय भी शुभेंदु ने एक सीनियर सहकर्मी के नाते उन्हें ढांढस बंधाया था। बाद में महुआ को कृष्णानगर से टिकट मिला और वह जीतकर संसद पहुंचीं। महुआ के इन बयानों को ममता बनर्जी की मुश्किलें बढ़ाने वाला माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब पार्टी में एकता की कमी महसूस की जा रही है।

सिक्किम में बारिश का कहर, भूस्खलन से पश्चिमी जिले का संपर्क टूटा

–ग्यालशिंग–लेगशिप मार्ग कई जगहों पर ध्वस्त, लगातार बारिश से राहत कार्य प्रभावित

गंगटोक (एजेंसी)। सिक्किम में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। पश्चिमी सिक्किम में कई स्थानों पर हुए भूस्खलन के कारण ग्यालशिंग-लेगशिप मार्ग पूरी तरह बंद हो गया है, जिससे पश्चिम सिक्किम जिला मुख्यालय का राज्य के अन्य हिस्सों से संपर्क टूट गया है।

पिछले 24 घंटों के दौरान ग्यालशिंग में 95.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। भारी बारिश के कारण पहाड़ियों से मलबा और बड़ी-बड़ी चट्टानें सड़कों पर आ गिरीं, जिससे वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

जिलाधिकारी तेनजिंग डेंजोंगपा ने मीडिया को जानकारी दी, कि मंगलवार रात करीब नौ बजे भूस्खलन की सूचना मिली थी। सबसे बड़ा भूस्खलन ग्यालशिंग शहर से लगभग दो किलोमीटर दूर ओमचुंग क्षेत्र में हुआ। इसके बाद प्रशासन ने जेसीबी और अन्य मशीनों की मदद से मलबा हटाने का अभियान शुरू किया, लेकिन लगातार बारिश और खराब मौसम के कारण राहत कार्य में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि ग्यालशिंग-लेगशिप हाईवे पर कम से कम तीन स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। इनमें ओमचुंग के पास मुख्य भूस्खलन क्षेत्र, उसके नीचे का हिस्सा तथा लेगशिप के निकट एक अन्य स्थान शामिल है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि हर वर्ष मानसून के दौरान इस मार्ग पर भूस्खलन की समस्या सामने आती है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं निकाला जा सका है। ग्यालशिंग-लेगशिप सड़क पश्चिम सिक्किम के लिए जीवनरेखा मानी जाती है। इसी मार्ग से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति, यात्री

परिवहन और आपातकालीन सेवाओं का संचालन होता है। सड़क बंद होने से स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वैकल्पिक मार्गों के अभाव में जिले का संपर्क पूरी तरह प्रभावित हो गया है। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य तेज करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई है, जिससे भूस्खलन और जलभराव की घटनाओं का खतरा बना हुआ है।

महाराष्ट्र में महिलाओं पर अत्याचार के मामलों में चिंताजनक बढ़ोतरी, देश में दूसरे स्थान पर राज्य- एनसीआरबी रिपोर्ट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों से महिलाओं पर अत्याचार, छेड़छाड़ और दुष्कर्म की घटनाएं लगभग रोजाना सामने आ रही हैं। कई घटनाएं ऐसी हैं जिन्होंने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। सरकार द्वारा महिला सुरक्षा के लिए विभिन्न योजनाएं और कानून लागू किए जा रहे हैं, लेकिन बढ़ते अपराधों को देखकर यह सवाल उठने लगा है कि क्या ये उपाय केवल कागजों तक ही सीमित रह गए हैं। दरअसल हाल ही में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें महाराष्ट्र महिलाओं पर अत्याचार के मामलों में देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस मुद्दे को लेकर विधानसभा में भी सवाल उठाया गया। एनसीआरबी की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार महाराष्ट्र में महिलाओं पर अत्याचार के कुल 47,954 मामले दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक राज्य महिला अपराध के मामलों में देश में दूसरे स्थान पर है। यह आंकड़ा राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वर्ष 2025 में बलात्कार के 8,643 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2024 में 7,940 मामले सामने आए थे। यानी एक वर्ष में दुष्कर्म की घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके अलावा बच्चों के खिलाफ अपराधों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार 2025 में बाल यौन शोषण और अत्याचार के मामलों में 482 मामलों की वृद्धि हुई है, जो समाज और प्रशासन दोनों के लिए चिंता का विषय है। कोल्हापुर परिक्षेत्र में वर्ष 2024-25 के दौरान महिलाओं पर अत्याचार के 2,362 मामले तथा 4,485 छेड़छाड़ (विनयभंग) के मामले दर्ज किए गए हैं। राज्य में महिलाओं के खिलाफ सबसे अधिक अपराध इसी क्षेत्र में सामने आए हैं। वहीं, अहिल्यानगर जिले में वर्ष 2022 से 2025 के बीच नाबालिग लड़कियों के खिलाफ अत्याचार के 641 मामले दर्ज हुए हैं। इसके अलावा वर्ष 2026 के शुरुआती तीन महीनों में ही 41 नए मामले सामने आ चुके हैं। विधानसभा में इस विषय पर जवाब देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि बदलापुर और नसरापुर अत्याचार मामलों में अपराध दर्ज कर आरोपपत्र अदालत में प्रस्तुत कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर है और इस दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा के लिए 51 भरोसा सेल, 58 फास्ट ट्रैक कोर्ट, दामिनी पथक, हेल्पलाइन सेवाएं तथा विशेष जांच दल सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही शक्ती कानून की विभिन्न धाराओं का अध्ययन कर नए आपराधिक कानूनों में आवश्यक संशोधन भी किए गए हैं। बहरहाल एनसीआरबी की रिपोर्ट ने महाराष्ट्र में महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकार सुरक्षा उपायों का दावा कर रही है, लेकिन बढ़ते

अपराधों के आंकड़े स्थिति की गंभीरता को उजागर कर रहे हैं। बढ़ते अपराधों के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि महिला सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत है। समाज और प्रशासन दोनों के सामने यह बड़ी चुनौती है कि महिलाओं और बच्चियों को सुरक्षित वातावरण कैसे उपलब्ध कराया जाए।

बरेली में चाइनीज मांझे से गन्ना मंत्री के भतीजे की गर्दन कटी, निजी अस्पताल में भर्ती, हालत नाजुक

बरेली। बरेली में चाइनीज मांझे से फिर दर्दनाक हादसा हुआ है। शहर के श्यामगंज फ्लाईओवर पर चाइनीज मांझे की चपेट में आने से प्रदेश के गन्ना राज्यमंत्री संजय गंगवार के भतीजे 15 वर्षीय वीर सिंह गंगवार की गर्दन कट गई। स्थानीय लोगों की मदद से वीर सिंह को तत्काल ही निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वीर सिंह राज्यमंत्री के भाई ब्लॉक प्रमुख अजय सिंह गंगवार के पुत्र हैं, जो सोमवार को अपनी स्कूटी से कहीं जा रहे थे। अचानक मांझा गले में फंसने से वीर सिंह अनियंत्रित होकर स्कूटी समेत फ्लाईओवर पर ही गिर पड़े। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। निजी अस्पताल में भर्ती वीर सिंह की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पीलीभीत से गन्ना मंत्री संजय गंगवार तत्काल बरेली पहुंचे। अस्पताल पहुंचकर उन्होंने अपने भतीजे का हाल जाना और डॉक्टरों से उपचार के बारे में जानकारी ली। पत्रकारों से वार्ता में मंत्री ने कहा कि चाइनीज मांझा पूरी तरह से प्रतिबंधित है, बावजूद इसके शहर में इसका उपयोग होना चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि सरकार चाइनीज मांझे पर पहले ही प्रतिबंध लगा चुकी है। वह डीएम, एसएसपी से बात करेंगे। एसएसपी अनुराग आर्य ने भी इस संबंध में वीडियो बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध के बावजूद चाइनीज मांझा बाजार में कैसे पहुंच रहा है, इस पर कार्रवाई की जाएगी। बरेली पुलिस पहले भी इस तरह का मांझा बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर चुकी है।

प्रेमिका की दूसरे से तय हुई शादी, प्रेमी ने मोबाइल टावर पर चढ़कर किया हंगामा

बदायूं। बदायूं के वजीरगंज कस्बे में रविवार को एक युवक प्रेम प्रसंग के चलते मोबाइल टावर पर चढ़ गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित नीचे उतारा। इस घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी मची रही। युवक की पहचान बरेली जनपद के अलीगंज थाना क्षेत्र निवासी नदीम के रूप में हुई है। नदीम वजीरगंज स्थित एवीएस स्कूल के पीछे लगे मोबाइल टावर पर चढ़ा था। बताया जाता है कि नदीम का एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। परिजनों ने युवती का रिश्ता कहीं और तय कर दिया था, जिससे वह नाराज था। रविवार को उसने मोबाइल टावर पर चढ़कर हंगामा किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने नदीम से काफी देर तक बातचीत की। उन्होंने उसे समझाने का प्रयास किया। लंबी मशक्कत के बाद युवक नीचे उतरने को राजी हुआ। पुलिस उसे अपने साथ थाने ले गई, जहां उससे पूछताछ की गई। पुलिस की सूझबूझ से युवक को सुरक्षित नीचे उतारा गया, जिससे कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।

घर में मां कर रही थी इंतजार, रेलवे स्टेशन पर हुआ बेटे का मर्डर

बागपत। दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन पर बागपत के युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। युवक की मां उसके घर आने का इंतजार करती रही। दिल्ली के मेट्रो स्टेशन पर ड्यूटी करने वाले पंकज धामा के सुबह आठ बजे तक घर नहीं आने पर मां ने फोन किया। फोन किसी अन्य शख्स ने उठाया और मां को जानकारी दी कि उसकी हत्या हो गई है। दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ते समय हुए झगड़े में मारे गए पंकज धामा बागपत के खेकड़ा निवासी मोहल्ला औरंगाबाद शेखपुरा का उसकी मां कविता सुबह इंतजार करती रह गई। उन्होंने पंकज को फोन किया तो फोन किसी अन्य व्यक्ति ने रिसीव किया, जिसने शाहदरा रेलवे स्टेशन पर पंकज धामा की हत्या होने के बारे में बताया। इतना सुनते ही पंकज के परिवार वालों में चीख-पुकार मच गई और परिवार वाले पड़ोसियों के साथ दिल्ली के शाहदरा गए। कस्बे के मोहल्ला औरंगाबाद शेखपुरा निवासी कविता ने बताया कि उनका बेटा पंकज कई साल से दिल्ली में इंद्रप्रस्थ मेट्रो स्टेशन पर गार्ड की नाइट ड्यूटी कर रहा था। वह शाम को ड्यूटी पर जाता और सुबह साढ़े सात से आठ बजे तक ट्रेन से ही घर वापस आ जाता था। उन्होंने बताया कि रात में पंकज ने दिल्ली में मेट्रो स्टेशन पर पहुंचने के बाद फोन पर बातचीत की। पंकज ने कहा कि सुबह जल्दी ही घर वापस आ जाएगा। शनिवार सुबह आठ बजे तक पंकज वापस नहीं आया तो उन्होंने थोड़ी देर इंतजार किया। दिल्ली से आने वाली ट्रेन का समय बीतने के बाद भी पंकज घर नहीं आया तो उन्होंने फोन किया, तभी पंकज का फोन किसी अन्य व्यक्ति ने रिसीव किया। उनको बताया गया कि शाहदरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ते समय दूसरे यात्रियों से पंकज का झगड़ा हो गया और उन्होंने पंकज की पीटकर हत्या कर दी। दिल्ली में पोस्टमार्टम के बाद शनिवार दोपहर परिवार वाले शव लेकर आए और यहां अंतिम संस्कार किया गया। कविता ने बताया कि उनके बड़े बेटे पंकज की सात साल पहले बड़ौत की पूजा के साथ शादी हुई थी। पंकज का एक बेटा सम्राट और बेटी मिष्ठी है। पंकज का साला ऋषि देहरादून में नौकरी करता है। गर्मियों की छुट्टी के कारण दस दिन पहले पूजा दोनों बच्चों को लेकर अपने भाई के यहां देहरादून चली गई थी। मेट्रो स्टेशन पर पहुंचने के बाद पंकज ने अपनी पत्नी पूजा से फोन पर बात की थी। पूजा ने भी जल्दी ही देहरादून से वापस आने की बात कही थी। शनिवार सुबह पंकज की हत्या का पता चलने पर उन्होंने ही पूजा को फोन करके इसके बारे में बताया। उनके परिवार में छोटा बेटा सन्नी, बेटी पायल, पंकज की पत्नी और उसके दो बच्चे रह गए हैं। पंकज के पिता राजेंद्र धामा किसान हैं। पंकज धामा की बहन पायल का कहना है कि उसका भाई सीधा था और सभी से प्यार से बातचीत करता था। भाई का कभी किसी से झगड़ा भी नहीं हुआ। उसके भाई की हत्या के बाद एक वीडियो भी यात्रियों ने सोशल मीडिया पर वायरल की। वीडियो में पुलिस के सामने उसके भाई को पांच-छह यात्री पीटते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिसकर्मी उनको रोकने का प्रयास करता है तो वह उसके सामने भी पंकज को पीटते रहते हैं। वहां पिटाई के बाद पंकज जमीन पर गिर जाता है। पायल का आरोप है कि पुलिसकर्मी ने हमलावर को पकड़ने के बजाय उन्हें भगा दिया। पायल ने भाई की हत्या करने वालों को गिरफ्तार करने की मांग की। ट्रेनों में सफर करने वालों के साथ मारपीट की घटनाएं लगातार हो रही हैं। खेकड़ा के दीपक यादव की छह महीने पहले ट्रेन में सीट को लेकर हुए विवाद में पीटकर हत्या कर दी गई थी। उसका शव भी स्टेशन के पास फेंक दिया गया था। इसके बाद दोबारा से शामली के यात्रियों पर हमला किया गया था। इनके अलावा भी कई घटनाएं हो चुकी हैं।

खूंखार कुत्तों ने महिला को नोचा, बैट-विकेट से बचाई जान

कानपुर। कानपुर में चकेरी थाना क्षेत्र स्थित फ्रेंड्स कॉलोनी में शनिवार शाम कांग्रेसी नेता के भाई के घर पर पले तीन रॉटविलर कुत्तों ने 55 वर्षीय महिला गीता पर हमला कर दिया। खूंखार कुत्तों ने घर के भीतर गीता पर हमला किया और उसे घसीटते हुए सड़क तक ले आए। महिला की चीखपुकार से सड़क पर हड़कंप मच गया। इसी दौरान डिलीवर बॉय ने हिम्मत दिखाकर कुत्तों पर पत्थर चलाए. तब जाकर महिला उनके जबड़ों से छूट सकी। महिला के शरीर पर 13 गहरे घाव हो गए। डॉक्टरों के अनुसार यह ग्रेड-3 डॉग बाइट का मामला है जो बेहद गंभीर श्रेणी में आता है। फिलहाल महिला का हैलट में इलाज चल रहा है। घटना से इलाके में दहशत है। घाऊखेड़ा की रहने वाली गीता अपनी सहपाठी के साथ शाम को कांग्रेसी नेता अजय बिग के भाई अशोक बिग के घर घरेलू काम और खाना बनाने की बात करने पहुंची थी। अभी वह घर से निकल ही रही थी कि वहां मौजूद तीनों कुत्ते गीता पर टूट पड़े। महिला जब तक कुछ समझ पाती कुत्तों ने उसके हाथ व पैर में कई जगह नोच लिया। हाथ को जबड़े में दबाकर कुत्ते गीता को देखते ही देखते सड़क पर खींच लाए। डिलीवरी बॉय के साथ मोहल्लों ने कुछ लड़कों ने बैट और विकेट की मदद से गीता की जान बचाई। घटना की जानकारी होने पर गीता की बेटी बॉबी और तेजस्वी किसी तरह घायल मां को स्कूटी से लेकर कांशीराम अस्पताल पहुंचीं। इसके बाद बेटियों ने पिता ज्योति प्रकाश को घटना की जानकारी दी। हालत गंभीर देख उन्हें कांशीराम से उन्हें हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया। गीता के पति ज्योति प्रकाश निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि 10 मिनट की भी देरी होती, तो महिला की जान जा सकती थी। क्षेत्र निवासी सीमा दीक्षित ने बताया कि जब वह मौके पर पहुंचीं तो महिला खून से लथपथ हालत में पड़ी थीं। कुत्तों के हमले में उनके कपड़े तक फट गए थे। उन्होंने अपने दुपट्टे से महिला के शरीर को ढका और अन्य लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल भिजवाया। स्थानीय निवासी रतन गुप्ता. सुरेश कुमार आदि ने बताया कि इलाके में इन कुत्तों का आतंक है। महिलाएं और बच्चे सड़क पर निकलने से डरते हैं। छह माह पहले एक पांच वर्षीय बच्ची अन्नी और 11 वर्षीय अभि भी कुत्तों का शिकार हो चुकी है। लोगों का आरोप है कि कुत्तों को अक्सर खुले में छोड़ दिया जाता है। खतरनाक कुत्तों के मालिक प्रभावशाली परिवार से जुड़े हैं इसलिए कई लोग खुलकर शिकायत करने से बचते हैं।

हर साल बढ़ रहे दमा-सांस के 12 फीसदी मरीज, वजह जानने के लिए 75 जिलों में होगा शोध

आगरा। हवा में कार्बन, भारी तत्व, पीएम 2.5 तत्व तेजी से बढ़ रहे हैं। इससे हर साल दमा-सांस रोग के 10 से 12 फीसदी मरीज बढ़ रहे हैं। इससे असमय मौत भी हो रही है। इसकी वजह-दुष्प्रभाव जानने के लिए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने उत्तर प्रदेश क्लीन एयर मैनेजमेंट प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसमें 15 संस्थानों को 75 जिलों में शोध की जिम्मेदारी दी गई है। विश्व बैंक इसका खर्च वहन करेगा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय को आगरा, मथुरा और इटावा, सेंटर फॉर द डेवलपमेंट ऑफ ग्लास इंडस्ट्री को फिरोजाबाद और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी को अलीगढ़, एटा, हाथरस और कासगंज मिला है। इनमें लैब बनेगी और पर्यावरण संबंधी नए पाठ्यक्रम भी शुरू होंगे। इनके लिए आईआईटी कानपुर पाठ्यक्रम तय करेगा। प्रोजेक्ट में चार मिनी सुपर साइट (आगरा, अलीगढ़, गोरखपुर, झांसी) बनेंगी। विश्व बैंक से शासन के साथ समझौता हुआ है। लैब के लिए 27.9 लाख रुपये और मिनी सुपर साइट के लिए 5.20 करोड़ रुपये मिलेंगे। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइफ साइंस के निदेशक और प्रोजेक्ट के नोडल अधिकारी प्रो. भूपेंद्र स्वरूप शर्मा ने बताया कि विशेषज्ञ प्रदूषित क्षेत्र चिह्नित कर उपकरण लगाएंगे। हर साल न्यूनतम 104 नमूने लेकर लैब में कार्बन, पीएम 2.5 समेत अन्य की जांच करेंगे। 525 से अधिक नमूनों की लैब में जांच करने के बाद वजह, दुष्प्रभाव और बचाव की रिपोर्ट शासन को भेजेंगे। इसके आधार पर शासन गाइडलाइन बनाएगा। प्रोजेक्ट की प्रक्रिया शुरू हो गई है। एसएन मेडिकल कॉलेज में वक्ष एवं क्षय रोग विभाग के डॉ. गजेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि प्रदूषण की वजह से हवा में कार्बन, आर्सेनिक, लेड, सल्फर डाई ऑक्साइड समेत कई तरह के हानिकारक गैस और तत्व मिल रहे हैं।

प्रेमिका से अनबन के बाद इंजॉय योर लाइफ का स्टेटस लगा ट्रेन के आगे कूदा किशोर, मौत

कानपुर। गुजैनी थाना क्षेत्र में प्रेमिका से अनबन के बाद रविवार रात किशोर ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। खुदकुशी से पहले उसने इंजॉय योर लाइफ का स्टेटस मोबाइल पर लगाया था। रविवार शाम किराने का सामान लेने की बात कहकर घर से निकला था। देर रात उसका शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। मेहरबान सिंह का पुरवा निवासी मुन्ना गुप्ता ने बताया कि परिवार में पत्नी सुनीता, दो बेटे रवि और सौरभ (17) तथा बेटी रूबी हैं। सौरभ दादा नगर की एक फैक्टरी में काम करता था। परिजनों के मुताबिक, उसका क्षेत्र की ही एक युवती से प्रेम संबंध था और पिछले करीब 10 दिनों से दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। इसी वजह से वह काफी परेशान रहने लगा था। रविवार शाम करीब छह बजे सौरभ किराने का सामान लेने की बात कहकर घर से निकला था। देर रात तक उसके घर नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। बाद में पुलिस ने सूचना दी कि गुजैनी ब्लॉक के पास रेलवे ट्रैक पर एक किशोर का शव मिला है, जिसकी पहचान सौरभ के रूप में हुई। बहन रूबी के अनुसार, सौरभ ने खुदकुशी से पहले अपने मोबाइल पर भावुक स्टेटस लगाए थे। एक स्टेटस में उसने लिखा था, किसी को प्यार करो तो ऐसे करो कि वह आपको मिले या न मिले, लेकिन उसे आपकी मोहब्बत हमेशा याद रहे।

NAME CHANGE

I, hitherto known as Japed S/O: Harun, R/O 28, chaudhary vada, , Sikandrabad, Bulandshahr, Sikandrabad, Uttar Pradesh, 203205 , have changed my name and shall hereafter be known as JAVED.

NAME CHANGE

I RAJENDER KUMAR KHURANA S/O DESH RAJ R/O 7/235 BLOCK NO-7 KHICHRI PUR EAST DELHI-110092 HAVE CHANGED MY NAME TO RAJENDRA KHURANA

NAME CHANGE

It is for general information that I MD ASHRAF S/o ASLAM MOHD R/o B – 39 , Near Guru Dwara , Sangam Vihar , Devli , Dr. Ambedkar Nagar , Dist : South Delhi , Delhi – 110080 declare that the name of mine has been wrongly written as MOH ASRAF in my minor daughter namely HINA PARVEEN aged 17 years in his 10th and 12th class Educational Documents . The actual name of mine is MD ASHRAF Which may be amended accordingly .

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Neelam W/o Mr. K.C. Sharma is the owner of Freehold Residential Built-on Portion of Plot No. 32, area measuring 46.1/2 Sq. Yds., out of Khasra No. 67/18, situated in the revenue estate of Village Hastsal, Delhi State Delhi, area Abadi is Known as Colony Om Vihar, Phase IV, Uttam Nagar, New Delhi. by virtue of Regd. GPA, Notarized ATS & Regd. Will (Vide Doc. No. 42511) dated 18.07.2000 duly registered as Document No. 41803, in Book No. 4, Volume No. 2216, on Pages No. 142-143, on dated 18.07.2000, in the Office of SR- Delhi., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and Upper Ground Floor, without roof rights sold to be Mr. Vishal Kumar Bhanwal and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I hitherto Known as AREENA NASIM KHATOON alias NASEEM KHATOON D/o MOHD SAFI KHAN W/o IBNAY ALI residing at 289 , Kumhar Basti Extension , Gharoli , Vasundhra Enclave , Preet Vihar , East Delhi ,Delhi 110096 have changed my name and shall hereafter be known as NASEEM KHATOON

NAME CHANGE

I hitherto Known as SANGEETA alias SANGITA D/o OMPAL SINGH W/o ANIL KUMAR residing at A – 91 , Gali No. 9 , Bhajan Pura , North East Delhi , Delhi - 110053 have changed my name and shall hereafter be known as SANGITA .

NAME CHANGE

I, hitherto known as RAVINDRA JHA S/O: Krit Narayan, R/O SHRI shridil SAI DHAM MANDIR, ANSAL VILA, SATBERI, Satberi, PO: Satbari, DIST: South Delhi, Delhi-110074, have changed my name and shall hereafter be known as Raghu Nath Das.

PUBLIC NOTICE

It is hereby informed to the general public that our client, Mrs. Kamla Sharma, Wife of Mr. Tara Chand Sharma alias Chhidda Ram Sharma, is the lawful owner and in possession of Freehold Residential Plot No. 224, measuring 51 Sq. Yards, carved out of Khasra No. 6/21/2, situated in the revenue estate of Village Najafgarh, Delhi State, Delhi, in the abadi known as Ajay Park, Naya Bazar, Najafgarh, New Delhi - 110043. The ownership rights in the aforesaid property were acquired by our client by virtue of a Notarized General Power of Attorney (GPA) and Agreement to Sell (ATS) dated 20.02.2004. Our client hereby declares that no other person has any right, title, interest, claim, lien, charge, encumbrance, or objection whatsoever in respect of the aforesaid property. It is further stated that the said property has been sold by our client to Mr. Sanjeev Kumar Shukla, Son of Mr. Dinesh Kumar Shukla, and the purchase has been financed by Roha Housing Finance Pvt. Ltd., Lucknow Branch, Uttar Pradesh.
If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, GULJAHAN BEGUM W/o Md Hadis R/o H.No.55, Gali No.5, Sant Nagar Burari, Delhi-110084 have changed my name from GULJAHAN BEGUM to GULJAHA permanently.

NAME CHANGE

I, BRAMHA DEV PANDEY S/o Sh. Rajit Narayan Pandey R/o V-120/A, Gali No.6, Arvind Nagar, Ghonda, Garhi Mendu, Delhi-110053 have changed my name from BRAMHA DEV PANDEY to BRAHAM DEV PANDEY permanently.

NAME CHANGE

I, DARSHPREET KAUR NANDA W/o Gurneet Singh Nanda R/o 9B, Block-BB, Janak Puri, Delhi-110058, have changed my name from DARSHPREET KAUR NANDA to DARSHPREET KAUR permanently.

NAME CHANGE

I AKHALQUR REHMAN SON OF ABDUL REHMAN..address:house no.A-342 khasra no 124 1st floor near amina masjid wazirabad village..delhi 110084. Changed my name to AKHLAQ UR REHMAN

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Radha Maurya w/o Mr. Arun Kumar is the owner and in possession of a Freehold Residential Property No. PPID-IBEK8PF7, Plot No. 160/4, area measuring 30 Sq. Yards, out of Khewat/Khata No. 4/5, Mu. No. 13, Killa No. 5(8-0), situated in Mauja Sehatpur, Tehsil and District Faridabad, Haryana. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 21.01.2008, duly registered as. Document No. 23006, Book No. 1, Volume No. 0/23, on Pages No. 189/10-12, On Dated 21.01.2008, in Sub-Registrar office of -Faridabad. In the chain of documents, (1) Original Sale deed dated 02.12.1995 in favour of Mr. Chote Lal Sharma S/o Mr. Pothi Ram Sharma as Document No. 9138, in Sub-Registrar office of -Faridabad (2) Original Sale Deed dated 06.12.1999 executed by Mr. Chote Lal Sharma S/o Mr. Pothi Ram Sharma in favour of Mr. Ram Avtar S/o Mr. Brijvasi Lal, duly registered as. Document No. 8025, On Dated 06.12.1999, in Sub-Registrar office of -Faridabad., are not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And same property sold to be Mr. Chandra Shekhar the said property is presently financed / mortgaged with Tata Capital Housing Finance Ltd., Branch: Faridabad, Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

Public Notice

I Chhaya hanotiya D/O Santosh R/O gujri, gujri , gujri Po:gujri dist.Dhar , Madhya Pradesh - 454552 UNDERTAKE THAT I Chhaya Hanotiya CHANGE MY NAME Viraj Hanotiya AND GENDER AS MALE. I Chhaya Hanotiya . HENCEFORTH BE KNOWN AS Viraj Hanotiya S/O Santosh . THE ABOVE STATEMENT MADE BY ME IS TRUE AND CORRECT TO THE BEST OF MY KNOWLEDGE AND BELIEF. IF ANY LEGAL ISSUE ARISES IN THIS REGARD AT ANY STAGE, I WILL BE PERSONALLY RESPONSIBLE FOR THE SAME AND THE DEPARTMENT OF PUBLICATION WILL NOT BE LIABLE AS FOR ANY CONSEQUENCES ARISING THEREFROM.

NAME CHANGE

I, JC-812302A, Rank-SUB, Name-AKSHAY KUMAR DUBEY R/o VILL-FARUSATAR, PO-SAHATWAR, DIST-BALLIA, UTTAR PRADESH-277211, have changed my minor son's name from ARAV KUMAR DUBEY to AARAV KUMAR DUBEY for all future purposes vide affidavit dated 24/06/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JAVED S/O YAMEEN residing at J-50, GALI NO-12, RAMESH PARK, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 have changed my name to JAVED SAIFI for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN OF "PVT. FLAT NO. 304 ON SECOND FLOOR (BACK SIDE) PLOT NO. 97-A & 97-B, AREA 100 SQ. YDS., KHASRA NO. 28/9, VILLAGE KAKROLA, SULHAKUL VIHAR, NEW DELHI. (SAID PROPERTY)" I.E. 1. CTC OF KHASRA KHATONI IN FAVOUR OF MR. BRAHAM PARKASH, AND MR. NARENDER SINGH, 2. ORIGINAL ATS AND WILL DT. 22.05.2017 EXECUTED BY MR. SUNIL KUMAR IN FAVOUR OF MR. DEV PUSHP GAUR, 3. ORIGINAL NOTARIZED GPA, ATS AND WILL DT. 03.06.2017 EXECUTED BY MR. DEV PUSHP GAUR IN FAVOUR OF MR. BANEET KUMAR DAGAR & 4. ORIGINAL ATS AND WILL DT. 18.04.2019 EXECUTED BY MR. BANEET KUMAR DAGAR IN FAVOUR OF MR. JAY PRAKASH PANDEY, ALL DOCUMENTS EXECUTED FOR THE SAID PROPERTY HAVE BEEN LOST/MISPLACED BY THE CURRENT OWNER MR. JAY PRAKASH PANDEY S/O MR. NANDJEE PANDEY WHO ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE CONVEYANCE DEED DT. 22.04.2022 EXECUTED BY DDA AS DOC. NO. 4240 NOW MRS. RASHMI C/O MR. ADITYA BHATNAGAR IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. JAY PRAKASH PANDEY, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL DOCUMENTS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

NAME CHANGE

I, HABIBULLAH QADRI S/O ABDUL AZIZ residing at H NO-3020/21, KUCHA TARA CHAND, DARYA GANJ, DELHI-110002 have changed my name to SYED HABIB ULLAH QADRI for all future purposes.

NAME CHANGE

I, No-15425268H Rank-TSNK(HK) Name-SHABIR AHMAD of ARMY HOSPITAL, DELHI CANTT residing at VPO-GOMAT, TEHSIL-POKARAN, DIST-JAISALMER, RAJASTHAN-345021, have changed my name from SHABBIR AHMAD to SHABIR AHMAD for all future purposes vide Affidavit dated 24/06/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, PREM LATA DEVI wife of Army No 4250155N, Rank-NK (Retd.), Name-LALAN PRASAD SINGH residing at VILL-NAYKA TOLA, PO + PS & TEHSIL-JAGDISHPUR, DIST-BHOJPUR, BIHAR-802158, have changed my name from PREM LATA DEVI to PREMLATA DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 24/06/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री नीरज गर्ग, फ्रीहोल्ड आवासीय भूखण्ड संख्या त-22, क्षेत्रफल 80 वर्ग गज (अर्थात 66.88 वर्ग मीटर), जो खसरा संख्या 349/2 से निर्मित है तथा ग्राम मामूरपुर, आबादी जिसे त-ब्लॉक, पंजाबी कॉलोनी, नरेला, दिल्ली-110040 के नाम से जाना जाता है, के स्वामी हैं। श्री नीरज गर्ग ने उक्त संपत्ति श्री मन्नू उर्फ मन्नू चौहान, श्रीमती रेखा उर्फ रेखा चौहान एवं श्रीमती सिया चौहान से दिनांक 13.12.2024 की विक्रय विलेख (Sale Deed), दस्तावेज संख्या 2024/21/I/5340 के माध्यम से क्रय की है। उन्होंने हमें अवगत कराया है कि निम्नलिखित मूल दस्तावेज गुम/खो गए हैं तथा उन्हें खोजने के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद उनका पता नहीं चल सका है— मूल पंजीकृत सामान्य मुख्तारनामा (Registered GPA), जो उप-पंजीयक-VI, पीतमपुरा, दिल्ली के कार्यालय में दस्तावेज संख्या 4371, पुस्तक संख्या-IV, वॉल्यूम संख्या-79, पृष्ठ संख्या 76 से 78 पर विधिवत पंजीकृत है। मूल विक्रय विलेख (Sale Deed), जो उप-पंजीयक (Sub-Registrar-VI B), दिल्ली के कार्यालय में दस्तावेज संख्या 1225, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 2444, पृष्ठ संख्या 167 से 171 पर दिनांक 24.02.2011 को पंजीकृत है। मूल विक्रय विलेख (Sale Deed), जो उप-पंजीयक, नई दिल्ली के कार्यालय में दस्तावेज संख्या 5206, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 3147, पृष्ठ संख्या 15 से 19 पर दिनांक 11.10.2013 को पंजीकृत है। मूल पंजीकृत पारिवारिक वसीयत (Registered Family Will) दिनांक 05.09.2014, जो दस्तावेज संख्या 382, पुस्तक संख्या 3, वॉल्यूम संख्या 187, पृष्ठ संख्या 194 से 195 पर दिनांक 05.09.2014 को पंजीकृत है। उपरोक्त मूल दस्तावेजों के गुम होने के संबंध में ऑनलाइन एफ.आई.आर. (LR No. 392591/2026) दिनांक 23.06.2026 को दर्ज कराई गई है। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, भार (Encumbrance), ग्रहणाधिकार (Lien), प्रभार (Charge) अथवा किसी तृतीय पक्ष के दावे से मुक्त है। अत: कृपया संज्ञान लें कि उक्त संपत्ति के विरुद्ध प्रस्तावित गृह ऋण सम्मान कैपिटल लिमिटेड, नेताजी सुभाष प्लेस शाखा, नई दिल्ली द्वारा स्वीकृत/प्रस्तावित किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, Shashi Kumar Army No. JC-562509X Rank - SUB Posted at Bihar, REGT Center, C/o 56 APO, Danapur Cantt Parmanent Resident of Village - Pathalghatta, Post - Alipur, Thana - Buniyadganj, Dist. - Gaya, State - Bihar have changed my Daughter name From Sweeti Kumari to Sweety Kumari for All future purposes. Vide Affidavit Dated 24 June 2026 before The Notary Public at Delhi in presence of Advocate Rajkumar.

NAME CHANGE

I, Kumari Reeta Spouse of Army No. JC-562509X Rank - SUB Name - Shashi Kumar Posted at Bihar, REGT Center, C/o 56 APO, Danapur Cantt Parmanent Resident of Village - Pathalghatta, Post - Alipur, Thana - Buniyadganj, Dist. - Gaya, State - Bihar have changed my name From Kumari Reeta to Rita Devi & DOB From 13/01/1984 to 01/01/1986 for All future purposes. Vide Affidavit Dated 24 June 2026 before The Notary Public at Delhi in presence of Advocate Rajkumar.

NAME CHANGE

I, BIBI JAYANB W/O MOHD RAFEEQ residing at WARD NO-16, TOLA ISLAM PUR, NAUHATTA, SAHARSA, BIHAR- 852123. have changed my name to BIBI JENB for all future purposes.

NAME CHANGE

I, JC-880448M Rank - NB SUB Name - PAPPU KUMAR legal father of SAKSHAM R/o present address AGI DTE, IHQ OF MOD (ARMY) CAMP, DELHI, permanent address, VILL - HANUMAN NAGAR, TEHSIL & DIST - SITAMARHI, BIHAR - 843317 have changed my minor son's name from SAKSHAM to SAKSHAM VED for all future purposes vide affidavit dated 24/06/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-880448M Rank - NB SUB Name - PAPPU KUMAR legal father of SARTHAK R/o present address AGI DTE, IHQ OF MOD (ARMY) CAMP, DELHI, permanent address is VILL - HANUMAN NAGAR, TEHSIL & DIST - SITAMARHI, BIHAR - 843317 have changed my minor son's name from SARTHAK to SARTHAK VED for all future purposes vide affidavit dated 24/06/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I PANDEY ROSHNI PREMPRAKASH W/O PREMPRAKASH AMAR PANDEY R/O C-37 AND OLD N0-B-51 STREET N0-6, WEST VINOD NAGAR DELHI-110092 HAVE CHANGE MY NAME TO ROSHNI PANDEY FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I VISHVANATH TIWARI S/O KANHYALAL TIWARI R/O H.N0-332,4TH FLOOR STREET N0-5 SHANKAR MARG, MANDAWALI NIRMAN VIHAR DELHI-110092 HAVE CHANGE MY NAME TO VISHWANATH TIWARI FOR ALL PURPOSE

सार्वजनिक सूचना

मैं, रहीस अहमद, आत्मज (पुत्र) श्री प्यारे बख्श, निवासी- मुमताज नगर, वार्ड नंबर 7, बदायूँ, उत्तर प्रदेश - 202526 (वर्तमान निवासी/कार्यरत- दिल्ली), इसके द्वारा सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मेरा जैविक पुत्र, लीक अहमद (Lik Ahmad) (निवासी- 17/169, 17 ब्लॉक, विश्वास नगर, उत्तर पूर्वी दिल्ली, दिल्ली - 110032), पूरी तरह से मेरे नियंत्रण से बाहर है और मेरी इच्छा के विरुद्ध कार्य करता है। उसके निरंतर दुर्व्यवहार और अवांछनीय गतिविधियों के कारण, मैंने उससे अपने सभी संबंध हमेशा के लिए विच्छेद (खत्म) कर लिए हैं और इसके द्वारा उसे अपनी सभी चल-अचल, पैतृक, स्व-अर्जित और भविष्य की संपत्तियों से बेदखल (Disown/Debar) करता हूँ। अब से जो कोई भी व्यक्ति उसके साथ किसी भी प्रकार का लेन-देन या व्यवहार करेगा, वह पूरी तरह से अपने जोखिम, लागत और जिम्मेदारी पर करेगा। उसके किसी भी वित्तीय, कानूनी, दीवानी, आपराधिक या व्यक्तिगत लेन-देन, कर्ज या देनदारियों के लिए मैं, मेरे परिवार के सदस्य या मेरे कानूनी वारिस उत्तरदायी या जिम्मेदार नहीं होंगे।

रहीस अहमद

NAME CHANGE

I UJJWAL S/O MUKESH KUMAR R/O H NO 36 SOHNA ROAD BADSHAH PUR GURGAON HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO UJJWAL SHARMA ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, hitherto known as MAINA DEVI W/O RAM NIWAS GIRI R/O 481, Mata Colony, Sector-12, Ghaziabad , Uttar Pradesh-201009, have changed my name and shall hereafter be known as MENA DEVI

NAME CHANGE

I ASHA YADAV W/O ANIL KUMAR YADAV R/O FLAT NO 501 5TH FLOOR BLOCK F2B POCKET 2 HIG MULTI STOREY GOLF LINK RESIDENCY SECTOR-18B DWAEKA SECTOR-18, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110078, HAVE CHANGED MY NAME TO ASHA DEVI ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, Jitender Kumar Yadav, S/o Late Sh. Raj Kumar Yadav, father of Kanishka Yadav, R/o 133-A DDA Flats, Sunlight Colony-2, Jungpura, New Delhi-110014, do hereby declare that in the 10th Class Certificate of my daughter, Kanishka Yadav, my name has been wrongly mentioned as "Jitendra Yadav". My correct name is "Jitender Kumar Yadav". Henceforth, my name shall be read, written and considered as "Jitender Kumar Yadav" for all purposes and records.

NAME CHANGE

I,SHAILESH KUMAR S/O SUDHAKAR ARBAD R/O KHANPUR SOUTH DELHI CANTT- 110062 HAVE CHANGE MY NAME ARBAD SHILESH SUDHAKAR FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, MEETU D/o ASHOK KUMAR KAWATRA R/o 209, A.G.C.R. Enclave, Delhi-110092 have changed my name to MEETU KAWATRA.

NAME CHANGE

I, NASEEM W/o NIJAMUDDIN R/o HOUSE NO.263, K-BLOCK, STREET NO.5,, SUNDER NAGRI, NAND NAGRI, DELHI-110093 have changed my name to NASIM.

NAME CHANGE

I hitherto known as Zahid Ali S/o Muntiyaj R/o 86, Kanchan Park, Loni Dehat, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as Jahid Ali.

NAME CHANGE

I hitherto known as Deepchandra S/o Ram Prasad R/o Shahpur, Muradnagar, Shahpur Nij Morta, Morta, Ghaziabad. Uttar Pradesh-201003 have changed my name and shall hereafter be known as Deepchand.

NAME CHANGE

I hitherto known as Ramchander S/o Dashrath Sharma R/o B-32, First Floor, Sector-49, Noida Gautam Buddha Nagar, Noida, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as Ashwani Kumar Sharma.

NAME CHANGE

I,hitherto known as MINISHA NAGAR D/O SHER SINGH R/O 274, Kachheda Warsabad, PO: Kachera Versabad, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203207 have changed my name and shall hereafter be known as MANISHA.

NAME CHANGE

I, Rashmi Garg W/O Shobhit Garg R/O C-47/G-2, Bhopura, Opp. Water Tank, DLF Dilshad Extn.2, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201005, have changed the name of my minor son Swarn Garg aged 17 years and he shall hereafter be known as Rivansh Garg

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि हमारी मुवक्किला श्रीमती संगीता निम्नलिखित संपत्ति की पूर्ण एवं वैध स्वामिनी हैं तथा उक्त संपत्ति पर उनका शांतिपूर्ण कब्जा एवं अधिकार है: फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट संख्या E-19/2, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज (41.806 वर्ग मीटर), जो खसरा संख्या 115MI में स्थित है, कृष्णा विहार कॉलोनी, ग्राम ब्रह्मपुर उर्फ भोपुरा, परगना लोनी, तहसील एवं जनपद गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में अवस्थित है। उक्त संपत्ति हमारी मुवक्किला द्वारा दिनांक 12.10.2023 के विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से अर्जित की गई है, जो उप-पंजीयक, सदर-V, गाजियाबाद के कार्यालय में दस्तावेज संख्या 10805, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 10422, पृष्ठ संख्या 95 से 124 पर दिनांक 12.10.2023 को विधिवत पंजीकृत है। यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति के स्वामित्व संबंधी दस्तावेजों (Chain of Title Documents) में निम्नलिखित मूल दस्तावेज उपलब्ध नहीं है: स्वर्गीय श्री गीतम सिंह, जिनका निधन दिनांक 19.03.2015 को हुआ था, का सर्वाइविंग मेंबर प्रमाण-पत्र (Surviving Member Certificate)। अत: हमारी मुवक्किला यह घोषणा करती हैं कि उक्त संपत्ति के संबंध में उनके अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति का किसी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, हित, दावा, आपत्ति, बंधक, ग्रहणाधिकार (Lien), भार अथवा कोई अन्य संबंध नहीं है। यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति का क्रय-विक्रय एवं संबंधित लेन-देन पिरामल फाइनेंस लिमिटेड, लोनी शाखा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित (Financed) किया गया है।
यदि किसी व्यक्ति, बैंक, वित्तीय संस्था अथवा प्राधिकरण को उक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा, आपत्ति अथवा अधिकार हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को सूचित करे, अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी को कोई आपत्ति अथवा दावा नहीं है।

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **यूसुफ, पुत्रः** श्री खलील, **पताः** मकान नंबर–52, दक्षिण गड्डापारा 2, अहेरे गलिहापुर, गाजियाबाद एच.ओ हापुड़, यूपी – 245101 ने **CC No. 8253/24 U/s138 NI Act, थानाः देश बंधु गुप्ता रोड, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **यूसुफ** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **यूसुफ** फरार हो गया है(या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC No. 8253/24 U/s138 NI Act, थानाः देश बंधु गुप्ता रोड, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **यूसुफ** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **17.08.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अर्जुन किराड़
जेएमएफसी–05, कमरा नंबर 02
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/8381/CD/2026
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में शहीद सैनिकों के 420 आश्रितों को मिली सरकारी नौकरीः राव नरबीर सिंह

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण मंत्री राव नरबीर सिंह ने बताया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक शहीद सैनिकों के 420 आश्रितों को सरकारी नौकरी प्रदान की जा चुकी है। साथ ही उन्होंने बताया कि सशस्त्र पुलिस बलों और अग्निवीरों के लिए दी जाने वाली एकमुश्त वीरता पुरस्कार राशि में वृद्धि की जाएगी। सिंह ने एक बयान में कहा कि हरियाणा सरकार ने वर्ष 2016 में सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग का गठन किया था। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वर्ष 2026-27 के बजट में सैनिकों के पुनर्वास एवं आजीविका संवर्धन के लिए हरियाणा सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण निगम की स्थापना की घोषणा की, जिसकी प्रक्रिया प्रगति पर है। इसके अलावा विभाग के बजट में 58.93 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए इसे 178.14 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव रखा गया है। मंत्री ने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है जिसने अग्निवीरों के पुनर्वास के लिए सरकारी नौकरियों में भूतपूर्व सैनिकों की तर्ज पर आरक्षण देने का निर्णय लिया है।

हादसों में एक किसान सहित दो लोगों की मौत

जींद। जिला में अलग-अलग स्थानों पर हुए हादसों में एक किसान सहित दो लोगों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है। गांव मेहरी जिला हरदोई (यूपी) निवासी मोनू नरवाना से स्कूटी पर सवार होकर जींद की तरफ आ रहा था। जब वह गांव अहिरका के निकट पहुंचा तो शहर की तरफ से जा रहे बाइक से भिड़ंत हो गई। जिसमें मोनू सड़क पर गिर गया। उसी दौरान पीछे से आ रहा तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली भी मोनू को रौंदती हुई निकल गई। घटना को अंजाम देकर बाइक चालक फरार हो गया। राहगीरों ने मोनू को नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी देते हुए सदर थाना की जांच अधिकारी नीलम ने बताया कि घटना की सूचना पाकर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई थी और हालातों का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के भाई सोनू की शिकायत पर फरार बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव बराह खुर्द निवासी बिजेंद्र (45) गत दिवस शाम को अपने खेत में पनीरी में कीटनाशक का स्प्रे कर रहा था। जिसके चलते वह उसके प्रभाव में आ गया और तबीयत बिगड़ गई। मौके पर मौजूद परिजनों ने हालात बिगड़ते देख बिजेंद्र को नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया।

देश में लगातार बढ़ती अग्निकांड की घटनाएं गंभीर चिंता का विषय : कुमारी सैलजा

सिरसा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की सदस्य, सिरसा लोकसभा क्षेत्र की सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने देश के विभिन्न हिस्सों में लगातार हो रही भीषण अग्निकांड की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि यदि समय रहते सुरक्षा नियमों को सख्ती से लागू किया जाता और व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी होती, तो अनेक निर्दोष लोगों की जान बचाई जा सकती थी। कुमारी सैलजा ने कहा कि वर्ष 1995 के डबवाली अग्निकांड ने पूरे देश को झकझोर दिया था। उस त्रासदी के बाद अग्नि सुरक्षा संबंधी अनेक नियम, कानून और दिशा-निर्देश बनाए गए, लेकिन दुर्भाग्य से उनका प्रभावी क्रियान्वयन आज भी सुनिश्चित नहीं हो पाया है। यही कारण है कि समय-समय पर देश के विभिन्न हिस्सों में दर्दनाक हादसे सामने आते रहते हैं। सांसद ने कहा कि दक्षिण भारत में धार्मिक समारोहों के दौरान हुए अग्निकांड, मेरठ के विक्टोरिया पार्क में लगी आग, दिल्ली के होटल अग्निकांड, देशभर की पटाखा फैक्ट्रियों में होने वाली दुर्घटनाएं।

पुलिस की पिस्टल छीन भाग रहा दुष्कर्म व हत्या का आरोपी मुठभेड़ में काबू

गुरुग्राम। दिल्ली के महरौली क्षेत्र से 10 साल की बच्ची के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के आरोपी कैब चालक वासु ने मंगलवार की देर रात पुलिस हिरासत से भागने का प्रयास किया। यह वाकया उस समय का है, जब दिल्ली पुलिस उसे सीन रिक्रिएशन के लिए दिल्ली के मांडी गांव के बाद गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड पर जंगलों में लेकर पहुंची थी। इसी दौरान उसने एक पुलिसकर्मी की पिस्टल छीनकर भागने का प्रयास किया। दुष्कर्म व हत्या का आरोपी कैब चालक जब पुलिस की पिस्टल छीनकर फरार हुआ तो पुलिस ने उसे कई बार आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन वह नहीं रुका। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए उस पर गोली चला दी। गोली उसके पैर में लगी और वह घायल होकर गिर गया। आरोपी को तत्काल हिरासत में लेकर पुलिस दिल्ली के मदन मोहन मालवीय अस्पताल में पहुंची। पुलिस जांच में सामने आया कि मूल रूप से बिहार निवासी 25 वर्षीय वासु पेशे से कैब चालक है। वह छतरपुर क्षेत्र में किराये के मकान में रहता था। जिस बच्ची के साथ उसने दरिंदगी की, उसका परिवार भी मूल रूप से बिहार का रहने वाला है। आर्थिक तंगी के कारण परिवार छतरपुर की 100 फुटा रोड पर फुटपाथ पर रह रहा था। दुष्कर्म की शिकार हुई बच्ची गुब्बारे बेचती थी। उस पर कैब चालक की बुरी नजर पड़ी। पुलिस के अनुसार सोमवार अलसुबह करीब पांच बजे आरोपी ने फुटपाथ पर सो रही बच्ची का अपहरण कर लिया। सुबह जब परिजनों की आंख खुली तो बच्ची लापता मिली।

हरियाणा में इंतकाल के लिए आवेदन करने की आवश्यकता नहींः नायब सिंह सैनी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ऑटो म्यूटेशन प्रणाली एवं पेपरलेस रजिस्ट्रेशन 2.0 का शुभारंभ कर दिया है। अब हरियाणा में इंतकाल के लिए आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। इतना ही नहीं, घर बैठे ही इंतकाल को डाउनलोड भी किया जा सकेगा।

हरियाणा निवास पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रिमोट का बटन दबाकर इन परियोजनाओं का आगाज किया। कार्यक्रम में हरियाणा के सभी जिलों से भी विभाग के अधिकारीगण और उपायुक्त वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिये जुड़े थे।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज ऑटो म्यूटेशन प्रणाली एवं पेपरलेस रजिस्ट्री 2.0 के शुभारंभ के साथ उसे एक नई दिशा मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले लोगों को इंतकाल और भूमि संबंधी कार्यों के लिए एक-एक और दो-दो वर्ष तक इंतजार करना पड़ता था।

आम नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिससे उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पेपरलेस रजिस्ट्री की शुरुआत 29 सितंबर, 2025 को कुरुक्षेत्र की लाडवा तहसील से की गई थी, जिसे 1 नवंबर, 2025 से पूरे राज्य में लागू कर दिया गया था। पिछले आठ महीनों के दौरान विभिन्न हितधारकों से प्राप्त सुझावों और अनुभवों के आधार पर अब इसके दूसरे चरण पेपरलेस रजिस्ट्रेशन 2.0 को लागू किया गया है, जिसमें रजिस्ट्री प्रक्रिया के साथ-साथ इंतकाल को भी शामिल कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि नई प्रणाली में रजिस्ट्री के लिए आवेदन फॉर्म को पहले की तुलना में अधिक सरल और उपयोगकर्ता अनुकूल बनाया गया है। दोनों पक्षों के लिए आधार आधारित ई-केवाईसी अनिवार्य की गई है, जिससे पहचान की शत-प्रतिशत पुष्टि सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति, कंपनी, संस्था अथवा एनआरआई स्वयं रजिस्ट्री प्रक्रिया में उपस्थित नहीं हो सकता है, तो वह अब एक से अधिक व्यक्तियों को अपना प्रतिनिधि नियुक्त कर सकेगा। नागरिक स्वयं, डीड राइटर, अधिवक्ता अथवा हेल्पडेस्क के माध्यम से डीड भर सकेंगे। नई व्यवस्था के तहत रजिस्ट्री के समय भूमि का कौन-सा भाग प्राइम श्रेणी तथा कौन-सा नॉन-प्राइम श्रेणी में आता है, इसकी जानकारी सिस्टम में स्वतः प्रदर्शित होगी।

मानसून के दौरान तैयारियां पूरी रखें, सड़क परियोजनाओं में न हो देरीः गंगवा

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बरसात के मौसम के दौरान सभी प्रशासनिक, तकनीकी और वित्तीय औपचारिकताएं हर हाल में पूरी कर ली जाएं, ताकि मौसम अनुकूल होते ही सड़क निर्माण एवं सुधार कार्यों को तेजी से शुरू किया जा सके। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए। मंत्री रणबीर गंगवा लोकनिर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप राज्य के सभी 22 जिलों में विकसित की जाने वाली मॉडल रोड परियोजनाओं के साथ अन्य कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। मंत्री रणबीर गंगवा को अधिकारियों ने बताया कि इन मॉडल सड़कों की कुल लंबाई लगभग 115 किलोमीटर होगी। इन्हें आधुनिक सुविधाओं और सड़क सुरक्षा के लिहाज से प्रदेश की आदर्श सड़कें बनाया जाएगा। बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि चयनित 8 सड़कों का विशेषज्ञ एजेंसियों द्वारा सर्वेक्षण जुलाई माह में पूरा कर लिया जाएगा।

इसके साथ ही मॉडल रोड परियोजनाओं को प्रशासनिक मंजूरी भी जुलाई तक मिलने की संभावना है, जिसके बाद निर्माण कार्य शुरू कर दिए जाएंगे। मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि तमाम सड़कों के निर्माण कार्य, रिपेयरिंग इत्यादि के कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से बारिश के सीजन के अंदर इस संबंध में कागजी कार्रवाई पूरी कर ली जाए। सड़कों के निर्माण की क्वालिटी में किसी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं होगा।

डीएचपीपीसी की बैठक आयोजित, पाइप तथा हाई-पावर जल पंपों की खरीद को मंजूरी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी की अध्यक्षता में सिविल सचिवालय में विभागीय उच्चाधिकार प्राप्त खरीद समिति (डीएचपीपीसी) की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रदेश में आगामी मानसून को देखते हुए बाढ़ नियंत्रण के लिए निर्णय लिए गए। बैठक में डीएचपीपीसी के सदस्य और प्रदेश के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान समिति ने जल भराव और बाढ़ जैसी स्थितियों से निपटने के लिए पाइप तथा हाई-पावर जल पंपों की खरीद से संबंधित सभी 16 प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी। इन उपकरणों और सामग्रियों की खरीद पर प्रदेश सरकार द्वारा 30 करोड़ रुपये से अधिक की राशि व्यय की जाएगी। मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि सरकार के इस कदम से प्रदेश के संवेदनशील और निचले इलाकों में जल निकासी व्यवस्था को भारी मजबूती मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ नियंत्रण से जुड़ी सभी सामग्रियों की आपूर्ति समय पर सुनिश्चित की जाए। आपूर्तिकर्ताओं द्वारा निर्धारित आपूर्ति कार्यक्रम का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानसून के आने से पहले की तैयारियों में किसी भी प्रकार की देरी या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने भी विभागीय स्तर पर किए जा रहे इन प्रयासों की सराहना की और कहा कि यह त्वरित निर्णय जमीनी स्तर पर बाढ़ नियंत्रण में गेम-चेंजर साबित होंगे।

निर्माण, तोड़फ़ोड़, खुदाई स्थलों पर प्रदूषण रोकने को लगानी होगी शीट

एजेंसी
गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम क्षेत्र में स्थित सभी निर्माण, पुनर्निर्माण, मरम्मत, तोड़फ़ोड़ एवं खुदाई स्थलों पर कॉरुगेटेड जीआई (गैल्वेनाइज्ड आयरन) अथवा धातु शीट की बैरिकेडिंग लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। निगमायुक्त प्रदीप दहिया द्वारा बुधवार को यह जारी आदेश जारी किए हैं, जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। शहर में बढ़ते धूल प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर आदेश के तहत यह निर्णय लिया गया है।नगर निगम द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि निर्माण एवं तोड़फ़ोड़ गतिविधियों से निकलने वाली धूल गुरुग्राम और एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण है। बिना बैरिकेडिंग वाले निर्माण स्थलों से धूल का अनियंत्रित प्रसार होता है, जिससे पर्यावरण, सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है।

इसी को ध्यान में रखते हुए यह आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार कोई भी व्यक्ति, बिल्डर, डेवलपर, ठेकेदार अथवा एजेंसी निर्माण या ध्वस्तीकरण कार्य तब तक प्रारंभ या जारी नहीं रख सकेगी, जब तक पूरे स्थल की परिधि को कॉरुगेटेड जीआई/मेटल शीट बैरिकेडिंग से पूरी तरह सुरक्षित न किया जाए। बैरिकेडिंग कार्य शुरू होने से पहले स्थापित करनी होगी और निर्माण अवधि के दौरान उसे सुरक्षित एवं व्यवस्थित स्थिति में बनाए रखना होगा।बैरिकेडिंग के लिए निर्धारित किए गए तकनीकी मानक नगर निगम ने बैरिकेडिंग के लिए विस्तृत मानक भी निर्धारित किए हैं। इसके तहत न्यूनतम 0.50 मिमी मोटाई की जीआई या रंगीन धातु शीट का उपयोग किया जाएगा। 500 वर्गमीटर या उससे बड़े प्लॉटों एवं सभी तोड़फ़ोड़ कार्यों के लिए कम से कम 3 मीटर (10 फीट) ऊंची बैरिकेडिंग अनिवार्य होगी, जबकि अन्य स्थलों के लिए न्यूनतम 2.4 मीटर (8 फीट) ऊंचाई निर्धारित की गई है। स्कूल, अस्पताल अथवा व्यस्त सडकों के समीप स्थित स्थलों पर 3.6 मीटर (12 फीट) या उससे अधिक ऊंचाई की बैरिकेडिंग करनी होगी। निर्माणाधीन अथवा डिमोलिशन वाले भवनों पर बैरिकेडिंग के साथ-साथ पूरी ऊंचाई तक डस्ट स्क्रीनिंग (ग्रीन नेट/डस्ट स्क्रीन) लगाना भी अनिवार्य किया गया है। इसका उद्देश्य निर्माण स्थल से निकलने वाली धूल को नियंत्रित करना और आसपास के क्षेत्रों को प्रदूषण से बचाना है।निर्माण स्थल पर प्रदर्शित करनी होगी परियोजना की जानकारी आदेश के अनुसार प्रत्येक निर्माण स्थल पर बैरिकेडिंग के साथ एक डिस्प्ले बोर्ड लगाना होगा।

अपर यमुना रिवर बोर्ड समझौते के तहत राजस्थान को पानी देगा हरियाणा

एजेंसी
चंडीगढ़। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल के नई दिल्ली स्थित आवास पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बीच महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में दोनों राज्यों से जुड़े जल संसाधन, सिंचाई एवं पेयजल से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया। बैठक के दौरान वर्ष 1994 में हुए अपर यमुना रिवर बोर्ड (यूवाईआरबी) समझौते के तहत राजस्थान के हिस्से के पानी की आपूर्ति के विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। इस संबंध में निर्णय लिया गया कि समझौते के अनुरूप राजस्थान को उसका निर्धारित जल पाइपलाइन के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। इस संबंध में सोमवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा समझौते के तहत राजस्थान को मिलने वाले जल के अधिकार का सम्मान करता है और राजस्थान को निर्धारित हिस्से का पानी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्यों के बीच समन्वय और सहयोग से जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सकता है, जिससे सभी प्रदेशों को लाभ मिलेगा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान केवल समझौते के तहत निर्धारित जल की ही मांग कर रहा है। उन्होंने कहा कि बरसात के दिनों में नदियों में बहने वाले अतिरिक्त जल का प्रभावी उपयोग कर यदि उसे राजस्थान तक पहुंचाया जाए तो राज्य के एक बड़े क्षेत्र में पेयजल संकट का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा। बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि रेणुका, किशाऊ और लखवार बांध परियोजनाएं उत्तर भारत के राज्यों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इनके क्रियान्वयन में जल्द तेजी लाई जाएगी। इन परियोजनाओं के माध्यम से भविष्य की जल आवश्यकताओं की पूर्ति, सिंचाई क्षमता में वृद्धि तथा पेयजल उपलब्धता को मजबूत आधार मिलेगा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं को लेकर संबंधित राज्यों के बीच समन्वय बढ़ाते हुए आवश्यक प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री सैनी ने घग्गर नदी में गिरने वाले दूषित जल के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि घग्गर नहर में गिरने वाले पानी के उपचार के लिए अलग से ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किए जाएंगे, ताकि बिना शोधन के गंदे पानी का प्रवाह नदी में न हो और जल स्रोतों की स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में जल प्रबंधन, नदी संरक्षण और अंतरराज्यीय सहयोग से जुड़े विभिन्न विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक विषयों पर शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए तथा कहा कि जल संसाधनों के समुचित उपयोग एवं संरक्षण के लिए राज्यों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है।

इस अवसर पर हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल, राजस्थान सरकार के वरिष्ठ अधिकारी तथा केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीईटी ग्रुप-डी के लिए दो लाख से अधिक ने कराया पंजीकरण

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) द्वारा ग्रुप डी सीईटी के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षा के लिए अब तक दो लाख से अधिक युवाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है। ग्रुप-डी भर्ती-2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 19 जून से शुरू की गई है। अभ्यर्थी 3 जुलाई रात 11:59 बजे तक आवेदन कर सकेंगे। आवेदन शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि 6 जुलाई निर्धारित की गई है।

आयोग ने अभ्यर्थियों को आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार का भी अवसर दिया है। उम्मीदवार 7 जुलाई से 9 जुलाई तक अपने आवेदन में संशोधन कर सकेंगे। परीक्षा और एडमिट कार्ड जारी करने की तिथि बाद में अलग से घोषित की जाएगी। आयोग की तरफ से जारी जानकारी के अनुसार अब तक दो लाख 38 हजार 35 अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन किया है जिसमें से एक लाख चार हजार 371 अभ्यर्थियों ने फाइनल सबमिट भी कर दिया है।

आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर बताया कि अभी भी कुछ अभ्यर्थी अपना फार्म स्वयं न भरकर किसी दूसरे से अथवा सेंटरों से भरवा रहे हैं। ऐसे में अभ्यर्थियों को अपने फार्म की खामियां तथा अन्य कई तरह की

आयोग ने अभ्यर्थियों को आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार का भी अवसर दिया है। उम्मीदवार 7 जुलाई से 9 जुलाई तक अपने आवेदन में संशोधन कर सकेंगे।

दिक्कतों के बारे में पता नहीं लग रहा है। ऐसे में बेहतर होगा अभ्यर्थी अपना फार्म स्वयं भरे तथा फाइनल सबमिट करने से पहले दो बार जांच जरूर करें। आयोग द्वारा अपने आधिकारिक साइट तथा सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर नियमित रूप से अपडेट दिया जा रहा है।

भाखड़ा पाइप लाइन में अवैध कनेक्शन लगाने वालों पर होगी कार्रवाई : आईजी

एजेंसी
हांसी। हिसार रेंज के पुलिस महानिरीक्षक कुलदीप कुमार ने क्षेत्र में जल संकट से जुड़े मुद्दे और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर प्रशासन का पक्ष स्पष्ट किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की पेयजल समस्या का स्थायी समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है, लेकिन कानून हाथ में लेने वालों के विरुद्ध

सख्त कार्रवाई की जाएगी। हांसी पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए आईजी कुलदीप कुमार ने कहा कि संबंधित गांव में लंबे समय से चल रही पेयजल समस्या के समाधान के लिए प्रशासन ने राजली हेड अथवा खरखड़ी ब्रांच से एक अलग एवं समर्पित पाइपलाइन (डेडिकेटेड पाइपलाइन) बिछाने का प्रस्ताव दिया है। अधिकारियों के अनुसार इस योजना के तहत उपलब्ध कराया जाने वाला स्वच्छ पेयजल गांव की वर्तमान आबादी की आवश्यकता से भी अधिक होगा। आईजी कुलदीप कुमार ने बताया कि हाल ही में कुछ लोगों द्वारा मुख्य जल पाइपलाइन में अवैध रूप से 'टी' लगाकर कनेक्शन लेने का प्रयास किया गया था। प्रशासन ने कानून-व्यवस्था की स्थिति को ध्यान में रखते हुए देर रात कार्रवाई करते हुए इस अवैध निर्माण को हटवा दिया। उन्होंने कहा कि यह कदम संभावित टकराव एवं किसी भी अप्रिय घटना को रोकने

के उद्देश्य से उठाया गया। आईजी ने कहा कि कुछ असामाजिक एवं शरारती तत्वों ने ग्रामीणों को गुमराह कर अवैध गतिविधियों के लिए उकसाने का कार्य किया है, जिसकी गहन जांच की जा रही है। आईजी ने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से धरना-प्रदर्शन करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन कानून के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्तनहीं किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे किसी के बहकावे में न आएं और प्रशासन के साथ सहयोग करते हुए समस्या के समाधान में सकारात्मक भूमिका निभाएं। उन्होंने दोहराया कि प्रशासन गांववासियों को स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि, सरकारी कार्य में बाधा अथवा कानून-व्यवस्था बिगाड़ने के प्रयासों को सख्ती से रोका जाएगा। फिलहाल गांव में स्थिति तनावपूर्ण लेकिन पूरी तरह नियंत्रण में बताई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रशासन और पुलिस लगातार ग्रामीणों के संपर्क में हैं तथा मामले के शांतिपूर्ण एवं स्थायी समाधान के लिए प्रयासरत हैं।

भाखड़ा नहर से बिछाई जा रही पाइपलाइन में किया गया था अवैध टी-कनेक्शन, प्रशासन ने हटाया : डीसी

एजेंसी
हांसी। भाखड़ा नहर से हांसी शहर के लिए बिछाई जा रही जल आपूर्ति पाइपलाइन में अवैध रूप से टी-कनेक्शन किया गया था जो पूरी तरह गैर कानूनी है, जिसे जिला प्रशासन द्वारा कानून व्यवस्था को बनाए रखने को लेकर सभी नियमों की पालना करते हुए अवैध रूप से लगाई गई टी को हटवा कर कब्जे में लिया गया है। शहर की पेयजल आपूर्ति के लिए बिछाई जा रही इस मुख्य पाइपलाइन से किसी भी प्रकार का अवैध कनेक्शन करना कानून का उल्लंघन है और भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह बात उपायुक्त राहुल नरवाल ने मंगलवार को उपायुक्त कैंप कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि चानौत गांव के नागरिकों को हर हाल में पर्याप्त मात्रा में भाखड़ा नहर का स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाया जाएगा। इसके लिए राजली हेड से चानौत गांव तक नई पाइपलाइन बिछाने का कार्य शुरू किया जा चुका है। यह कार्य युद्धस्तर पर जारी है और आगामी लगभग तीन माह के भीतर गांव के प्रत्येक घर तक पर्याप्त स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का

लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उपायुक्त ने कहा कि सरकार द्वारा गांव चानौत की पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए लगभग साढ़े सात करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। इस धनराशि से गांव के जलघर का जीर्णोद्धार किया जाएगा तथा जल आपूर्ति प्रणाली को आधुनिक और मजबूत बनाया जाएगा, जिससे लंबे समय तक ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा।

अपराध नियंत्रण और आमजन को त्वरित न्याय दिलाना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताः एसपी

एजेंसी
पानीपत। पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने जिला सचिवालय स्थित पुलिस विभाग के सभागार में पर्यवेक्षण अधिकारियों, थाना प्रबंधकों एवं चौकी इंचार्जो के साथ अपराध समीक्षा गोष्ठी आयोजित कर कानून एवं व्यवस्था व दर्ज मुकदमों में की जा रही कार्रवाई की समीक्षा लेकर अपराध नियंत्रण, कानून एवं व्यवस्था और थानों की कार्यप्रणाली को और अधिक बेहतर बनाने के कड़े दिशा निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह आईपीएस ने बैठक के दौरान थानों में दर्ज मुकदमों की प्रगति, लंबित जांच, अपराध नियंत्रण की स्थिति तथा कानून व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पुलिस की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता दिखाई देनी चाहिए ताकि आमजन का पुलिस पर विश्वास और मजबूत उन्होंने कहा कि किसी भी आपराधिक मामलें की जांच अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहनी चाहिए। सभी जांच अधिकारी निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण जांच पूरी न्यायालय में चालान पेश करना सुनिश्चित करें।

विशेष रूप से महिला विरूद्ध अपराधों, बच्चों के विरुद्ध अपराधों

तथा अन्य संवेदनशील मामलों में प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करते हुए पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने का प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा अपराध नियंत्रण और आमजन को त्वरित न्याय दिलाना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता।उन्होंने कहा थाना की चौकी में शिकायत लेकर आने वाले प्रत्येक शिकायतकर्ता के साथ नैतिकता का व्यवहार करते हुए शिकायत को ध्यानपूर्वक सुने और नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाए। पीड़ित की शिकायत चाहे ऑनलाईन, ऑफलाईन या उच्च अधिकारियों के कार्यालय के माध्यम प्राप्त हुई हो उस पर त्वरित कार्रवाई करें। इस अपराध गोष्ठी में एएसपी हर्षित गोयल आईपीएस, डीएसपी मुख्यालय सतीश वत्स, डीएसपी राजबीर सिंह, डीएसपी सुरेश कुमार सैनी, डीएसपी नरेंद्र सिंह, डीएसपी प्रणय कुमार, डीएसपी आत्माराम, डीएसपी मुकेश व सभी थाना प्रबंधक, एवं चौकी इंचार्ज उपस्थित रहें।

गुरुग्राम में भूपेंद्र हुड्डा का दावा,हर परिवार पर एक लाख 82 हजार का है कर्ज

एजेंसी
गुरुग्राम। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि चुनाव आयोग और भाजपा मिलकर चुनाव में धांधली कर रही हैं। ये धांधली हरियाणा के नतीजे से स्पष्ट हो चुकी है और एसआईआर के जरिए वोटर लिस्ट को मैनिपुलेट करने का सच पश्चिम बंगाल चुनाव से उजागर हो चुका है। हुड्डा ने याद दिलाया कि किस तरह हरियाणा में वोटिंग के बाद लगातार तीन दिनों तक वोट परसेंटेज के आंकड़े बढ़ते चले गए। यह अप्रत्याशित था कि वोटिंग पूरी होने के इतने घंटे बाद भी वोट अपने आप बढ़ते जा रहे थे। गुरुग्राम में कांग्रेस नेता व कार्यकर्ताओं की बैठक के दौरान पत्रकारों से बात कर रहे थे। बैठक में कार्यकर्ताओं को एसआईआर को लेकर ट्रेनिंग दी गई कि किस तरह वोट्स बनवाने हैं और किस तरह फर्जी वोटों को कटवाना है। कांग्रेस का मकसद स्पष्ट है कि फर्जी वोट बने ना और सही वोट काटे ना। इसके लिए प्रदेशभर में कांग्रेस के तमाम नेता, कार्यकर्ता व पूरा संगठन सक्रिय है। हुड्डा ने कहा कि हांसी के चानौत गांव में ग्रामीणों के साथ सरकार ने धोखा और तानाशाही की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रोज पंजाब जाते हैं, फिर भी वो कभी हरियाणा के पानी को लेकर बात नहीं करते। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कई रिपोर्ट्स का हवाला देकर बताया कि बीजेपी सरकार के कार्यकाल में हरियाणा किस तरह हरेक क्षेत्र में बुरी तरह पिछड़ चुका है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की सोशल प्रोग्रेसिव इंडेक्स के अनुसार 33 पॉइंट के साथ हरियाणा सबसे असुरक्षित प्रदेश है। इंडिया जस्टिस रिपोर्ट के अनुसार पिछले पांच साल में हरियाणा पुलिस की रैंकिंग 8वें स्थान से खिसककर 14वें स्थान पर पहुँच गई है। 18 बड़े राज्यों में हरियाणा पुलिस 14वें नंबर पर है। हैप्पीनेस इंडेक्स में हरियाणा देश में 16 नंबर पर है। केंद्र के ग्रामीण विकास मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक परफॉर्मेंस के मामले में हरियाणा 11वें स्थान पर है।

टेक्नालॉजी व टूल्स में निवेश के बावजूद नए वाहनों के बाजार में आने में हो रही देरी

उद्योग में वाहन लॉन्चिंग औसतन 9 से 15 महीने पीछे

नई दिल्ली।

डिजिटल इंजीनियरिंग और वाहन विकास के टूल्स में पर्याप्त निवेश के बावजूद देश के वाहन विनिर्माताओं को नए वाहनों को बाजार में उतारने में देर का सामना करना पड़ रहा है। वेक्टर कंसल्टिंग ग्रुप के श्वेत पत्र के मुताबिक पूरे उद्योग में वाहन लॉन्चिंग औसतन 9 से 15 महीने पीछे टल रही है। ज्यादा जटिल कार्यक्रमों में तो 18 से 24 महीने तक की देर हो रही है। अध्ययन में पाया गया कि आधुनिक डिजिटल उपकरणों और प्रक्रियाओं को अपनाने के बावजूद हर प्रमुख वाहन विनिर्माता ने वाहन पेश करने में देर का अनुभव किया है। वेक्टर कंसल्टिंग ग्रुप के प्रबंध साझेदार रवींद्र पातकी ने कहा कि यह चुनौती वाहन क्षेत्र की स्टार्टअप कंपनियों के बीच और भी गंभीर लगती है, जहां कार्यक्रम में देरी अक्सर लंबी होती है। इसके कई कारण हैं, जैसे संसाधन जुटाना, प्रौद्योगिकी में देरी और वित्तीय बाधाएं वगैरह। श्वेत पत्र में तर्क दिया गया है कि वाहन विकास में देर उनके दिखने से बहुत पहले ही शुरू हो जाती है। जहां ज्यादातर कंपनियां भौतिक निर्माण में समस्याओं को सुलझाने पर ध्यान देती हैं, वहीं पूरे कार्यक्रम में होने वाली देर का 34 से 47 फीसदी हिस्सा टूलिंग और प्रायोगिक शुरुआत के बाद ही पता चल पाता है। शोध से पता चलता है कि इनमें से ज्यादातर समस्याएं डिजाइन के चरण में ही पैदा होती हैं। इस चरण में फिटमेंट, विनिर्माण और सर्विसिंग से जुड़ी समस्याओं की पहचान करके उन्हें महीनों के बजाय कुछ ही घंटों में और बहुत कम लागत पर सुलझाया जा सकता है। अध्ययन में पाया गया कि 39 फीसदी कार्यक्रम उत्पादन शुरू होने की स्थिति में पहुंच जाते हैं लेकिन उनमें फिर भी फिटमेंट, सर्विसिंग या गुणवत्ता से जुड़ी समस्याएं बरकरार रहती हैं।

अग्रिम कर भुगतान और मुद्रा की ज्यादा निकासी से बैंक में नकदी की कमी

नई दिल्ली।

बैंकिंग व्यवस्था में नकदी घाटे में चली गई है। इसके पहले 3 महीने अधिशेष की स्थिति थी। यह स्थिति मुख्य रूप से अग्रिम कर भुगतान और मुद्रा की ज्यादा निकासी के कारण हुई है। भारतीय रिज़र्व बैंक के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक सोमवार को शुद्ध नकदी की स्थिति 19,971 करोड़ रुपए घाटे में रही। 22 मार्च के बाद पहली बार ऐसी स्थिति आई है। इसकी वजह से मंगलवार को मौद्रिक नीतिक के लिए परिचालन लक्ष्य, भारित औसत कॉल दर (डब्ल्यूएसीआर) बढ़कर 5.38 फीसदी हो गई, जबकि सोमवार को यह 5.33 फीसदी थी। नकदी की तंगी खत्म करने के लिए रिजर्व बैंक ने 7 दिन के वैरिएबल रेट रीपो (वीआरआर) नीलामी के माध्यम से मंगलवार को बैंकिंग व्यवस्था में 1.41 लाख करोड़ रुपए डाले हैं। वीआरआर नीलामी में बैंकों को बाजार द्वारा तय दरों पर सरकारी प्रतिभूतियों के बदले धन उधार लेने की अनुमति मिलती है। इससे केंद्रीय बैंक को कम अवधि के हिसाब से वित्तीय व्यवस्था में नकदी के प्रबंधन में मदद मिलती है।बाजार सहभागियों ने कहा कि नकदी की तंगी काफी हद तक तिमाही के अंत में अग्रिम कर भुगतान के कारण थी, जिससे सरकार के कैश बैलेंस में तेज वृद्धि हुई और बैंकिंग प्रणाली से धन की निकासी हुई।

भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए 15 जुलाई से होगा लागू, सस्ती होंगी कारें

नई दिल्ली ।

भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का असर अब ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भी दिखाई देने लगा है। समझौते के अंतर्गत ब्रिटेन से भारत आयात की जाने वाली कुछ प्रीमियम और लक्ज़री कारों पर लगने वाले शुल्क में राहत मिलने की संभावना है, जिसके चलते कई लोकप्रिय मॉडलों की कीमतों में कमी आ सकती है।जानकारी के अनुसार, इस नई व्यवस्था को 15 जुलाई से लागू किया जा सकता है। वर्तमान में विदेशों से आयात की जाने वाली लक्ज़री कारों पर भारत में भारी आयात शुल्क लगाया जाता है, जिससे वे अंतरराष्ट्रीय बाजार की तुलना में काफी महंगी हो जाती हैं। नए समझौते के बाद इस शुल्क में कमी आने से कार निर्माताओं की लागत घटेगी, जिसका सीधा लाभ ग्राहकों को मिलने की उम्मीद है। हालांकि प्रत्येक मॉडल पर कीमत में समान कमी नहीं होगी, लेकिन कई गाड़ियों के मूल्य में लाखों रुपये तक का अंतर आने की संभावना जताई जा रही है। ऑटोमोबाइल उद्योग से जुड़े जानकारों का मानना है कि शुल्क में राहत मिलने के बाद कंपनियां अपने उत्पादों की कीमतों में संशोधन करेंगी, जिससे लक्ज़री वाहन बाजार में नई प्रतिस्पर्धा पैदा होगी और ग्राहकों को अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे।

रुपया बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 37 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.37 पर बंद हुआ।

वहीं गत दिवस रुपया 94.74 पर बंद हुआ था। आज सुबह रुपया 94.90 पर खुला, जो मंगलवार के 94.74 रुपये के बंद भाव से 16 पैसे कमज़ोर हुआ। अमेरिक फेडरल रिजर्व के रेट बढ़ाने की उम्मीदों से डॉलर एक साल से ज़्यादा समय में अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा कच्चे तेल की कम कीमतों और भारतीय रिजर्व बैंक के उपायों से भी रुपये को समर्थन मिला।

दो लाख डाउन पेमेंट पर स्कोडा काइलाक ऑटोमैटिक

नई दिल्ली ।

कार निर्माता कंपनी स्कोडा की ओर से काइलाक का क्लासिक एटी वेरिएंट ऑटोमैटिक विकल्प के रूप में ऑफर किया गया है। अगर आप स्कोडा काइलाक के ऑटोमैटिक वेरिएंट को दो लाख रुपये का डाउन पेमेंट करके खरीदते हैं, तो आपको लगभग 8.30 लाख रुपये की राशि बैंक से फाइनेंस करवानी होगी। इस एसयूवी की एक्स-शोरूम कीमत 9.25 लाख रुपये है। दिल्ली में इसे खरीदने पर लगभग 65 हजार रुपये आरटीओ और करीब 40 हजार रुपये इंश्योरेंस के देने होंगे, जिसके बाद गाड़ी की दिल्ली में ऑन-रोड कीमत 10.30 लाख रुपये हो जाती है। यदि बैंक नौ फीसदी वार्षिक ब्याज दर के साथ सात साल के लिए यह लोन देता है, तो आपको हर महीने सिर्फ 13,355 रुपये की मासिक किस्त (ईएमआई) देनी होगी। इस गणना के अनुसार, सात साल की अवधि में आप स्कोडा काइलाक के ऑटोमैटिक वेरिएंट के लिए लगभग 2.91 लाख रुपये बतौर ब्याज चुकाएंगे। इस तरह, आपकी गाड़ी की कुल लागत (एक्स-शोरूम कीमत, ऑन-रोड शुल्क और ब्याज मिलाकर) लगभग 13.21 लाख रुपये हो जाएगी।

बारिश पर अल नीनो के संभावित खतरे से कंपनियों में बढ़ी बेचैनी

केयर उत्पाद, पैकेटबंद स्नैक्स, पेय पदार्थों की बिक्री पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली।

मॉनसून की बारिश पर अल नीनो के संभावित असर की चिंता से कंपनियों में बेचैनी बढ़ गई है। उद्योग के अधिकारियों और अर्थशास्त्रियों का कहना है कि आने वाले महीनों में ग्रामीण इलाकों में कम आय और लोगों के खर्च करने की क्षमता प्रभावित होने से कंपनियों की कमाई पर बुरा असर पड़ सकता है। ट्रैक्टर और प्रवेश स्तर के दोपहिया बनाने वाली कंपनियों का कहना है कि भले ही चालू वित्त वर्ष के शुरुआती महीनों में बिक्री में जबरदस्त तेजी आई थी लेकिन साल के आखिर तक उन्हें मामूली वृद्धि से ही संतोष करना पड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली एफएमसीजी कंपनियां चिंता में हैं क्योंकि प्रीमियम पर्सनल केयर उत्पाद, पैकेटबंद स्नैक्स, पेय पदार्थों आदि की बिक्री प्रभावित हो सकती है। हालांकि बिस्किट विनिर्माता पारले प्रोडक्ट्स को उम्मीद है कि खाद्य पदार्थों की बिक्री पर खास असर नहीं पड़ेगा क्योंकि ये जरुरी वस्तुएं हैं। एक अर्थशास्त्री ने कहा कि गंभीर अल नीनो के कारण कृषि उत्पादन की वृद्धि में 1.5 से 2 फीसदी तक की कमी आ सकती है और जीडीपी की वृद्धि दर में 35 आधार अंक की कमी आ सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी अनाज बफर स्टॉक से राहत मिलने की संभावना है, लेकिन ग्रामीण उपभोग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।बजाज ऑटो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया कि जब भी मॉनसून कमजोर होता है प्रवेश स्तर के दोपहिया की मांग सुस्त हो जाती है। यह अवलोकन रेटिंग एजेंसियों के इस विचार के अनुरूप है कि जब कृषि आय पर दबाव पड़ता है तो निम्न-आय वाले ग्रामीण उपभोक्ता गैर-जरूरी खरीदारी को टाल देते हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 790, निफ्टी 197 अंक उछला

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 790.54 अंक की तेजी के साथ 76,991.22 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 197.56 अंक बढ़कर 24,021.65 पर बंद हुआ। इससे निवेशकों को करीब दो लाख करोड़ रुपये का फायदा हुआ।

बाजार की इस तेजी का कारण वित्तीय और आईटी सेक्टर के शेयरों में तेजी के साथ ही दुनिया भर से मिले अच्छे संकेत हैं । आज कारोबार के दौरान आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और ट्रेंट जैसे बड़े स्टॉक्स में तेजी रही।

सेक्टोरल आधार पर आईटी, फार्मा और प्राइवेट बैंकों के शेयरों से बाजार को बढ़त मिली। वहीं मेटल, ऑटो और मीडिया सेक्टर के शेयरों के नीचे आने से बाजार पर दबाव आया हालांकि व्यापक सूचकांकों में मिला-जुला रुख दिखा।

इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह कारोबार शुरु होते ही आईटी और फार्मा शेयरों में खरीदारी से भी बाजार उछला। सेंसेक्स 200.34 अंक बढ़कर 76,401.02 के स्तर पर जबकि निफ्टी 38.65 अंक उछलकर 23,862.75 पर पहुंच गया। आज डॉ. रेड्डीज लैबोरेट्रीज, टेक महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर सबसे अधिक उछले। दूसरी ओर व्यापक बाजार में मिश्रित रुख दिखा। निफ्टी मिडकैप 0.04 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 0.12 फीसदी नीचे आये। वहीं सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी आईटी में करीब 1 फीसदी की बढ़त रही। इसके अलावा निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स में भी अच्छी तेजी रही। दूसरी ओर निफ्टी मेटल, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी ऑटो इंडेक्स में गिरावट रही। वहीं दूसरी ओर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने और बातचीत की संभावना बनने से एशियाई बाजार ऊपर आया है।

एआई उन लोगों को और बेहतर बनाएगा जो उद्देश्य के साथ आगे बढ़ते हैं नीलेकणी

एआई, जनरेटिव एआई और एजेंटिक एआई से उत्पादकता में आया सुधार

नई दिल्ली।

इन्फोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणी ने कहा है कि इन्फोसिस जैसी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा कंपनियों की प्रासंगिकता उनके ग्राहकों के लिए एआई को अपनाने में आने वाली बाधाओं को दूर करने में निहित है, जो नई तकनीक में निवेश और उससे मिलने वाले रिटर्न के बीच की खाई को पाटती है। एआई, जनरेटिव एआई और एजेंटिक एआई से उत्पादकता में सुधार आया है। इनसे कई क्षेत्रों में कर्मचारियों की दक्षता बढ़ रही है और ये प्रक्रियाओं को कम करके सॉफ्टवेयर विकास के जीवनचक्र को बढ़ा रही हैं। हालांकि प्रबंधन में बदलाव और बिखरे हुए डेटा जैसी समस्याओं के कारण कंपनियों में इसे लागू करना और अपनाना उम्मीद से ज्यादा मुश्किल है।

नीलेकणी ने कंपनी की 45वीं सालाना आम बैठक में कहा कि हमारे बड़े उद्यम ग्राहकों में एआई अपनाने के संबंध में अंतर वास्तविक है और यही अंतर कम करने पर काम की जरूरत है।

एआई हमारी जैसी कंपनियों की जगह नहीं लेगी।

यह उन लोगों को और बेहतर बनाएगा जो उद्देश्य के साथ आगे बढ़ते हैं और तेजी से बदलावों को अपनाते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि कंपनियां बेहतरीन कोडिंग टूल अपना रही हैं और उत्पाद को बढ़ा रही हैं, लेकिन सॉफ्टवेयर विकास के जीवनचक्रम में अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

कनाडा की निवेश कंपनी फेयरफैक्स ने खरीदे करीब 1 अरब डॉलर के बॉन्ड

नई दिल्ली।

कनाडा की निवेश कंपनी फेयरफैक्स इंडिया होल्डिंग कॉर्प ने पिछले शुक्रवार को भारतीय सरकारी बॉन्ड में करीब 1 अरब डॉलर का निवेश किया। सूत्रों का कहना है कि कंपनी भारत में पैसा ला रही है और इसका संबंध आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी खरीदने की संभावित योजना से हो सकता है। फेयरफैक्स उन कंपनियों में शामिल है जिन्होंने आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी खरीदने में रुचि दिखाई थी। हालांकि यह प्रक्रिया अटकी हुई है क्योंकि खरीदारों और सरकार के बीच कीमत को लेकर सहमति नहीं बन पाई थी। सूत्रों का कहना है कि इस सौदे को दोबारा आगे बढ़ाने पर बातचीत चल रही है, लेकिन अभी कुछ भी तय नहीं हुआ है। हाल ही में सरकार ने विदेशी निवेशकों को सरकारी बॉन्ड पर कैपिटल गेन टैक्स से छूट देने का फैसला किया है। माना जा रहा है कि इसी वजह से फेयरफैक्स के लिए यह निवेश ज्यादा आकर्षक हो गया। सूत्रों के मुताबिक कंपनी ने सबसे ज्यादा पैसा 2029 में मैच्योर होने वाले सरकारी बॉन्ड में लगाया है। इसके अलावा उसने कुछ अन्य सरकारी बॉन्ड और ट्रेजरी बिल भी खरीदे हैं। बाजार से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि फेयरफैक्स आमतौर पर भारतीय बॉन्ड बाजार में बहुत सक्रिय नहीं रहती।

मॉनसून में देरी चिंताजनक, सीआईआई अध्यक्ष ने 8-10 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य रखे

राज्य अभी से तैयारी शुरु कर दें

नई दिल्ली ।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष आर. मुकुंदन ने देश में मॉनसून की धीमी गति पर गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समय पर जरूरी कदम नहीं उठाए,तब इसका सबसे बड़ा असर किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था बुरा हो सकता है। मुकुंदन ने राज्यों से अपील की है कि वे संभावित सूखे जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए अभी से तैयारी शुरू करें और किसानों के लिए विशेष सहायता व प्रोत्साहन योजनाएं बनाए। मुकुंदन ने कहा कि भारत को मौजूदा वैश्विक चुनौतियों के बावजूद अपनी आर्थिक विकास दर बनाए रखनी होगी। उन्होंने बताया कि दुनिया वर्तमान में भू-राजनीतिक तनाव, रक्षा संबंधी अनिश्चितताओं और तकनीकी बदलावों जैसे तीन बड़े संकटों से गुजर रही है। इसके बाद मोदी सरकार और उद्योग जगत को मिलकर व्यापक सुधारों पर काम करना चाहिए ताकि देश भविष्य की चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना कर सके। मुकुंदन ने कहा कि भारत को केवल 6.5 प्रतिशत की विकास दर तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि 8 से 10 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ना चाहिए।उन्होंने बुनियादी ढांचे, ऊर्जा, भूमि और श्रम जैसे क्षेत्रों में व्यापक सुधारों की आवश्यकता पर बल दिया। मुकुंदन ने माना कि सड़कों और रेल नेटवर्क में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, लेकिन विभिन्न परिवहन माध्यमों के बीच बेहतर समन्वय और मल्टी-मोडल ढांचे को मजबूत करने की जरूरत बनी हुई है। बिजली क्षेत्र में भी उत्पादन बढ़ने के बावजूद वितरण, भंडारण और पारेषण से जुड़ी चुनौतियां मौजूद हैं।

ऑनलाइन खरीदे गए खाद्य उत्पादों पर एक्सपायरी डेट गायब

एफएसएसएआई ने कहा हमारी जिम्मेदारी नहीं

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बिकने वाले पैकेटबंद खाद्य और पेय पदार्थों से एक्सपायरी डेट के गायब होने की बढ़ती शिकायतों के बीच, भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने स्पष्ट किया है कि ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर ऐसी जानकारी प्रदर्शित करने के नियम उपभोक्ता मामलों के विभाग (डीसीए) के दायरे में आते हैं।

एफएसएसएआई ने बताया कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अनिवार्य विवरण का प्रदर्शन लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज) नियम, 2011 के तहत आता है। एफएसएसएआई ने कहा कि मामले को उपभोक्ता मामलों के विभाग के समक्ष उठाया जाना चाहिए, क्योंकि इन नियमों की जिम्मेदारी उन्हीं की है।

यह मुद्दा तब सामने आया है जब सोशल मीडिया पर उपभोक्ता लगातार शिकायत कर रहे हैं ।

कि ऑनलाइन खरीदे गए पैकेज्ड खाद्य उत्पादों पर शेल्फ लाइफ और एक्सपायरी से जुड़ी जानकारी अक्सर उपलब्ध नहीं होती। लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज) संशोधन नियम, 2017 के अनुसार, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के लिए डिजिटल बिक्री के समय पैकेज्ड उत्पादों की बेस्ट बिफोर या यूज़ बाय तारीख को दिखाना अनिवार्य है।लोकलसर्किल्स द्वारा हुए हालिया सर्वे से पता चला है ।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से मिली राहत भारतीय रुपये को मिली ताकत

आरबीआई का जोर विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत करने पर

नई दिल्ली ।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद कच्चे तेल की कीमतों में आई हालिया गिरावट ने भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा बूस्ट दिया है।

अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की शुरुआत ने वैश्विक बाजार में सकारात्मक संकेत दिए हैं, जिससे ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम मई के उच्च स्तर से 30 प्रतिशत से अधिक गिरकर करीब 78 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए हैं। पूर्व में, संघर्ष के कारण ऊंची तेल कीमतों ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर काफी दबाव डाला था, इसके परिणामस्वरूप मार्च से मई के बीच रुपया 5 प्रतिशत से अधिक कमजोर हुआ था। हालांकि, तेल की कीमतों में गिरावट के बाद रुपये की स्थिति में सुधार हुआ है, और रुपये ने मई के निचले स्तर की तुलना में लगभग 1 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की है।बाजार विश्लेषकों का मानना है कि रुपये की यह बढ़त सीमित रहने के आसार हैं क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से बढ़ाने के लिए बाजार में हस्तक्षेप कर रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष में, केंद्रीय बैंक ने हाजिर बाजार में शुद्ध 53.13 अरब डॉलर ब्रिक किए थे, और चालू वित्तीय वर्ष में भी यह प्रक्रिया जारी रहने की संभावना है।

केंद्र सरकार और आरबीआई दोनों ने पूंजी प्रवाह को बढ़ाने के लिए कई कदम उठा रहे है, जिनमें बाह्य वाणिज्यिक ऋण (ईसीबी) के लिए प्रोत्साहन और प्रवासी भारतीयों से विदेशी मुद्रा अनिवासी (एफसीएनआर-बी) जमा के माध्यम से धन जुटाना शामिल है। बैंक एफसीएनआर-बी के लिए आक्रामक रूप से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, और कुछ अनुमानों के अनुसार, इन जमाओं से 100 अरब डॉलर तक का प्रवाह आकर्षित हो सकता है।कुछ बाजार प्रतिभागियों को उम्मीद है कि आरबीआई तरलता को नियंत्रित करने के लिए नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) बढ़ा सकता है। केंद्रीय बैंक ने बैंकों से इसतरह के जमा और रियायती योजना के तहत जुटाए गए ईसीबी पर दैनिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। हालांकि, जैसे-जैसे कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आती है और पूंजी प्रवाह में संभावित वृद्धि होती है, रुपये को मजबूत होने देने की मांग उठ सकती है।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि आरबीआई को ऐसी मांगों का विरोध करना चाहिए, क्योंकि अधिकांश पूंजी प्रवाह ऋण के रूप में होगी, जिन्हें मध्यम अवधि में विदेशी मुद्रा में चुकाना होगा।

सिर्फ ट्रक नहीं अब लॉजिस्टिक्स साम्राज्य बना रही टाटा मोटर्स

रिकॉर्ड कमाई के पीछे क्या है नया गेम प्लान?

मुंबई।

टाटा मोटर्स का वाणिज्यिक वाहन कारोबार अब खुद को सिर्फ पारंपरिक ट्रक निर्माता के बजाय एक बड़े लॉजिस्टिक्स और परिवहन प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित कर रहा है। कंपनी का प्रबंधन डिजिटल, अंतरराष्ट्रीय और सेवा कारोबारों में तेज बढ़ोतरी पर जोर दे रहा है, ताकि वाहनों की मांग में होने वाले उतार-चढ़ाव पर निर्भरता कम हो सके। यह महत्वाकांक्षी रणनीति उस सामने आई है जब कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 में अपना अब तक का सबसे बेहतरीन वित्तीय प्रदर्शन करके दिखाया है, जिसमें समूची बाजार हिस्सेदारी में गिरावट के बावजूद रिकॉर्ड नकदी प्रवाह, मुनाफा और शुद्ध नकदी की स्थिति बेहतर हुई है। निवेशक दिवस 2026 पर अपनी रणनीति पेश कर टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स ने बताया कि गैर-चक्रीय कारोबार तेजी से विकास के लिए महत्वपूर्ण जरिया बन रहे हैं। वित्त वर्ष 2026 में कुल राजस्व में इनकी हिस्सेदारी भले ही 16 प्रतिशत थी (जबकि मुख्य वाणिज्यिक वाहनों के कारोबार की हिस्सेदारी 84 प्रतिशत थी), लेकिन इन क्षेत्रों में 18 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई। इसमें डिजिटल प्लेटफॉर्म, अंतरराष्ट्रीय परिचालन, रक्षा और परिवहन सेवाएं शामिल हैं। यह वृद्धि वाहनों की थोक बिक्री की 11 प्रतिशत वृद्धि के मुकाबले काफी तेज थी, जो नए गेम प्लान की सफलता को दिखाता है।वित्तीय मोर्चे पर, कंपनी ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है। टाटा मोटर्स ने वित्त वर्ष 2026 में 77,399 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया है। इस दौरान, एबिटा मार्जिन वित्त वर्ष 2025 के 12 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर 13.2 प्रतिशत हुआ है। कंपनी ने 9,186 करोड़ का मुक्त नकदी प्रवाह (जो राजस्व के करीब 12 प्रतिशत के बराबर है) और 7,500 करोड़ रुपये की शुद्ध नकदी हासिल की। लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल 72 प्रतिशत के प्रभावशाली स्तर पर पहुंच गया, जो कंपनी की मजबूत वित्तीय स्थिति और कुशल पूंजी प्रबंधन को उजागर करता है।प्रबंधन ने कारोबारी मॉडल में आए बड़े बदलाव पर जोर दिया। टाटा मोटर्स अब डीलरों के यहां स्टॉक भरने पर आधारित आपूर्ति-धक्का मॉडल से हटकर खुदरा बाजार के आंकड़ों पर आधारित मांग-खींच तरीके की दिशा में बढ़ गई है। कंपनी मूल्य-आधारित कीमतों, मॉडल मिश्रण को बेहतर बनाने और नकदी सृजित करने पर भी खासा जोर दे रही है।

अतीत का आपातकाल अध्याय, बर्तमान मे लोकतंत्र की नई चुनौतियाँ

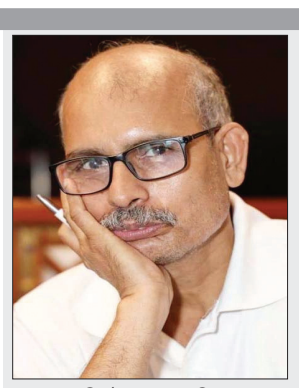

विनोद कुमार सिंह

1975 का आपातकाल हमें यह सिखाता है कि लोकतंत्र कभी भी स्वतः सुरक्षित नहीं रहता।उसे निरंतर संरक्षित करना पड़ता है। वहीं वर्तमान समय हमें यह भी सिखाता है कि लोकतंत्र की मजबूती केवल अतीत की गलतियों को गिनाने से नहीं,बल्कि वर्तमान की चुनौतियों का ईमानदारी से सामना करने से आती है।भारत की लोकतांत्रिक यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं है कि यहाँ सरकारें बनती हैं,बल्कि यह है कि यहाँ जनता सरकारों का मूल्यांकन करने,उनसे प्रश्न पूछने और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें बदलने का अधिकार रखती है।यही लोकतंत्र की आत्मा है,यही संविधान की शक्ति है।

1975 में जनता ने सत्ता को सबक सिखाया था,क्या आज की राजनीति इतिहास से सीख रही है? 1975 का आपातकाल, वर्तमान चुनौतियाँ और संविधान की चेतावनी इतिहास केवल स्मृति है या वर्तमान के लिए एक आईना ?

25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास की वह तिथि है,जिसे स्वतंत्र भारत के सबसे विवादास्पद और बहुचर्चित राजनीतिक निर्णयों में गिना जाता है।आज ही के दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी की सलाह पर देश में आंतरिक आपातकाल लागू किया गया। संविधान के अनुच्छेद 352 के अंतर्गत घोषित इस आपातकाल ने भारतीय लोकतंत्र में नागरिक स्वतंत्रताओं,प्रेस की स्वतंत्रता और संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका को कठोर परीक्षा के दौर से गुजारा। लगभग पाँच दशक बाद भी आपातकाल केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं है,बल्कि लोकतंत्र को निरंतर सजग रखने वाली चेतावनी है।उस समय इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा इन्दिरा गांधी के निर्वाचन को अमान्य घोषित किए जाने,जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चल रहे व्यापक जनांदोलन और राजनीतिक अस्थिरता के माहौल के बीच आपातकाल लागू किया गया। इसके बाद जो घटनाएँ सामने आईं, उन्होंने लोकतंत्र की बुनियाद को झकझोर दिया।विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियाँ हुईं,प्रेस पर सेंसरशिप लागू की गई,नागरिक अधिकार सीमित कर दिए गए और सत्ता का अभूतपूर्व केंद्रीकरण देखने को मिला।जयप्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई,अटल बिहारी वाजपेयी,लालकृष्ण आडवाणी, जॉर्ज फर्नांडिस सहित हजारों राजनीतिक कार्यकताओं को जेलों में डाल दिया गया।मीसा (MISA) और अन्य कानूनों के तहत व्यापक गिरफ्तारियाँ हुईं।अनेक समाचार- पत्रों को समाचार प्रकाशित करने से पहले सरकारी अनुमति लेनी पड़ती थी।लोकतंत्र की आत्मा कहे जाने वाले अभिव्यक्ति के अधिकार पर पहरा बैठ गया था।सर्वोच्च न्यायालय का चर्चित एडीएम जबलपुर मामला आज भी भारतीय न्यायिक इतिहास में बहस का विषय है।उस समय न्यायपालिका का एक बड़ा हिस्सा सत्ता के दबाव के सामने कमजोर दिखाई दिया, जबकि न्यायमूर्ति एच.आर.खन्ना का असहमति वाला मत लोकतांत्रिक साहस का प्रतीक बन गया।बाद में गठित शाह आयोग ने भी प्रशासनिक और राजनीतिक दुरुपयोगों की ओर संकेत किया। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि लोकतंत्र में संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों की रक्षा कितनी आवश्यक है।किन्तु भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह रही कि जनता ने अंततः अपना फैसला सुनाया।1977 के आम चुनाव में कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई और जनता पार्टी की सरकार बनी।यह केवल सरकार की हार नहीं थी,बल्कि लोकतंत्र की जीत थी।जनता ने यह संदेश दिया कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति किसी नेता,दल या सरकार के पास नहीं, बल्कि मतदाता के पास होती है। बाद के वर्षों में कांग्रेस के अनेक नेताओं ने स्वीकार किया कि आपातकाल एक गंभीर राजनीतिक भूल थी।लोकतंत्र केवल दण्ड देने की व्यवस्था नहीं है,वह सुधार का अवसर भी देता है।यही कारण था कि 1980 में जनता ने पुनः इन्दिरा गांधी को सत्ता में लौटने का अवसर दिया।यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का अद्भुत उदाहरण था। *1975 में जनता ने सत्ता को सबक सिखाया था,क्या आज की राजनीति इतिहास से सीख रही है? 1975 का आपातकाल, वर्तमान चुनौतियाँ और संविधान की चेतावनी इतिहास केवल स्मृति है या वर्तमान के लिए एक आईना ?* यही वह बिंदु है,जहाँ इतिहास वर्तमान से संवाद करता है।आज जब देश आपातकाल की वर्षगाँठ को याद करता है,तब स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न भी उठता है कि क्या लोकतंत्र की समीक्षा केवल अतीत तक सीमित रहनी चाहिए अथवा वर्तमान की परिस्थितियों का भी उसी कसौटी पर परीक्षण होना चाहिए?क्या आपातकाल की स्मृति केवल राजनीतिक हथियार है या लोकतांत्रिक आत्ममंथन का अवसर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले बारह वर्षों में भारत ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं।आधार भूत संरचना का विस्तार,एक्सप्रेस-वे,रेलवे और हवाई अड्डों का विकास,डिजिटल इंडिया अभियान, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण,जनधन योजना,यूपीआई क्रांति,वैश्विक मंचों पर भारत की बढ़ती उपस्थिति, जी-20 की सफल अध्यक्षता और विदेश नीति में संतुलित दृष्टिकोण को व्यापक रूप से सराहा गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत की संतुलित कूटनीति,वैश्विक दक्षिण की आवाज के रूप में उसकी भूमिका तथा अमेरिका, रूस,यूरोप और पश्चिम एशिया के साथ समानांतर संबंधों ने भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है।

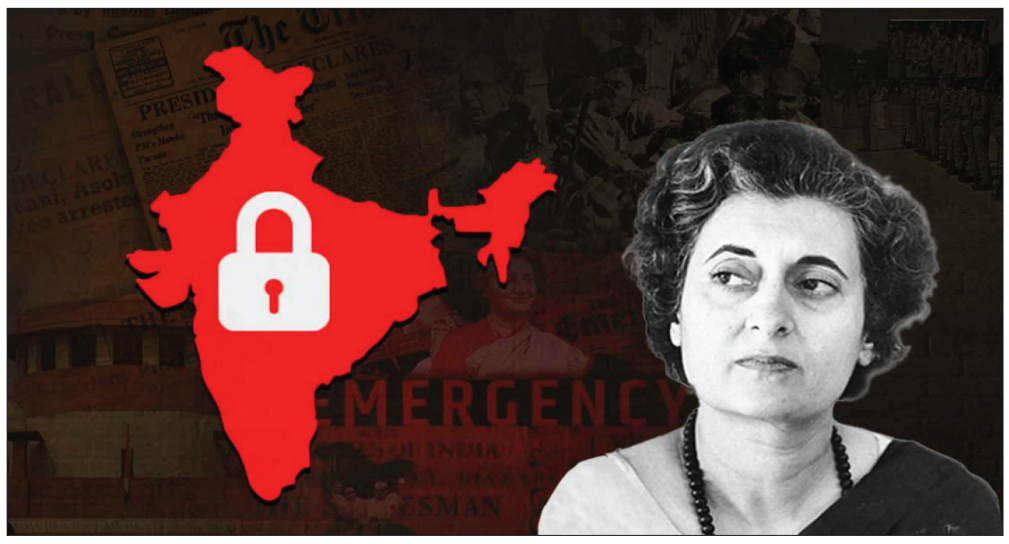

यह उपलब्धियाँ वास्तविक हैं और इन्हें नकारना वस्तुनिष्ठ विश्लेषण नहीं होगा।किन्तु लोकतंत्र केवल उपलब्धियों से नहीं चलता। लोकतंत्र का मूल्यांकन इस आधार पर भी होता है कि सत्ता आलोचना को कितना स्थान देती है,संस्थाएँ कितनी स्वतंत्र हैं,नागरिक कितने निर्भय हैं और विपक्ष को कितना सम्मान प्राप्त है।यहीं से वर्तमान राजनीतिक बहस आरम्भ होती है।

विपक्षी दल और अनेक राजनीतिक विश्लेषक आरोप लगाते हैं कि देश में सत्ता का अत्यधिक केंद्रीकरण हुआ है।प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई और आयकर विभाग जैसी एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर समय-समय पर प्रश्न उठते रहे हैं।विपक्ष का आरोप है कि इन एजेंसियों की सक्रियता कई बार राजनीतिक विरोधियों के विरुद्ध अधिक दिखाई देती है।सरकार इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करती है और कहती है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। लोकतंत्र में सच्चाई का निर्णय अदालतें और कानून करते हैं, लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि संस्थाओं के प्रति जनता का विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूँजी होता है।इसी प्रकार चुनाव आयोग को लेकर भी समय-समय पर बहस होती रही है।भारत का चुनाव आयोग विश्व की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया का संचालन करता है और उसकी निष्पक्षता लोकतंत्र की आधारशिला है।यदि चुनावी संस्थाओं को लेकर आशंकाएँ व्यक्त की जाती हैं तो उनका उत्तर केवल राजनीतिक बयान नहीं,बल्कि अधिक पारदर्शिता और जनविश्वास से दिया जाना चाहिए।लोकतंत्र की असली शक्ति केवल चुनाव कराने में नहीं, बल्कि चुनावों पर जनता के भरोसे में निहित होती है।आज देश का युवा एक अलग प्रकार के संकट से जूझ रहा है।करोड़ों विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में वर्षों लगा देते हैं,लेकिन पेपर लीक की घटनाएँ बार-बार उनके सपनों और विश्वास दोनों को चोट पहुँचाती हैं।बेरोजगारी का प्रश्न आज भी राष्ट्रीय विमर्श का प्रमुख मुद्दा है। आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के बीच संतुलन की चुनौती अभी भी बनी हुई है।शिक्षा का विस्तार हुआ है,लेकिन गुणवत्तापूर्ण रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में अपेक्षित सफलता नहीं मिली है। यह वह प्रश्न है जिसका उत्तर किसी भी सरकार को देना ही होगा।राजनीति का एक और चिंताजनक पक्ष दल-बदल की बढ़ती संस्कृति है।चुनाव के समय एक विचारधारा और दल के नाम पर वोट माँगना और बाद में राजनीतिक लाभ के लिए पाला बदल लेना लोकतांत्रिक नैतिकता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।महाराष्ट्र,मध्य प्रदेश,कर्नाटक और अन्य राज्यों की राजनीतिक घटनाओं ने यह बहस तेज की है , क्या जनादेश जनता का रहता है या राजनीतिक प्रबंधन का साधन बन जाता है?दुर्भाग्यपूर्ण सत्य यह है कि लगभग सभी दल सत्ता में रहते हुए दल-बदल का स्वागत करते हैं और विपक्ष में रहते हुए उसका विरोध करते हैं।यही भारतीय राजनीति दलो का वह चाल,चेहरा और चरित्र है जिसे जनता अब समझने लगी है।लोकतंत्र में समस्या केवल सरकार की नहीं होती,विपक्ष की भी होती है।यदि सत्ता आलोचना से असहज होती है तो विपक्ष भी कई बार रचनात्मक राजनीति के बजाय केवल विरोध की राजनीति में उलझ जाता है।लोकतंत्र दोनों पक्षों की जिम्मेदारी से चलता है।सत्ता को जवाबदेह होना पड़ता है और विपक्ष को विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत करना पड़ता है।धार्मिक और सांस्कृतिक मुद्दे भारतीय राजनीति का हिस्सा रहे हैं।राम मंदिर का निर्माण करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा विषय था और उसका ऐतिहासिक महत्व भी है।लोकतंत्र में आस्था के साथ जवाबदेही भी आवश्यक होती है।किसी भी सार्वजनिक या धार्मिक परियोजना के संबंध में उठने वाले प्रश्नों का उत्तर पारदर्शिता से दिया जाना चाहिए।इसी प्रकार हिन्दू-मुस्लिम ध्रुवीकरण की राजनीति अल्पकालिक चुनावी लाभ दे सकती है,लेकिन दीर्घकाल में सामाजिक विश्वास और राष्ट्रीय एकता को कमजोर करती है।

भारत की वास्तविक चुनौतियाँ रोजगार,शिक्षा,स्वास्थ्य,कृषि, पर्यावरण,सामाजिक न्याय और आर्थिक असमानता हैं।यदि राजनीतिक विमर्श इन मूल प्रश्नों से भटककर केवल भावनात्मक मुद्दों तक सीमित हो जाए तो लोकतंत्र का वास्तविक उद्देश्य कमजोर पड़ जाता है।सोशल मीडिया के इस युग ने लोकतंत्र को नए अवसर और नई चुनौतियाँ दोनों दी हैं।आज नागरिकों के पास अपनी बात कहने के पहले से कहीं अधिक अवसर हैं। सरकार की आलोचना भी खुलकर हो रही है और समर्थन भी।इसके साथ ही फेक न्यूज,ट्रोल संस्कृति, दुष्प्रचार और वैचारिक कट्टरता जैसी समस्याएँ भी बढ़ी हैं।लोकतंत्र को केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ही नहीं,बल्कि जिम्मेदार अभिव्यक्ति की भी आवश्यकता होती है।2024 के लोकसभा चुनाव ने भी भारतीय लोकतंत्र को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया।जनता ने राष्ट्रीय स्तर पर सरकार को तीसरा कार्यकाल दिया, लेकिन साथ ही यह भी संकेत दिया कि लोकतंत्र में जनादेश समर्थन और संतुलन दोनों का संदेश देता है।यह परिणाम बताता है कि भारतीय मतदाता न किसी दल का स्थायी समर्थक है और न स्थायी विरोधी।वह समय-समय पर सरकारों को अवसर भी देता है और चेतावनी भी।यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी सुंदरता है।आज की सरकार के लिए इतिहास का संदेश स्पष्ट है। इन्दिरा गांधी का राजनीतिक कद बहुत बड़ा था, लेकिन जनता ने उन्हें भी सत्ता से बाहर कर दिया था।इसलिए किसी भी लोकतांत्रिक सरकार को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि लोकप्रियता स्थायी है या चुनावी सफलता अंतिम सत्य है। लोकतंत्र में जनसमर्थन निरंतर अर्जित करना पड़ता है।केवल अतीत की गलतियों को याद दिलाकर वर्तमान की चुनौतियों से बचा नहीं जा सकता।यदि बेरोजगारी,शिक्षा,सामाजिक सद्भाव,संस्थागत विश्वसनीयता और पारदर्शिता जैसे प्रश्न उठ रहे हैं तो उनका उत्तर इतिहास नहीं,वर्तमान नीतियों और परिणामों से देना होगा।साथ ही विपक्ष को भी यह समझना होगा कि हर राजनीतिक मतभेद को आपातकाल बताना लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करता है।जनता केवल आलोचना नहीं,विकल्प भी चाहती है।लोकतंत्र भय और आरोपों से नहीं,बल्कि विश्वास और विकल्पों से मजबूत होता है।डॉ.भीमराव अम्बेडकर ने संविधान सभा में चेतावनी दी थी कि संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो,यदि उसे चलाने वाले लोग अच्छे नहीं होंगे तो वह अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएगा।यह चेतावनी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है।जितनी संविधान निर्माण के समय थी।भारत का संविधान किसी दल,नेता या सरकार का दस्तावेज नहीं है।यह देश के नागरिकों का लोकतांत्रिक संकल्प है।सरकारें आती हैं,सरकारें जाती हैं; दल बनते हैं,दल टूटते हैं; नारे बदलते हैं,राजनीतिक समीकरण बदलते हैं,लेकिन संविधान और लोकतंत्र की मूल भावना स्थायी रहती है।इतिहास हमें भयभीत करने के लिए नहीं,बल्कि सावधान करने के लिए होता है। 1975 का आपातकाल हमें यह सिखाता है कि लोकतंत्र कभी भी स्वतः सुरक्षित नहीं रहता।उसे निरंतर संरक्षित करना पड़ता है। वहीं वर्तमान समय हमें यह भी सिखाता है कि लोकतंत्र की मजबूती केवल अतीत की गलतियों को गिनाने से नहीं,बल्कि वर्तमान की चुनौतियों का ईमानदारी से सामना करने से आती है।भारत की लोकतांत्रिक यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं है कि यहाँ सरकारें बनती हैं,बल्कि यह है कि यहाँ जनता सरकारों का मूल्यांकन करने,उनसे प्रश्न पूछने और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें बदलने का अधिकार रखती है।यही लोकतंत्र की आत्मा है,यही संविधान की शक्ति है।

संपादकीय

सुखपुरी के सुख-दुख

आज स्मार्टफोन के बच्चों व किशोरों पर पड़ने वाले घातक प्रभावों से पूरी वैश्विक बिरादरी फिक्रमंद है। लाइलाज मर्ज बनती इस लत के खिलाफ परंपरागत समाजों व विकासशील देश ही नहीं, बल्कि आस्ट्रेलिया, फ्रांस,ब्रिटेन आदि विकसित देशों में भी एक उम्र के बाद ही स्मार्ट फोन के इस्तेमाल करने के लिए कानून बन रहे हैं। सोशल मीडिया के जनक अमेरिका में सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ अदालतों में मोटे मुआवजे वसूले गए हैं। इसी बीच हरियाणा के नूंह जिले के सुखपुरी गांव में एक अभिनव पहल हुई है। यूं तो स्मार्टफोन आज आवश्यक बुराई बनते जा रहे हैं, लेकिन सुखपुरी के दुख अलग हैं। गांव की पहचान साइबर क्राइम के हब के रूप में होने लगी है। आये दिन गांव में पुलिस की दस्तक से उन्हें बदनामी महसूस होती है। उनका कहना है कि इस गांव के कुछ युवाओं के साइबर क्राइम में शामिल होने के आरोपों के चलते बाहरी ग्रामीण गांव में रिश्ते करने से कतरा रहे हैं। गांव में पंचायत प्रतिनिधियों ने अधिकारियों के सामने 55 मोबाइल हैंडसेट पटककर तोड़ दिए। उनका मकसद गांव को साइबर क्राइम हब के दाग से मुक्त कराना था। ग्रामीणों ने जरूरत के लिये बेसिक फोन इस्तेमाल करने का फैसला लिया है। बताते हैं कि नूंह क्षेत्र के 57 गांवों के लोगों ने भी ऐसी पहल करने का निर्णय लिया है। वहीं दूसरी ओर युवा पीढ़ी में बड़े-बुजुर्गों के फैसले के खिलाफ गुस्सा है। उनका मानना है कि इस फैसले से उनकी आर्थिक प्रगति बाधित होगी। कई लोग ऐसे हैं जिनकी कमाई पूरी तरह डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर निर्भर है। उनकी दलील है कि महज कुछ लोगों की गलती की सजा पूरी पीढ़ी को नहीं दी जा सकती। वे ऑनलाइन पढ़ाई व स्कॉलरशिप पोर्टल से कट जाएंगे। वहीं यूपीआई पेमेंट समेत ऑनलाइन भुगतान के तौर-तरीके बाधित होंगे। लेकिन सुखपुरी के लोगों के गांव का नाम साइबर क्राइम से जुड़ने के दुख को भी समझने की जरूरत है। सही मायने में आज जरूरत एक बीच का रास्ता तलाशने की है। ताकि साइबर क्राइम में युवाओं के लिप्त होने से गांव की बदनामी भी न हो, और डिजिटल गतिविधियां भी चलती रहें। निस्संदेह, तकनीक को धोखा देने और गैर-कानूनी फायदा उठाने का जरिया नहीं बनने दिया जाना चाहिए। नियामक एजेंसियों को सामुदायिक नेताओं की मदद से ऐसे लोगों पर अंकुश लगाना चाहिए, जो अक्सर साइब्रर फ्रॉड, सेक्सटॉर्शन और ऑनलाइन स्कैम में लिप्त रहते हैं। वाकई आज स्मॉर्ट फोन दुधारी तलवार बन गए हैं। ऐसा जिन्न, जिसमें अच्छाई भी है और बुराई भी। जिसकी वजह से तुरंत पैसा कमाने के फेर में युवा साइबर अपराधों में लिप्त हो जाते हैं। सवाल केवल साइबर अपराधों का ही नहीं है, सोशल मीडिया के कई प्लेटफॉर्मों में अश्लील सामग्री का बोलबाला है। जिससे किशोर व युवा पथभ्रष्ट हो रहे हैं। कई तरह की भाषाई विकृतियां सामने आ रही हैं। समय व पैसा बचाने के लिये शादियों के कार्ड व्हाट्स ऐप के जरिये भेजने का प्रचलन तो बढ़ा है, लेकिन इससे विवाह समारोह के आमंत्रण की गरिमा व प्रतिष्ठा प्रभावित हुई है। ये स्पष्ट है कि आज स्मॉर्ट फोन सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं हैं, बल्कि ये शिक्षा, बैंकिंग,सरकारी सेवाओं, रोजगार के मौके तलाशने व वीडियो कॉलिंग का जरिया भी हैं। ऐसे समय में, जब गांवों में सामाजिक और आर्थिक उन्नति के लिये डिजिटल कनेक्टिविटी अपरिहार्य है, स्मार्टफोनों के उपयोग से युवाओं को पूरी तरह से वंचित नहीं किया जा सकता। डिजिटल दौर में उन युवाओं के भी अलग-थलग पड़ने की आशंकाएं हैं, जिनका भविष्य बचाने के लिये यह पहल की जा रही है।

लापरवाही की लपटों में जलती जिंदगीः कब जागेगा तंत्र?

ललित गर्ग

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने केवल एक इमारत को नहीं जलाया, बल्कि शासन-प्रशासन की संवेदनहीनता, नियामक संस्थाओं की निष्क्रियता और व्यवस्था की खोखली पड़ चुकी जवाबदेही को भी उजागर कर दिया है। इस दुर्घटना में कोचिंग सेंटर के अनेक विद्यार्थियों की असामयिक मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि उस सड़ी-गली व्यवस्था का परिणाम है, जो हर त्रासदी के बाद कुछ दिनों तक सक्रिय दिखती है और फिर गहरी नींद में सो जाती है। राजकोट के गेमिंग जोन में आग, दिल्ली के शिशु अस्पताल में नवजातों की मौत, दिल्ली के होटल अग्निकांड, मुजफ्फरपुर अस्पताल की दुर्घटना और अब लखनऊ का अग्निकांड-इन घटनाओं की श्रृंखला बताती है कि भारत में मानव जीवन का मूल्य लगातार घटता जा रहा है। हर बार वही बयान सुनाई देता है- 'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा', 'जांच के आदेश दे दिए गए हैं', 'कड़ी कार्रवाई होगी'। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जांच और मुआवजा ही शासन का अंतिम दायित्व है? क्या सरकारें केवल दुर्घटना के बाद शोक व्यक्त करने और मुआवजा बांटने के लिए हैं? इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर।

लखनऊ की जिस इमारत में आग लगी, वहां कोचिंग सेंटर और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। यह अत्यंत गंभीर प्रश्न है कि क्या उस भवन को अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त था? क्या भवन निर्माण मानकों का पालन किया गया था? क्या वहां आपातकालीन निकास मार्ग उपलब्ध थे? यदि थे, तो वे उपयोग में क्यों नहीं आए? और यदि नहीं थे, तो इतने लंबे समय तक प्रशासन की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी? यह केवल भवन स्वामी की लापरवाही नहीं है। यदि कोई व्यावसायिक संस्थान नियमों की अनदेखी करते हुए वर्षों तक संचालित होता रहता है, तो स्पष्ट है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक तंत्र की मौन सहमति या भ्रष्ट गठजोड़ सक्रिय है। आखिर नगर निगम, विकास प्राधिकरण, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी क्या है? क्या उनका कार्य केवल लाइसेंस जारी करना और औपचारिक निरीक्षण करना भर रह गया है? या कमियों को ढंकते हुए अपनी जेबें गर्म करते रहना है?

वास्तविकता यह है कि देश के अधिकांश शहरों में सार्वजनिक सुरक्षा भगवान भरोसे है। ऊंची-ऊंची इमारतें खड़ी हो रही हैं, लेकिन उनमें सुरक्षा मानकों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। बहुमंजिला भवनों में अक्सर एक ही प्रवेश एवं निकास मार्ग होता है। अग्निशमन उपकरण या तो अनुपस्थित होते हैं या वर्षों से निष्क्रिय पड़े रहते हैं। आपदा प्रबंधन की कोई नियमित मॉक ड्रिल नहीं होती। भवनों में क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश दिया जाता है। नियम पुस्तकों में सुरक्षा व्यवस्था भले मौजूद हो, लेकिन जमीन पर उसकी स्थिति नगण्य है। इस विडम्बना का सबसे दुखद पक्ष यह है कि हर बड़ी दुर्घटना के बाद जांच समितियां गठित होती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं, लेकिन उन रिपोर्टों पर अमल नहीं होता। उपहार सिनेमा अग्निकांड से लेकर राजकोट और लखनऊ तक, देश ने अनेक त्रासदियों से सबक लेने की बात कही, परंतु व्यवस्था ने कुछ नहीं सीखा। प्रशासन की स्मृति अत्यंत अल्पकालिक हो चुकी है। कुछ दिनों तक छापेमारी, निरीक्षण और नोटिस जारी करने का नाटक चलता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक अक्षमता की नहीं, बल्कि नैतिक पतन की भी है। भ्रष्टाचार ने सुरक्षा व्यवस्था की आत्मा को खोखला कर दिया है। निरीक्षण करने वाले अधिकारी सुविधा शुल्क लेकर आंखें मूंद लेते हैं। भवन स्वामी अधिक लाभ कमाने के लिए सुरक्षा उपायों की उपेक्षा करते हैं। परिणामस्वरूप निर्दोष नागरिक अपनी जान गंवाते हैं। प्रश्न यह भी है कि क्या हमारे शहरों का विकास मानव-केंद्रित है? हम स्मार्ट सिटी, मेट्रो सिटी और विश्वस्तरीय शहरों के निर्माण की बात करते हैं, लेकिन यदि नागरिक सुरक्षित नहीं हैं, तो ऐसे विकास का क्या अर्थ है? किसी भी सभ्य समाज की पहली पहचान उसके नागरिकों की सुरक्षा होती है। यदि एक कोचिंग संस्थान, अस्पताल, होटल या मॉल भी सुरक्षित नहीं है, तो हमें अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार करना होगा। आज आवश्यकता केवल दोष निर्धारण की नहीं, बल्कि व्यापक संरचनात्मक सुधारों की है। सबसे पहले देशभर में सभी व्यावसायिक भवनों, कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों, मॉल, होटल और सार्वजनिक स्थलों का स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट कराया जाना चाहिए। जिन संस्थानों के पास अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र नहीं हैं या जो मानकों का पालन नहीं करते, उन्हें तत्काल बंद किया जाना चाहिए।

दूसरे, अग्निशमन विभाग को आधुनिक संसाधनों और पर्याप्त मानवबल से सुसज्जित करना होगा। अनेक रिपोर्टों के अनुसार देश में फायर स्टेशनों और प्रशिक्षित फायर कर्मियों की भारी कमी है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के अनुरूप अग्निशमन सेवाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। तीसरे, प्रत्येक सार्वजनिक भवन में हर छह माह में अनिवार्य मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि आपात स्थिति में लोग घबराने के बजाय संयमपूर्वक अपनी सुरक्षा कर सकें। चौथे, जवाबदेही की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। केवल भवन स्वामी ही नहीं, बल्कि संबंधित विभागों के उन अधिकारियों पर भी कठोर दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए, जिन्होंने लापरवाही बरती या नियमों की अनदेखी की। जब तक अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी नहीं बनाए जाएंगे, तब तक सुधार की उम्मीद करना व्यर्थ है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शासन की प्राथमिकता 'दुर्घटना के बाद की प्रतिक्रिया' से बदलकर 'दुर्घटना से पूर्व की रोकथाम' पर केंद्रित होनी चाहिए। सुशासन का अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा सुनिश्चित करना भी है। प्रशासन की सफलता मुआवजा राशि में नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं को रोकने की क्षमता में निहित होती है।

कोचिंग सेंटर, हॉस्पिटल, कारखाने, होटल आदि के मिस मैनेजमेंट और लापरवाही का स्थानीय प्रशासन को अंदाजा होना चाहिए कि उसके कार्यक्षेत्र में किस तरह के व्यवसाय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए चलाए जा रहे हैं? प्रश्न है कि इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती। मनुष्य अपने स्वार्थ और रुपए के लिए इस सीमा तक बेईमान और बदमाश हो जाता है कि हजारों के जीवन और सुरक्षा से खेलता है। दो-चार परिवारों की सुख समृद्धि के लिए अनेक घर-परिवार उजाड़ देता है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलत ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे-कानूनों का उल्लंघन होता है। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वही सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती है? सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है।

जैसे-जैसे जीवन तेज होता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे-वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर-शराबें के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है। सरकार और सरकारी विभाग जितनी तत्परता मुआवजा देने में और जांच समिति बनाने में दिखाते हैं, अगर सुरक्षा प्रबंधों में इतनी तत्परता दिखाएं तो दुर्घटनाओं की संख्या घट सकती है। लखनऊ का यह अग्निकांड एक चेतावनी है। यदि अब भी शासन-प्रशासन नहीं जागा, तो ऐसी त्रासदियां भविष्य में और अधिक भयावह रूप धारण कर सकती हैं। यह समय आत्ममंथन का है, क्योंकि हर अग्निकांड के बाद यदि केवल राख बचती है और व्यवस्था फिर उसी ढर्रे पर लौट जाती है, तो यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि एक प्रकार का संस्थागत अपराध है। देश को अब संवेदना नहीं-व्यवस्था चाहिए, जांच नहीं-जवाबदेही चाहिए और आश्वासन नहीं-ठोस कार्रवाई चाहिए। अन्यथा हर अग्निकांड के बाद यही प्रश्न गूंजता रहेगा-आखिर कब जागेगा तंत्र?

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तानी सेना के खिलाफ सड़कों पर उतरे स्कूली बच्चे और महिलाएं, भड़का जनाक्रोश ; नारे लगाकर मांगी आजादी

मुजफ्फरराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सैन्य दमन के खिलाफ जारी जनांदोलन में 10-12 साल के स्कूली बच्चे और महिलाएं भी भारी संख्या में सड़कों पर उतर आए हैं। प्रदर्शनकारी खुलेआम आजादी के नारे लगा रहे हैं और पाकिस्तान सरकार की कड़े शब्दों में निंदा कर रहे हैं। रावलकोट के ईदगाह मैदान में पिछले 11 दिनों से 70,000 से अधिक प्रदर्शनकारियों का धरना भी जारी है। वहीं सुधनोती जिले के तरार खेल में छोटे-छोटे स्कूली बच्चों ने सार्वजनिक चौकों पर एकत्र होकर स्वतंत्रता के समर्थन में नारेबाजी की। मंधोल में सैकड़ों महिलाओं ने मार्च निकालकर पाकिस्तानी सरकार और सेना को अवैध कब्जाधारी करार दिया। रावलकोट में प्रदर्शन कर रहे बच्चों के हाथों में तख्तियां थीं, जिन पर-सेना बाहर जाओ जैसे नारे लिखे थे। आंदोलन की अगुवाई कर रही अवामी एक्शन कमेटी ने पाकिस्तानी सरकार को अपनी 38 सूत्रीय मांगों का चार्टर स्वीकार करने के लिए 23 जून तक का अल्टीमेटम दिया है। ईदगाह मैदान में हजारों लोगों की भीड़ को संबोधित करते हुए संगठन के नेता सरदार अमान खान ने बेहद तीखा और भावुक भाषण दिया। उन्होंने पाकिस्तानी सेना को सीधे तौर पर चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसने दमन जारी रखा, तो पूरे सैन्य ढांचे को पीओके से बाहर खदेड़ दिया जाएगा।

ट्रम्प समर्थित एबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला बने कोलंबिया के राष्ट्रपति

बोगोटा, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थित उम्मीदवार एबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला ने कोलंबिया का राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। शुरुआती मतगणना के अनुसार उन्होंने वामपंथी उम्मीदवार इवान सेपेदा को करीबी मुकाबले में करीब 2.5 लाख वोटों से हराया। उनकी जीत को देश की राजनीति में दक्षिणपंथी और राष्ट्रवादी रुझान की वापसी के रूप में देखा जा रहा है। करीब सभी वोटों की गिनती पूरी होने के बाद डी ला एस्प्रिएला को 49.66% वोट मिले, जबकि इवान सेपेदा को 48.70% वोट प्राप्त हुए। चुनाव परिणाम के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें फोन कर बधाई दी। समर्थकों के बीच 'द टाइगर' के नाम से लोकप्रिय डी ला एस्प्रिएला ने चुनाव अभियान में अपराध नियंत्रण, आर्थिक सुधार और ऊर्जा क्षेत्र को मजबूत बनाने को प्रमुख मुद्दा बनाया था।

फिलीपींस के टैक्लोबन में स्कूल के भीतर अंधाधुंध फायरिंग, 3 की मौत से मचा कोहराम ; दहल उठा पूरा इलाका

टैक्लोबन , एजेंसी। फिलीपींस के टैक्लोबन शहर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक स्कूल परिसर के भीतर हुई अंधाधुंध गोलीबारी ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना के तुरंत बाद स्कूल परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों में भारी दहशत और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वहां मौजूद लोगों के अनुसार, स्कूल के भीतर अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट सुनाई देने लगी, जिसके बाद वहां मौजूद छात्र, शिक्षक और कर्मचारी अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। अचानक हुए इस हमले से परिसर में मौजूद लोगों के बीच भारी दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंचीं और घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने पूरे स्कूल परिसर को घेर लिया है और मौके से साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हालांकि, अभी तक हमले के पीछे की मुख्य वजह और संदिग्धों की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें। फिलहाल शुरुआती जांच में तीन मौतों की पुष्टि हुई है, लेकिन घायलों की सटीक संख्या और उनकी स्थिति को लेकर विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। इस घटना के बाद, स्थानीय प्रशासन ने एहतियात के तौर पर आसपास के अन्य स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया है।

ताइवान ने शुरू किया पांच दिवसीय सैन्य अभ्यास

ताइपे, एजेंसी। चीन से संभावित सैन्य खतरे के बीच ताइवान ने सोमवार से पांच दिवसीय सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया। इस अभ्यास का उद्देश्य सेना की युद्ध तैयारी और आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत करना है। अभ्यास के तहत ताइवान के ताओयुआन शहर की सड़कों और राजमार्गों पर टैंक तथा बख्तरबंद सैन्य वाहन गश्त करते नजर आए। ताओयुआन में ताइवान का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा स्थित है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इमीडिएट कॉम्बैट रेडीनेस एक्सरसाइज नामक यह अभ्यास वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप आयोजित किया जा रहा है।

गाजा में इजराइली हमले में परीक्षा देने जा रही 16 वर्षीय छात्रा की मौत, 3 अन्य घायल

गाजा पट्टी , एजेंसी। गाजा पट्टी में सीजफायर के तमाम दावों के बावजूद मासूम नागरिकों की जान जाने का सिलसिला लगातार और दुखद रूप से जारी है। सोमवार को गाजा सिटी के एक बहुत ही व्यस्त और भीड़भाड़ वाले इलाके में एक भीषण और जानलेवा इजराइली हमला हुआ है। इस दर्दनाक हवाई हमले में एक 16 वर्षीय स्कूली छात्रा राघद हसन आशूर की मौके पर ही बहुत दर्दनाक मौत हो गई है। राघद उस समय अपने स्कूल में 11वीं कक्षा की अहम परीक्षा देने के लिए मुख्य सड़क से पैदल ही आगे जा रही थी।

इस अचानक हुए जोरदार धमाके ने आसपास के पूरे इलाके में भारी तबाही और गहरी दहशत का एक बड़ा माहौल पैदा कर दिया है। मृतका राघद के एक रिश्तेदार जमील आशूर ने विस्तार से बताया कि यह भीषण धमाका रिमल जिले की एक बहुत ही व्यस्त सड़क पर हुआ था। घटनास्थल पर मौजूद भयानक वीडियो में बहुत ही साफ तौर पर देखा जा सकता है कि हमले के बाद वहां दो गाड़ियां पूरी तरह से जलकर नष्ट हो चुकी थीं। इस भारी तबाही के भयंकर मंजर में सड़क पर हर तरफ खून के निशान मौजूद थे जो इस बड़ी त्रासदी की सीधी गवाही दे रहे थे।

हमास लड़ाके को निशाना बनाने का दावा : इस पूरे गंभीर मामले पर इजराइली सेना ने अपनी आधिकारिक सफाई देते हुए स्पष्ट रूप से कहा है कि उनका मुख्य निशाना हमास का एक लड़ाका था। हालांकि सेना ने अपने बयान में यह भी स्वीकार किया है कि इस सैन्य कार्रवाई में एक निर्दोष नागरिक के हताहत होने की जानकारी उन्हें जरूर मिली है। इस भीषण हवाई हमले में मासूम राघद की दर्दनाक मौत के अलावा तीन अन्य स्थानीय लोग भी बहुत ही बुरी तरह से घायल हुए हैं। इन सभी गंभीर घायलों को तुरंत ही पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका लगातार सघन और अहम इलाज किया जा रहा है।

शिफा अस्पताल में पसरा भारी मातम : इस दर्दनाक हमले के बाद राघद के शव को तुरंत गाजा के प्रसिद्ध शिफा अस्पताल में ले जाया गया जहां कोहराम मच गया। शिफा अस्पताल में राघद की बेहाल मां और सैकड़ों अन्य फिलिस्तीनी नागरिकों ने उस मासूम बच्ची को नम आंखों से अंतिम विदाई दी। युद्ध के बीच इस तरह से लगातार पिस रहे मासूम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर से दुनिया भर में गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

सीजफायर के बावजूद नहीं रुक रही मौतें अक्टूबर में हुए संघर्ष विराम समझौते के बावजूद इस पूरे अशांत इलाके में भीषण हिंसा और बेगुनाहों की मौतों का दौर लगातार जारी है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के नए और ताजा आंकड़ों के अनुसार सीजफायर लागू होने के बाद से अब तक 1,000 से अधिक फिलिस्तीनी नागरिक मारे जा चुके हैं। वहीं 7 अक्टूबर 2023 से शुरू हुए इस भयंकर युद्ध में अब तक कुल 73,018 फिलिस्तीनियों की बहुत ही दर्दनाक रूप से जान जा चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय की विस्तृत रिपोर्ट के मुताबिक इन मरने वालों में लगभग आधे से ज्यादा केवल बेगुनाह महिलाएं और मासूम बच्चे ही बड़े पैमाने पर शामिल हैं।

इजराइल और हमास का भीषण युद्ध : इस बड़े और विनाशकारी युद्ध की मुख्य शुरुआत तब हुई थी जब हमास के नेतृत्व वाले सशस्त्र लड़ाकों ने दक्षिणी इजराइल में अचानक भारी हमला किया था।

7 अक्टूबर 2023 को हुए उस बहुत ही बड़े और अप्रत्याशित हमले में 1,200 लोग मारे गए थे और 251 अन्य लोगों को बंधक बना लिया गया था। इजराइल का लगातार यही कहना है कि वे केवल उन बड़े खतरों को निशाना बना रहे हैं जो सीधे तौर पर उनकी अपनी सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। वहीं दूसरी तरफ इस सीजफायर समझौते के पूरी तरह से लागू होने के बाद से अब तक पांच इजराइली सैनिक भी इस संघर्ष में मारे जा चुके हैं।

ईरान युद्ध की ट्रंप ने चुकाई भारी कीमत, पेंटागन ने कांग्रेस से मांगे 80 अरब डॉलर; सांसदों में भारी नाराजगी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) ने सीनेटरों को बताया है कि उसे ईरान युद्ध के कारण लगभग 80 अरब अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त धनराशि की जरूरत है। इस धनराशि का अधिकतर हिस्सा ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान की लागत को पूरा करने में खर्च होगा। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा प्रस्तावित रक्षा बजट में भी भारी बढ़ोतरी की गई है और अब मांगी गई यह 80 अरब डॉलर की राशि रक्षा बजट से अलग है।

औपचारिक अनुरोध होना अभी बाकी : हालांकि, व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट ने अभी तक कांग्रेस के सामने कोई औपचारिक अनुरोध पेश नहीं किया है। लेकिन रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ हाल के दिनों में कैपिटल हिल में सांसदों से लगातार मुलाकात कर रहे हैं। सोमवार शाम भी उन्होंने कई सांसदों से बातचीत की। मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों के अनुसार, रक्षा मंत्री के एक वरिष्ठ सहयोगी ने पिछले सप्ताह सीनेटरों को ईरान अभियान के लिए अतिरिक्त फंडिंग की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी थी। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में इस बात की जानकारी सबसे पहले दी थी। ईरान युद्ध के लिए अरबों डॉलर की अतिरिक्त फंडिंग की मांग ऐसे समय में सामने आई है, जब अमेरिका में राजनीतिक माहौल बेहद संवेदनशील बना हुआ है। कई सांसद ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान के साथ किए गए समझौते और युद्ध समाप्ति की रणनीति को लेकर संदेह जता रहे हैं तथा आगे की कार्रवाई को लेकर भी सतर्क हैं। व्हाइट हाउस ने इस वर्ष पेंटागन के लिए 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड रक्षा बजट का प्रस्ताव रखा है सीनेट में रिपब्लिकन बहुमत के नेता जॉन थ्यून ने कहा कि उन्हें प्रशासन की ओर से युद्ध संबंधी अतिरिक्त व्यय का प्रस्ताव मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'जब यह प्रस्ताव आएगा।

मॉन्ट्रियल शहर के हिल्टन होटल में गोलीबारी, बंदूकधारी ने एक अधिकारी की हत्या, हमलावर भी ढेर

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। कनाडा के मॉन्ट्रियल शहर के एक होटल में एक संदिग्ध ने बंदूक से गोलीबारी की, जिसमें एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने जवाबी गोलीबारी की और संदिग्ध को मार गिराया। इसमें एक नागरिक की भी मौत हो गई, लेकिन यह तुरंत साफ नहीं हो पाया कि गोली किसने चलाई।

एक पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल : पुलिस प्रमुख फाडी डागर ने बताया कि शहर के कोट-डेस-नीजेस इलाके में हुई गोलीबारी में एक दूसरा पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गया, लेकिन उसकी हालत स्थिर है। उन्होंने बताया कि हमलावर को पुलिस ने गोली मारकर मार डाला। पुलिस प्रमुख ने कहा कि 24 वर्षों में यह पहली बार है कि मॉन्ट्रियल पुलिस का कोई अधिकारी ड्यूटी के दौरान शहीद हुआ है।

मकसद का पता लगाने की कोशिश में पुलिस : उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'यह बहुत ही दुखद दिन है। यह एक बुरे सपने जैसा है।' डागर ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11:35 बजे किसी ने आपातकालीन सेवाओं को फोन करके हिल्टन होटल की खिड़की से बंदूक लहराते हुए एक व्यक्ति के बारे में सूचना दी। उन्होंने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और उन पर गोलीबारी की गई। वीडियो में हमलावर होटल के बाहर भी दिखाई दिया।पुलिस अभी भी संदिग्ध के मकसद का पता लगाने की कोशिश कर रही है। डागर ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि नागरिक को गोली किसने मारी। गोलीबारी के पास निर्माण कार्य कर रहे जैकब कौटू ने बताया कि उन्होंने सोमवार सुबह चार-पांच गोलियों की आवाज सुनी।

उन्होंने कहा कि कुछ मिनट बाद, पुलिस अधिकारी बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंचने लगे और उन्होंने और भी गोलियों की आवाज सुनी। उन्होंने आगे बताया कि हमने पुलिसकर्मियों को गोलीबारी में उलझते और गोली लगने से घायल होते देखा। उनका अनुमान है कि उन्होंने 30 या 40 गोलियों की आवाज सुनी। सार्वजनिक सुरक्षा अधिकारियों ने इलाके में एक हथियारबंद और खतरनाक संदिग्ध के बारे में आपातकालीन चेतावनी जारी की और निवासियों से अपने घरों के अंदर ही सुरक्षित रहने का आग्रह किया।

पाकिस्तान में 'बलूचिस्तान की शेरनी' महरंग बलोच को उम्रकैद की सजा, मचा भारी बवाल

फैसला उस समय आया जब महरंग बलोच और दूसरे बीवाईसी नेताओं ने कोर्ट की पूरी कार्रवाई का कड़ा बॉयकॉट कर रखा था। 12 जून से गिरफ्तार किए गए ये सभी बीवाईसी नेता कानूनी कार्रवाई के विरोध में क्वेटा जेल के अंदर ही अपना धरना दे रहे हैं।

ग्वादर विरोध प्रदर्शन का मामला : बीबीसी उर्दू के अनुसार यह पूरा मामला जुलाई 2024 में ग्वादर में बीवाईसी द्वारा आयोजित बलूच राजी माची सभा से जुड़ा हुआ है। इस सभा के दौरान एक सिक्योरिटी अफसर की मौत हो गई थी जिसके बाद यह कार्यक्रम धरने में बदल गया था। इस बड़ी सभा में सिर्फ बलूचिस्तान के लोग ही नहीं बल्कि अफगानिस्तान और ईरान के बलूच लोग भी शामिल हुए थे। प्रदर्शन के दौरान बलूचिस्तान के कई जिलों में धरने आयोजित किए गए थे जिससे भारी बवाल मच गया था।

फैसले पर बीवाईसी की कड़ी निंदा : महरंग बलोच की 'बलूच यकजेहती कमेटी' ने इस उम्रकैद की सजा की कड़ी निंदा की है। संगठन ने इस अदालती फैसले को पाकिस्तान के बलूच देश के खिलाफ नफरत का इजहार बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस केस का कोई कानूनी आधार नहीं था और यह सरकार की तानाशाही के बराबर है। संगठन के अनुसार इस फैसले ने विरोध और संघर्ष के एक नए ऐतिहासिक दौर की शुरुआत कर दी है।

शांतिपूर्ण एक्टिविज्म को दबाने का आरोप : बीवाईसी ने पाकिस्तान के संस्थानों पर आरोप लगाया कि वे शांतिपूर्ण बलूच राजनीतिक एक्टिविज्म को दबा रहे हैं। उन्होंने अपना आंदोलन आगे भी जारी रखने की बात कही और कहा कि जेल इस बड़े आंदोलन को नहीं रोक सकती है। महरंग बलोच की बहन नादिया बलूच ने भी कोर्ट के इस कड़े फैसले को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। उन्होंने इसे बिना पहचान वाली कोर्ट का फैसला बताया क्योंकि लीगल टीम ने 12 जून से बॉयकॉट किया हुआ था। सरकार ने बॉयकॉट के दौरान आरोपियों का केस लड़ने के लिए अपनी तरफ से कुछ वकील नियुक्त किए थे। लेकिन महरंग बलोच और दूसरे बीवाईसी नेताओं ने उन सरकारी वकीलों को स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया था।

यूएस फेडरल जज ने ट्रंप सरकार को दिया झटका, अमेरिकी नागरिकों की गोपनीय जानकारी के डेटाबेस को किया ब्लॉक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक फेडरल जज ने ट्रंप सरकार के उस डेटाबेस को रद्द कर दिया जिसमें अमेरिकी नागरिकों की गुप्त जानकारी थी। जज ने इसे गैर-कानूनी बताया, क्योंकि कई राज्यों ने इसका इस्तेमाल योग्य नागरिकों को वोटर लिस्ट से हटाने के लिए किया था। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, कोलंबिया के अमेरिकी जिला कोर्ट की जज स्पार्कल सूकनानन ने एक फैसले में लिखा, 'फेडरल सरकार ने जानबूझकर अमेरिकी नागरिकों के गोपनीयता के अधिकारों का इस तरह से उल्लंघन किया है जिससे वोट देने जैसे महत्वपूर्ण अधिकार को खतरा है। जब ऐसा हो रहा हो तो यह कोर्ट चुपचाप खड़ी नहीं रह सकती।' सूकनानन ने कहा कि फेडरल एजेंसियां संघीय चुनाव प्रणाली में बदलाव लाने वाले एक कार्यकारी आदेश का पालन करने की जल्दबाजी में थीं। इसी वजह से उन्होंने अव्यवस्थित तरीके से लाखों अमेरिकियों की निजी जानकारी को एकत्रित और पुनः उपयोग किया, जिसमें नागरिकता संबंधी वह डेटा भी शामिल था, जिसके अविश्वसनीय होने की जानकारी उन्हें पहले से थी।

उन्होंने आगे कहा, 'तब से, राज्यों ने डेटाबेस को एक्सेस करने के लिए फेडरल सरकार के साथ साझेदारी की है और गलत जानकारी के आधार पर अमेरिका के नागरिकों को वोटर लिस्ट से हटा रहे हैं।' अमेरिकी जिला जज के अनुसार, 'यह मामला दो बुनियादी अधिकारों को दिखाता है जो अमेरिकियों को सरकारी दखल से बचाते हैं: गोपनीयता का अधिकार और वोट देने का अधिकार।'

ताजा फैसला सितंबर में दायर उस मुकदमे के जवाब में आया, जिसे मतदान अधिकार और गोपनीयता की वकालत करने वाले कई संगठनों के गठबंधन ने दायर किया था। इस गठबंधन का नेतृत्व 'लीग ऑफ वूमेन वोटर्स' कर रहा था। याचिका में 'सिस्टेमैटिक एलियन वेरिफिकेशन फॉर एंटाइटलमेंट्स' (एसएवीई) प्रणाली में किए गए बदलावों को चुनौती दी गई थी। यह प्रणाली अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) द्वारा संचालित की जाती है और नागरिकता तथा आव्रजन स्थिति की पुष्टि करने के लिए इस्तेमाल होती है। मार्च 2025 में, राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी चुनावों में बड़े बदलाव के लिए एक बड़े एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत फेडरल चुनावों में वोट देने के लिए रजिस्टर करने के लिए नागरिकता का डॉक्यूमेंट्री प्रूफ देना जरूरी होगा। उनका दावा था कि अमेरिका ने फेडरल चुनाव की जरूरतों को ठीक से लागू नहीं किया है।

फैसले के अनुसार, एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14248 ने डीएचएस और सामाजिक सुरक्षा प्रशासन समेत कुछ फेडरल एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे राज्य और स्थानीय अधिकारियों के लिए रजिस्टर्ड वोटर्स या वोट देने के लिए रजिस्टर करने वाले लोगों की नागरिकता या इमिग्रेशन स्टेटस को वेरिफाई करने के लिए सिस्टम बनाएं।

हिज्बुल्लाह को लेकर ट्रंप की चेतावनी पर गालिबफ बोले-अमेरिकियों की धमकियों पर भरोसा मत करो

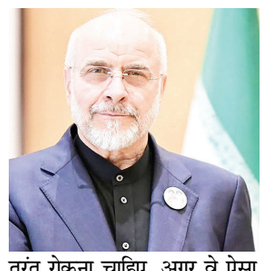

बर्गेनस्टॉक, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता को लेकर बातचीत अब तकनीकी पहलुओं पर है. इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान को चेतावनी दी कि अगर वे लेबनान में अपने समर्थक को तुरंत आर्थिक मदद देना बंद नहीं करते हैं तो वे फिर से भीषण हमला करेंगे. इस पर ईरानी संसद के स्पीकर एमबी गालिबफ ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने इसे अमेरिका की 'हताशा' की निशानी बताया, जबकि ट्रंप की तीखी आलोचना करते हुए उनकी बातों को फिजूल बताया. ट्रंप की बातों के बाद गालिबफ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान वॉशिंगटन की ऐसी धमकियों से नहीं डरेगा और कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो देश की सेना जवाब देने के लिए तैयार है. गालिबफ ईरानी पक्ष के मुख्य बातचीत करने वाले नेता भी हैं. पोस्ट में लिखा, 'क्या वे खुद से यह नहीं सोचते कि अगर उनकी धमकियों का कोई असर होता, तो वे आज इस निराशा की हालत में नहीं पहुँचते? हम अमेरिकियों की धमकियों पर भरोसा नहीं करते. उन्हें अपने बयानों में सावधान रहना चाहिए, हमारी सेनाएँ दूसरे तरीके से जवाब देने के लिए तैयार हैं. वे जो भी कहें, हम ही हैं जो कार्रवाई करेंगे. उनकी यह बात ट्रंप के उस बयान के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने ईरान को इस इलाके में खासकर लेबनान में हिज्बुल्लाह का परोक्ष जिक्र करते हुए अपने 'प्रॉक्सी ग्रुप्स' को सपोर्ट न करने की चेतावनी दी थी. ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा, 'ईरान को लेबनान में अपने ज़्यादा पैसे वाले प्रॉक्सी को परेशानी पैदा करने से तुरंत रोकना चाहिए. अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो हम ईरान पर फिर से बहुत ज़ोरदार हमला करेंगे, ठीक वैसे ही जैसे हमने पिछले हफ़्ते किया था, बस और ज़्यादा जोर से!' यह बातचीत पश्चिम एशिया में दुश्मनी खत्म करने के लिए दोनों पक्षों के बीच हुए 14 सूत्रीय समझौता के हिस्से के तौर पर चल रही टेक्निकल बातचीत के बीच वाशिंगटन और तेहरान के बीच बयानबाजी में सबसे नई बढ़ोतरी को दिखाती है. इस बीच ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक स्विट्जरलैंड में चल रही अमेरिका-ईरान की हाई-लेवल डिप्लोमैटिक बातचीत का पहला राउंड खत्म हो गया है. डेलीगेशन को 'इंटरनल कंसल्टेशन' करने के लिए 80 मिनट बाद सेशन रोक दिया गया. अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने रविवार को स्विट्जरलैंड में सीनियर ईरानी अधिकारियों के साथ पश्चिम एशिया में संकट का पूरा हल निकालने के मकसद से हाई-लेवल डिप्लोमैटिक कोशिशों की शुरुआत की. पाकिस्तान और कतर की मध्यस्थता में हुई बातचीत के दौरान वेंस ने तेहरान के साथ अपने रिश्तों को पूरी तरह से बदलने के लिए वाशिंगटन की तैयारी के बारे में बताया, चर्चा जिसमें मुख्य स्टेकहोल्डर्स शामिल हैं।

अमेरिका की नजर अब श्रीलंका पर: दो सीनियर अधिकारियों का कोलंबो दौरा, सुरक्षा और ट्रेड डील पर होगी अहम चर्चा

कोलंबो , एजेंसी। अमेरिका के दो बहुत ही वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारी अपने तीन दिन के महत्वपूर्ण दौरे पर श्रीलंका की राजधानी कोलंबो पहुंच गए हैं। इस हाई प्रोफाइल और बेहद अहम आधिकारिक यात्रा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा और आर्थिक सहयोग को बहुत तेजी से बढ़ाना है।

हिंद महासागर क्षेत्र में उभरते हुए कूटनीतिक हालात के कारण यह विदेशी दौरा बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण और रणनीतिक माना जा रहा है। चीन की लगातार बढ़ती दखलंदाजी और तनाव के बीच अमेरिका अपनी मजबूत रणनीतिक साझेदारी को बहुत ही गंभीरता के साथ विस्तार देने की पूरी कोशिश कर रहा है।

दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए नियुक्त सहायक विदेश मंत्री एस पॉल कपूर रविवार को ही अपने तीन दिन के दौरे पर कोलंबो पहुंच गए हैं। इसके साथ ही पैसिफिक एयर फोर्सेज के कमांडर जनरल केविन श्नाइडर भी श्रीलंका में अपना यह महत्वपूर्ण दौरा 24 जून को अच्छी तरह पूरा करेंगे। इन दोनों बड़े अमेरिकी अधिकारियों की इस अहम और कूटनीतिक यात्रा का मुख्य फोकस समुद्री क्षेत्र की पुख्ता सुरक्षा और आपसी व्यापार को मजबूत करना है। अमेरिका अपनी तरफ से श्रीलंका को शांति और समृद्धि बनाए रखने के लिए इस पूरे क्षेत्र में अपना एक बहुत ही जरूरी और अहम साझेदार मानता है।

हिंद महासागर में भू-राजनीतिक चुनौतियां : हिंद महासागर के विशाल और अहम क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों से भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और आपसी तनाव बहुत ही तेजी के साथ लगातार बढ़ता जा रहा है। चीन ने इस बेहद रणनीतिक इलाके में बुनियादी ढांचे में अपना निवेश और अपनी समुद्री मौजूदगी का भारी दायरा काफी ज्यादा और खतरनाक तरीके से बढ़ा लिया है।

इन लगातार बढ़ती वैश्विक और समुद्री चुनौतियों को देखते हुए अमेरिका अब श्रीलंका के साथ अपने पुराने संबंधों को बहुत ज्यादा गहराई और मजबूती देना चाहता है। इसलिए अमेरिका अपनी व्यापक इंडो-पैसिफिक रणनीति के तहत श्रीलंका समेत कई अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रीय देशों के साथ अपना भारी सुरक्षा और आर्थिक जुड़ाव बढ़ा रहा है।

जनरल केविन श्नाइडर की अहम बैठकें : अमेरिकी दूतावास की तरफ से जारी जानकारी के अनुसार जनरल केविन श्नाइडर अपने इस अहम दौरे के दौरान श्रीलंका सरकार के कई बड़े अधिकारियों से मिलेंगे। वे स्थानीय रक्षा प्रतिष्ठान के वरिष्ठ नेताओं, रक्षा मंत्रालय और श्रीलंका वायुसेना के शीर्ष अधिकारियों के साथ बहुत ही महत्वपूर्ण और अहम रणनीतिक बातचीत करेंगे। इस अहम द्विपक्षीय बातचीत का मुख्य फोकस हवाई और समुद्री क्षेत्र की कड़ी निगरानी और आधुनिक साइबर सुरक्षा पर अपना आपसी सहयोग बढ़ाना रखा गया है। इसके अलावा किसी भी तरह की प्राकृतिक आपदा प्रतिक्रिया और क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने पर भी इस विशेष बातचीत के दौरान काफी ज्यादा जोर दिया जाएगा। एस पॉल कपूर और व्यापारिक साझेदारी सहायक विदेश मंत्री एस पॉल कपूर भी अपनी इस शानदार यात्रा के दौरान श्रीलंका के वरिष्ठ और ताकतवर नेताओं से क्षेत्रीय और सुरक्षा मुद्दों पर गंभीर चर्चा करेंगे। वे वहां के निजी क्षेत्र के बड़े अधिकारियों और कई प्रमुख अमेरिकी कंपनियों के प्रतिनिधियों से भी बहुत ही अहम और सीधे तौर पर व्यापारिक मुलाकात करेंगे। इन महत्वपूर्ण व्यापारिक मुलाकातों का सीधा लक्ष्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और विदेशी निवेश के बड़े आपसी संबंधों को बहुत ज्यादा विस्तार देना है। यह बहुप्रतीक्षित यात्रा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस विशेष और कड़ी प्रतिबद्धता को भी प्रमुखता से दर्शाती है जो क्षेत्रीय सुरक्षा और समृद्धि को आगे बढ़ाती है।

बात बात पर गुस्सा ठीक नहीं

गुस्सा आने के बाद के दो घंटे हो सकते हैं खतरनाक

■ जिन लोगों के परिवार में हृदय रोग पीढ़ी दर पीढ़ी चला आ रहा है, उनमें पहले से ही दिल का दौरा पड़ने के खतरे ज्यादा होते हैं

कहीं आप गरम मिजाज के तो नहीं? यदि हां, तो आपको दिल का दौरा पड़ने का खतरा ज्यादा है। यह जानकारी एक शोध के जरिए सामने आई है।

शोध में शामिल एक अमेरिकी शोधकर्ता का कहना है कि दिल का दौरा आने के पहले अक्सर यह देखा गया है कि इंसान बेहद गुस्से में होता है। इसलिए गुस्सा दिल के दौरे का कारण हो सकता है। शोधकर्ता ने पता लगाया है कि गुस्सा आने के बाद के अगले दो घंटे खतरनाक होते हैं क्योंकि इस समय दिल का दौरा आने का खतरा सबसे ज्यादा होता है।

साथ ही शोधकर्ता का यह भी मानना है कि गुस्से और दिल के दौरे के बीच की कड़ी को समझने और इन जटिलताओं से बचने का रास्ता निकालने की दिशा में अभी काफी काम किया जाना बाकी है। शोधकर्ताओं ने यूरोपीय पत्रिका 'हार्ट' को बताया कि जिन लोगों के परिवार में हृदय रोग पीढ़ी दर पीढ़ी चला आ रहा है, उनमें पहले से ही दिल का दौरा पड़ने के खतरे ज्यादा होते हैं।

बात-बात पर गुस्सा !

संबंधित शोध में हजारों लोगों पर किए गए नौ अध्ययन शामिल हैं। इस शोध के आंकड़े बताते हैं कि जिस वक्त व्यक्ति को गुस्सा आता है उसके बाद के दो घंटे दौरा पड़ने के लिहाज से करीब पांच गुना ज्यादा और स्ट्रोक के लिहाज से तीन गुना से ज्यादा खतरनाक होते हैं।

'हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ' के शोधकर्ताओं का मानना हैं कि एक बार गुस्से का आना अपेक्षाकृत कम खतरनाक होता है। जिन लोगों को महीने में केवल एक बार गुस्सा आता है उन्हें दिल के दौरे का खतरा कम होता है और जिन्हें महीने में पांच बार गुस्सा आता है उनमें हार्ट अटैक का खतरा ज्यादा होता है। उनका यह भी कहना है कि यह खतरा उन लोगों में और गंभीर होता है जिन्हें बात- बात पर गुस्सा आता हो।

मनोवैज्ञानिक बदलाव: डॉक्टर एलिजाबेथ मोसेतोफ्स्की और उनके सहयोगी बताते हैं कि एक दिन में पांच बार गुस्सा आने की स्थिति में प्रति 10,000 लोगों में करीब 158 बार ज्यादा दिल का दौरा पड़ सकता है। यह ऐसे लोगों का आंकड़ा है जिनमें प्रति वर्ष कार्डियोवस्कुलर का ख़तरा कम होता है। वहीं जिन लोगों में कार्डियोवस्कुलर का खतरा ज्यादा होता है उनमें प्रति 10,000 लोगों में दिल का दौरा करीब 657 बार ज्यादा पड़ सकता है। डॉक्टर मोसेतोफ्स्की ने कहा, हालांकि एक बार के गुस्से में गंभीर दिल का दौरा पड़ने के खतरे कम होते हैं, लेकिन वैसे लोगों में यह खतरा बढ़ जाता है जिन्हें बार बार गुस्सा आता है।

वैसे यह स्पष्ट नहीं है कि गुस्सा खतरनाक कैसे हो सकता है। शोधकर्ताओं ने यह साफ किया है कि उनका शोध अनिवार्य रूप से इस बात की ओर संकेत नहीं करता कि गुस्सा दिल की बीमारियों और रक्त संचरण की समस्याओं को जन्म देता है।

धूम्रपान और शराब: विशेषज्ञ जानते हैं कि पुराना तनाव और दबाव दिल के रोगों को बढ़ा सकता है, खासकर इसलिए क्योंकि इससे रक्त दाब बढ़ जाता है। मगर साथ ही इसलिए भी कि लोग तनाव को गलत तरीके से दूर करने की कोशिश करते हैं। जैसे कि तनाव कम करने के लिए वे बहुत ज्यादा धूम्रपान और शराब का सहारा लेने लगते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि इससे छुटकारा पाने के लिए योग जैसे तरीके अपनाए जा सकते हैं। ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन की हृदय रोग से जुड़ी एक नर्स डोरियन मडॉक ने कहा, यह स्पष्ट नहीं है कि इसका क्या कारण है? हो सकता है इसके पीछे मनोवैज्ञानिक बदलाव हों जिससे हमें गुस्सा आता है। मगर इसके पीछे छिपी बॉयलॉजी जानने के लिए ज्यादा शोध की जरूरत है।

लैंगिक भेदभाव के कारण नौकरी छोड़ना चाहती हैं महिलाएं

■ एसोचैम का सर्वे देश के 10 शहरों में किया गया

■ महिलाएं बच्चों की देखभाल, असुविधाजनक शिफ्ट, कार्यस्थल पर लैंगिक भेदभाव एवं शोषण, सुरक्षा की कमी, परिवार, उच्च शिक्षा कारणों से नौकरी छोड़ना चाहती हैं

नई दिल्ली। देश की एक चौथाई कामकाजी महिलाएं कार्यस्थल पर लैंगिक भेदभाव समेत कई अन्य कारणों से अपनी नौकरी छोड़ना चाहती हैं।उद्योग एवं वाणिज्य संगठन ''एसोचैम' की ''सोशल डेवलपमेंट फाउंडेशन' द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर किए गए एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है। इसके अनुसार बच्चों की देखभाल, असुविधाजनक शिफ्ट, कार्यस्थल पर लैंगिक भेदभाव एवं शोषण, सुरक्षा की कमी, परिवार, उच्च शिक्षा आदि कारकों से नौकरी छोड़ना चाहती हैं। ''एसोचैम' ने बताया कि यह सव्रे देश के 10 शहरों अहमदाबाद, बेंगलुरु, चंड़ीगढ़, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, जयपुर, लखनऊ, मुंबई एवं पुणो में किया गया। इसमें 200 कामकाजी माताओं के अलावा 500 से अधिक कामकाजी महिलाओं को शामिल किया गया है। संगठन ने कहा कि इनमें से करीब 40 फीसद महिलाएं बच्चों की देखभाल के लिए नौकरी छोड़ना चाहती हैं। वहीं करीब 25 फीसद महिलाओं का कहना है कि वह काम करने के अधिक घंटे, वेतनमान में भेदभाव, पारिवारिक समस्याओं समेत अन्य कारणों से नौकरी छोड़ना चाहती हैं।उसने कहा, ''लैंगिक भेदभाव, कार्यस्थल पर शोषण एवं काम करने की असुविधाजनक अवधि महिलाओं के नौकरी छोड़ने की मुख्य वजह हैं।' सव्रे में शामिल सभी 200 कामकाजी माताओं में से 80 ने मातृत्व एवं परिजनों को समय न दे पाने के कारण नौकरी छोड़ने की बात कही। वहीं, करीब 30 फीसद महिलाओं ने नौकरी छोड़ने का कारण कार्यस्थल पर होने वाले शोषण को बताया। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर उन्हें इस कारण असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है और कई बार उनका प्रमोशन इसी वजह से रोक लिया जाता है। सव्रेक्षण में शामिल अधिकांश महिलाओं का कहना था कि उनके संगठन में इन मामलों से संबंधित तंत्र भी नहीं है।

तकनीक का इस्तेमाल कर बुजुगरे को पुस्तकालय भेजा जाए

कोलकाता। एक ब्रितानी पुस्कालय सलाहकार ने सलाह दी है कि पढ़ने में रुचि रखने वाले बुजुगरे को उपयुक्त तकनीक के माध्यम से पुस्तकालयों में जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।ऑक्सफोर्डशायर में सांस्कृतिक सेवाओं के पूर्व निदेशक टॉम फोरेस्ट ने नई दिल्ली में देश के पुस्कालय विशेषज्ञों के साथ अपनी बातचीत में कहा, ''आपके और मेरे देश में बुजुर्ग लोग अब भी पुस्तकालय जाना पसंद करते हैं, हालांकि उनकी संख्या कम हो रही है। मुझे लगता है कि उन्हें प्रोत्साहित कर हम उन्हें यह एहसास कराने का मौका देंगे कि वे समाज में अनावश्यक नहीं हैं।' उन्होंने कहा, ''पुस्तकालयों का मोबाइल एप होना चाहिए। आप ई-बुक पढ़ सकते हैं और पुस्तक सूची के बारे में ऑनलाइन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। पुस्तकें और उनके डिजिटल संस्करण एक-दूसरे के पूरक होने चाहिए और उन्हें दोनों पीढ़ियों के बीच के अंतर को पाटना चाहिए।' फोरेस्ट ने सेवाओं और विषयवस्तु तक पहुंच में सुधार के लिए तकनीक का इस्तेमाल करने के संबंध में जागरूकता फैलाने के लिए 20 से अधिक देशों में काम किया है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-3-5-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक-4-6-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-6-7-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। दान-पुण्य का कार्य करें। यात्रा शुभ रहेगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-6

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-1-4-6

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-6-8-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-6-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति होगी। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

राकेश ने मुकेश से पूछा तुमने वाकई उस लड़की से शादी करने का पक्का फैसला कर लिया है?

मुकेश - हां यार, अब मजबूरी है.

राकेश - कैसी मजबूरी है?

मुकेश -वह लड़की इतनी मोटी हो गई है कि मंगनी में जो अगूठी मैंने उसे दी थी, वह उतरती ही नहीं है.

☺ ☺ ☺

ड्राइंग रूम में सजे शेर को देखकर मेहमान ने मेजबान से पूछा, 'बडा सुन्दर शेर है. इसे कहां से लाये हो?'

मेजबान बोला, 'श्रीलंका से, जब वहां मै और चाचा शिकार खोलने गए थे.'

मेहमान - 'इसके पेट में क्या भरा है?'

'मेरे चाचा.' मेजबान बोला.

☺ ☺ ☺

एक सेठ जी अपने बेटे को स्कूल में दाखिल कराने गए तो प्रिंसीपल ने कहा, 'सेठ जी, आपने देर कर दी, अब तो कोई भी सीट खाली नहीं है.'

'आप चिंता मत करे लड़के को दाखिल कर लें, बैठने के लिए कुर्सी मैं घर से भेज दूंगा.'

☺ ☺ ☺

सेठ (खाने की थाली देखकर) - 'इतनी महंगाई में रोटी पर इतना घी?'

नौकर - 'मालिक, माफ करें. शायद गलती से मेरी रोटी आपके पास आ गई.'

काकुरो पहेली - 4094

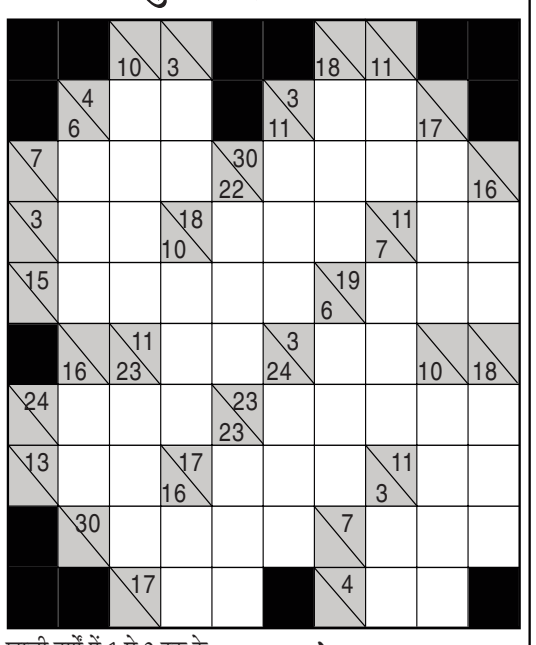

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

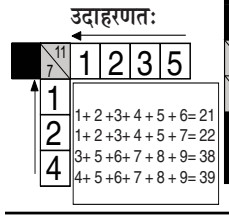

काकुरो - 4093 हल

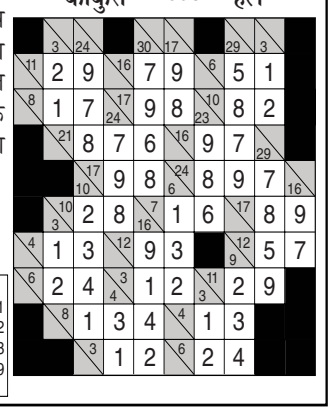

फिल्म वर्ग पहेली- 4094

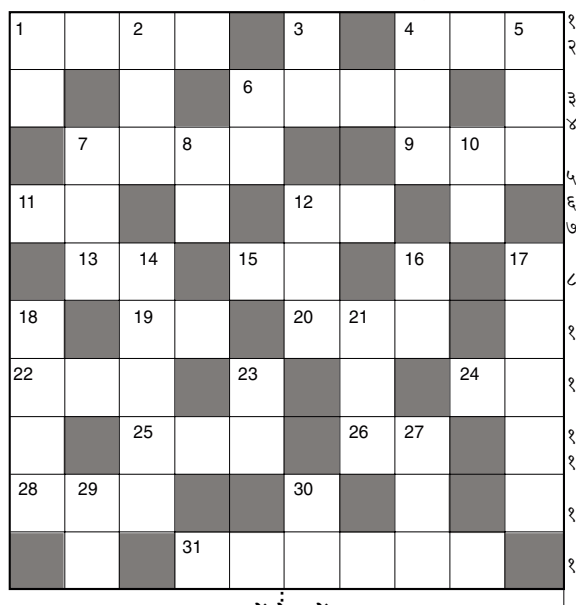

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

ऊपर से नीचेः-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम ?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली-4093

ह	ल	च	ल		जी	व	न	मृ	त्यु
व		मे		भू	त			त्यु	
स	हे	ली		मि		खा	न	दा	न
	श		शि	का	र		सी	ता	
धू	म		वा		क्ष		ब		बे
प		खे		ता	क	त			ता
	गो	ल	मा	ल		ला	ट	सा	ब
पा	पी		शू		जो	श		या	
की		शं	क	र			घा		स्व
जा	नू			ज	मा	न	त		र्ग

सूडोकु -4094

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 4093 हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

शब्द पहेली -4094

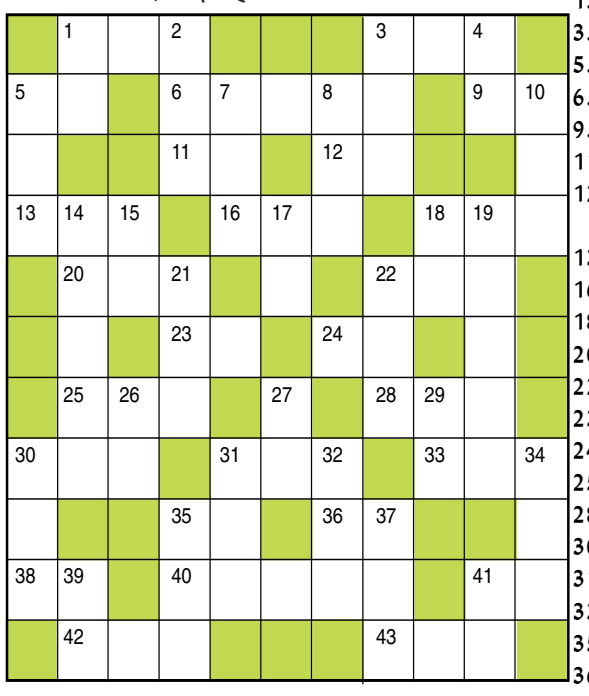

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,करतार-3
3.मुस्कुराहट-3
5.ईख-2
6.रजनीगंधा -2,1,2
9.समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11.ताकत,दम-2
12.अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13.वेतन,पगार-3
16.मनोनीत,नामकृत-3
18.बंधक,गिरवी वस्तु-3
20.निशा,रात्री-3
22.वचन,प्रतिज्ञा-3
23.श्रीनगर की झील-2
24.मूल्य,कीमत-2
25.असावधान-3
28.धिक्कार,फटकार-3
30.हवा,पवन-3
31.झाझर,कुंभ-3
33.चिंतन-3
35.संस्कृत में मेरा-2
36.मादा का विलोम-2
38.कुबेर,भूत-2
40.परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41.फलों का राजा-2
42.फूल चुननेवाली-3
43.घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे

1.तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2.बेकार-3
3.दीवान,खजांची-3
4.पैगंबर,रसूल-2
5.झूठ,मिथ्या -3
7.तेल में पकाना-3
8.आराम,मदद-3
10.गुलिस्ता-3
14.नरकभोगी-5
15.खुजली-2
17.सखा,दोस्त-2
18.मजा,आनंद-2
19.स्वदेशवासी-5
21.सुई (अंग्रेजी-3)
22.विष्णुप्रिया-3
26.पुनः,वापस-2
27.मर्करी,पारद-2
29.भीगा हुआ-2
30.वक्त,टाईम-3
31.अच्छी बुद्धि-3
32.निम्नता-3
34.मुलायम-3
35.बड़ा,विशाल-3
37.धनवान-3
39.माफी-2
41.उम्मीद-2

शब्द पहेली -4093 हल

का		बु	आ		द		स	ख		मु
र	क		कु	क	र	मु	त्ता		जा	ला
तू		म	ल		मि		धी	र		य
स	क्रि	य	ता		या		श	ब	न	म
	या				न				या	
रा	शी	क	र	ण		भा	र	ही	न	ता
	ल				टी				बे	
री	ता	प	न		ना		न	ह	ला	ना
ई		स	जा		मु		का	म		का
ब	लि		क	हा	नी	का	र		छ	बि
सं		गी	त		म		ना	नी		ल

फसलों में रासायनिक खाद का इस्तेमाल कम करने की जरूरत : प्रो. महेंद्र देव

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन प्रो. एस. महेंद्र देव ने कहा कि फसल विविधीकरण, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन देकर रासायनिक उर्वरक की खपत कम करने की जरूरत है। प्रो. देव ने यहां उद्योग मंडल फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के 'इंडिया इनोवेटिव क्रॉप न्यूट्रिशन कॉन्क्लेव 2026' को संबोधित करते यह बात कही। उन्होंने कहा कि खाद क्षेत्र में पोषक तत्वों के इस्तेमाल की क्षमता को बेहतर बनाने के लिए इनोवेशन पर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत 2047' में तीन अहम बातें शामिल हैं। इसमें पहला एक विकसित देश बनना, दूसरा रोज़गार और मानव विकास के मामले में सबको साथ लेकर चलना (समावेशिता) और तीसरा टिकाऊ और जलवायु-अनुकूल तरीकों से इन दोनों लक्ष्यों को हासिल करना है। ईएसी-पीएम के चेयरमैन ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने में कृषि क्षेत्र की अहम भूमिका होगी। उन्होंने ध्यान दिलाया कि हमें खेती के नज़रिए को बदलना होगा और सिर्फ उत्पादन पर ध्यान देने के बजाय दूसरी चीज़ों पर भी ध्यान देना होगा। प्रो. देव ने कहा कि तीन अहम बातों में फसल कटाई के बाद की गतिविधियों और मार्केटिंग पर ध्यान देना शामिल है।

पश्चिम बंगाल के दो युवा साधक नेपाल में होने वाली अंतरराष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में भारत का करेंगे प्रतिनिधित्व

पूर्व मेदिनीपुर। पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के एगरा ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए पूरे राज्य को गौरवान्वित किया है। एगरा के दो युवा योग साधक, प्रथम जाना (11) और श्रीलेखा दास (16), आगामी 26 से 29 जून तक नेपाल की राजधानी काठमांडू में आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। दोनों प्रतिभागियों का चयन उनकी उत्कृष्ट योग प्रतिभा, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के आधार पर किया गया है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एगरा थाना की ओर से आयोजित योग कार्यक्रम में भाग लेते समय उन्होंने अपने अद्भुत कौशल और योग के प्रति समर्पण का प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। उनकी इसी प्रतिभा और कड़ी मेहनत ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचने का अवसर दिलाया है। पूर्व मेदिनीपुर जिला पुलिस ने भी दोनों युवा योग साधकों को शुभकामनाएं और बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। जिला पुलिस ने विश्वास व्यक्त किया है कि दोनों खिलाड़ी अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और समर्पण के बल पर प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करेंगे तथा भारत के साथ-साथ पश्चिम बंगाल और पूर्व मेदिनीपुर जिले का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे।

यूरिया वितरण ऐप के विरोध से पहले बीआरएस नेताओं को किया गया नजरबंद

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार की ऐप-आधारित यूरिया वितरण प्रणाली के विरोध में प्रस्तावित किसान आंदोलन से पहले भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कई नेताओं को एहतियातन नजरबंद कर दिया गया। इनमें पूर्व मंत्री और बालकोंडा विधायक वेमुला प्रशांत रेड्डी भी शामिल हैं। पुलिस सुबह बंजारा हिल्स स्थित प्रशांत रेड्डी के आवास पहुंची और उन्हें निजामाबाद जिले के ताडवई मंडल मुख्यालय में आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए बाहर जाने से रोक दिया। यह आंदोलन बीआरएस के येल्लारेड्डी निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी जाजला सुरेंद्र के नेतृत्व में आयोजित किया जाना था। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि सरकार ऐप-आधारित यूरिया वितरण प्रणाली को वापस ले और किसानों को हो रही उर्वरक संकट की समस्या का समाधान करे। इसी प्रकार कामारेड्डी जिले के बिचकुंदा क्षेत्र में पूर्व विधायक हनुमंत शिंदे को भी नजरबंद कर दिया गया, ताकि वे आंदोलन में भाग नहीं ले सकें। बीआरएस के कई अन्य नेताओं पर भी इसी तरह की प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई की आलोचना करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने इसे कांग्रेस सरकार का अलोकतांत्रिक रवैया बताया। प्रशांत रेड्डी से फोन पर बातचीत के बाद उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को उठाने वाले विपक्षी नेताओं की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों से बोले प्रधानमंत्री, हर फाइल के पीछे नागरिकों का जीवन और आकांक्षाएं होती हैं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि उन्हें यह हमेशा याद रखना चाहिए कि हर सरकारी फाइल के पीछे करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएं, चिंताएं और जीवन जुड़े होते हैं। उन्होंने अधिकारियों से 'नागरिक देवो भव' के मंत्र को अपनाते हुए प्रत्येक निर्णय के केंद्र में आम नागरिक को रखने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने यहां सेवा तीर्थ में विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में सहायक सचिव के रूप में नियुक्त 2024 बैच के 183 आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ संवाद के दौरान कहा कि दो वर्षों के प्रशिक्षण और प्रशासनिक अनुभव के बाद अधिकारी ऐसे महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंचे हैं, जहां उनके निर्णय न केवल उनके करियर बल्कि देश के करोड़ों लोगों के भविष्य को भी प्रभावित करेंगे। उन्होंने अधिकारियों से संवेदनशील, उत्तरदायी और समावेशी शासन सुनिश्चित करने का आग्रह करते हुए कहा कि लोक सेवा का मूल उद्देश्य नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रशासन से जुड़े प्रत्येक निर्णय में मानवीय दृष्टिकोण होना चाहिए और शासन व्यवस्था को लोगों की अपेक्षाओं के अनुरूप बनाना अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

अल नीनो और कमजोर व अनिश्चित मानसून को ले कर कृषि मंत्री ने की उच्चस्तरीय बैठक

एजेंसी
नई दिल्ली। अल नीनो और कमजोर व अनिश्चित मानसून की संभावित स्थिति के बीच केंद्र सरकार ने खरीफ सीज़न के लिए अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यों के कृषि मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों, जिला कलेक्टर्स, आईसीएआर, आईसीएआर CRIDA और आईएमडी के विशेषज्ञों के साथ आज उच्चस्तरीय वर्चुअल बैठक कर देशभर की स्थिति की समीक्षा की तथा किसानों को भरोसा दिलाया कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर हरसंभव तैयारी कर रही हैं।

बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि इस वर्ष मानसून सामान्य से काफी लेट चल रहा है

और अब तक लगभग 43 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक 2 जुलाई तक के सप्ताह में भी बारिश कमजोर रहने की संभावना है। इसका सीधा मतलब है कि खरीफ की फसलों पर प्रभाव पड़ सकता है- खासकर उन क्षेत्रों में, जहाँ खेती पूरी तरह मानसून पर निर्भर है। शिवराज सिंह ने कहा कि हम केवल हालात बिगड़ने का इंतज़ार नहीं कर रहे, बल्कि पहले से वैज्ञानिक प्लानिंग और ज़मीनी अमल पर काम कर रहे हैं, ताकि असर कम से कम हो और किसानों की आजीविका सुरक्षित रहे। शिवराज सिंह ने बताया कि कृषि मंत्रालय और आईसीएआर ने मिलकर वैज्ञानिक डेटा के आधार पर उन जिलों का आकलन किया, जहाँ कम वर्षा और सिंचाई की कमी का खतरा ज़्यादा है। लगभग 315 जिलों में मानसून कमजोर रहने की संभावना का अनुमान है। इनमें से 111 जिले उच्च प्राथमिकता वाले हैं, जहाँ सिंचाई का दायरा 25 प्रतिशत से कम है। 76 जिले मध्यम प्राथमिकता वाले हैं, जहाँ 25-50 प्रतिशत तक सिंचाई की व्यवस्था है। 128 जिले निम्न प्राथमिकता वाले हैं, जहाँ डैम और अन्य साधनों से अपेक्षाकृत बेहतर सिंचाई उपलब्ध है। इन जिलों का बड़ा हिस्सा 12 राज्यों- मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, बिहार, झारखंड, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में है। इन राज्यों के कृषि मंत्रियों और जिला कलेक्टरों से बैठक में विस्तार से चर्चा की गई ।

महाराष्ट्र सरकार ने शुरू की यूनीफार्म सिविल कोड लागू करने की प्रक्रिया : गृह राज्य मंत्री

एजेंसी
मुंबई। महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार ने सूबे में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू करने की प्रक्रिया शुरु कर दी है। इसके लिए एक बिल का मसौदा तैयार करने के लिए एक विशेष समिति बनाई गई है। विधानसभा सत्र को संबोधित करते हुए आज राज्य के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने सदन को बताया कि सरकार इस कानून को लागू करने के लिए 100 प्रतिशत प्रतिबद्ध है और मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। उन्होंने पुरानी सोच वाली सामाजिक प्रथाओं को रोकने की ज़रूरत पर ज़ोर देते हुए राज्य के इस कदम को सही ठहराया। उन्होंने नासिक की एक हालिया घटना का जिक्र किया, जिसमें एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी को मोबाइल कॉल और ईमेल के ज़रिए 'तलाक' दिया और उसके आठ दिन बाद महिला पर हिंसक हमला किया। कदम ने कहा, ऐसी प्रथाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा जिनमें सिर्फ़ फ़ोन कॉल या ईमेल से शादी खत्म कर दी जाती है। ऐसी पुरानी सोच वाली प्रवृत्तियों को रोकने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि राज्य में किसी भी महिला के साथ अन्याय न हो, यूनिफॉर्म सिविल कोड ज़रूरी है।

डेमलर इंडिया भी दिल्ली-एनसीआर में पुराने ट्रकों और बसों को बदलने के लिए छूट देने वाली योजना में शामिल

एजेंसी
नई दिल्ली। पर्यावरण बचाव और प्रदूषण से मुक्ति को ले कर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में कई बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। दिल्ली दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में पुराने ट्रकों और बसों को बदलने की सरकार की योजना के तहत, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) और डीआईसीवी, जो भारत बेंज ब्रांड की मालिक है, के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत, ओईएम इस योजना के तहत खरीदे गए पात्र ट्रकों और बसों की एक्स-शोरूम कीमत पर 8 प्रतिशत की छूट देगा। इलेक्ट्रिक वाहनों के मामले में, छूट की सीमा उतनी ही होगी जितनी उसी सकल वाहन भार (जीवीडब?ल?यू) श्रेणी वाले आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) वाहन पर मिलती है। इस योजना के अंतर्गत भाग लेने वाले वाहन निर्माताओं (ओईएम) की तरफ़ से दी जाने वाली 8 प्रतिशत छूट के अलावा, केन्द्र सरकार 5 वर्ष तक 5 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी और

हर महीने तय ईंधन वाउचर देगी। इस योजना में भाग लेने वाली राज्य सरकारें पात्र लाभार्थियों को 10 वर्ष तक मोटर वाहन कर पर 100 प्रतिशत तक छूट और पंजीकरण शुल?क माफ़ करेंगी। इससे पहले, अशोक लेलैंड, स्विच मोबिलिटी, टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एसएमएल महिंद्रा भी इस योजना को लागू करने के लिए सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। ट्रक एवं बस बाजार में इन कंपनियों की कुल हिस्सेदारी लगभग 85 प्रतिशत है, जिससे इस योजना के प्रभावी और व्यापक क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण आधार उपलब्ध होता है।

मानव अधिकार मिशन के 15वें स्थापना दिवस पर हुआ शानदार कार्यक्रम

एजेंसी
गाजियाबाद। मानव अधिकार मिशन के 15वें स्थापना दिवस के अवसर पर जिला गाजियाबाद इकाई द्वारा 'मानव अधिकार एवं महिला अधिकार जागरूकता तथा महिला सशक्तिकरण' विषय पर एक भव्य एवं प्रेरणादायी ककार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के गणमान्य नागरिकों, अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं महिलाओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर मानव अधिकारों और महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष एवं मानव अधिकार मिशन की संरक्षक ममता शर्मा रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा तभी संभव है जब महिलाएं शिक्षित, आत्मनिर्भर और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों। उन्होंने कहा कि आज महिलाओं ने शिक्षा, प्रशासन, राजनीति, न्यायपालिका, विज्ञान, खेल और उद्यमिता सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है, लेकिन अभी भी समाज के अनेक वर्गों में महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित किया जाता है। ऐसे में जागरूकता और शिक्षा ही सबसे बड़ा सशक्तिकरण है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल महिलाओं का विषय नहीं, बल्कि एक सशक्त, विकसित और संवेदनशील राष्ट्र के निर्माण का आधार है। उन्होंने महिलाओं से आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने, अन्य महिलाओं को भी जागरूक करने तथा समाज एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने मानव अधिकार मिशन द्वारा महिलाओं एवं जरूरतमंद वर्गों के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संगठन समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता मानव अधिकार मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. महेंद्र शर्मा ने की। उन्होंने संगठन की 15 वर्षों की गौरवशाली यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि मानव अधिकार मिशन ने मानव अधिकार संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, न्याय एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि मिशन आज देशभर में लाखों लोगों के विश्वास और उम्मीद का केंद्र बन चुका है तथा बिना किसी सरकारी आर्थिक सहायता के केवल सेवा, समर्पण और सदस्यों के सहयोग के बल पर निरंतर जनहित में कार्य कर रहा है। डॉ. शर्मा ने कहा कि मानव अधिकार केवल कानूनी विषय नहीं बल्कि प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा, सम्मान और समान अवसरों से जुड़ा हुआ विषय है। उन्होंने कहा कि जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति को न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान नहीं मिलेगा।

मध्य प्रदेश की जमीनों में निवेश और एक्सप्रेसवे रूट को लेकर अखिलेश यादव पर लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी
लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर किए गए एक पोस्ट में उन्होंने अखिलेश यादव पर मध्य प्रदेश में जमीन निवेश और एक्सप्रेसवे परियोजनाओं से जुड़े गंभीर आरोप लगाए। ओपी राजभर ने पोस्ट में सवाल उठाते हुए कहा कि अखिलेश यादव मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से जुड़े मामले पर इतना हंगामा क्यों कर रहे हैं और आखिर वह क्या छिपाना चाहते हैं। उन्होंने दावा किया कि अखिलेश यादव की नाराजगी और बेचैनी के पीछे मध्य प्रदेश में किए गए कथित निवेश का मामला है। ओपी राजभर ने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी भरत यादव, जो राज्य सड़क विकास निगम के चेयरमैन हैं, उनका संबंध समाजवादी पार्टी के पूर्व कोषाध्यक्ष और वरिष्ठ नेता चंद्रपाल यादव के परिवार से है।

ओपी राजभर के मुताबिक भरत यादव, चंद्रपाल यादव के दामाद हैं और अखिलेश यादव इस रिश्ते को सार्वजनिक रूप से नहीं बता रहे हैं। अपने 'पोस्ट' में उन्होंने दावा किया कि मध्य प्रदेश में हाईवे और सड़क परियोजनाओं के रूट की जानकारी भरत यादव को रहती है। ओपी राजभर ने आरोप लगाया कि इसी वजह से वहां जमीनों में निवेश कराया गया और इस पूरे मामले से जुड़े लोगों के हित प्रभावित होने की आशंका से अखिलेश यादव परेशान हैं। राजभर ने दावा किया कि जमीन से जुड़े मामलों में सैफई परिवार का पुराना अनुभव रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे के निर्माण के दौरान फिरोजाबाद से इटावा तक बड़े पैमाने पर जमीनें खरीदी गई थीं और बाद में एक्सप्रेसवे के रूट को मनमाने तरीके से बदला गया था।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि निजी लाभ के लिए एक्सप्रेसवे का मार्ग सैफई की ओर मोड़ा गया, जिससे इसकी दूरी करीब 30 किलोमीटर बढ़ गई। राजभर का दावा है कि पहले कम कीमत पर जमीनें खरीदी गईं और बाद में उनके बदले भारी मुआवजा प्राप्त किया गया।

पोस्ट में ओपी राजभर ने यह भी कहा कि गोमती रिवर फ्रंट परियोजना की रिपोर्ट सामने आने के बाद अखिलेश यादव को डर है कि कहीं मध्य प्रदेश से जुड़ी किसी एक्सप्रेसवे परियोजना की रिपोर्ट भी सार्वजनिक न हो जाए, जिससे कथित निवेश प्रभावित हो सकता है। ओपी राजभर ने मांग की कि जांच एजेंसियां यह पता लगाएं कि मध्य प्रदेश में उत्तर प्रदेश के किन-किन प्रभावशाली और सफेदपोश लोगों का निवेश शामिल है।

हालांकि, इन आरोपों पर अखिलेश यादव या समाजवादी पार्टी की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल में सेंधमारी के दो आरोपित बंगाल बॉर्डर से गिरफ्तार

एजेंसी
अजमेर। भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की छात्रवृत्ति योजनाओं में कथित धोखाधड़ी के मामले में अजमेर की सिविल लाइंस थाना पुलिस ने पश्चिम बंगाल से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों ने नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) पर फर्जी जानकारी अपलोड कर लाखों रुपये की छात्रवृत्ति राशि धोखाधड़ी से प्राप्त की। जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के चोपड़ा क्षेत्र निवासी तबिबार रहमान (25) और शाहनमाज शामिल हैं। दोनों आरोपितों को बांग्लादेश सीमा से सटे काजीगच्छ और चकलागच्छ गांवों से गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर अजमेर लाया गया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 85 विभिन्न कंपनियों के मोबाइल सिम कार्ड, दो लैपटॉप, दो प्रिंटर, सात फिंगर प्रिंट क्लोन, एक फिंगर प्रिंट मशीन, सात एटीएम कार्ड, तीन मोबाइल फोन, बैंक पासबुक सहित अन्य डिजिटल उपकरण बरामद किए हैं। एसपी अग्रवाला ने बताया कि मामले की रिपोर्ट 02 जून 2025 को जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने सिविल लाइंस थाने में दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि वर्ष 2021-22 और 2022-23 के दौरान करीब 30 शिक्षण संस्थानों से जुड़े आवेदनों में गलत जानकारी देकर छात्रवृत्ति राशि प्राप्त की गई, जिससे सरकारी राजकोष को नुकसान पहुंचा। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी शंभू सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस साइबर अपराध से जुड़े नेटवर्क तक पहुंची और आरोपितों को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपितों ने कोरोना काल के दौरान ऑनलाइन सत्यापन प्रक्रिया का फायदा उठाते हुए संस्थानों के कोड और स्कूलों की जानकारी इंटरनेट से जुटाई। इसके बाद फर्जी मोबाइल सिम के माध्यम से ओटीपी प्राप्त कर छात्रवृत्ति आवेदनों का सत्यापन कराया और राशि प्राप्त की।

दिल्ली में श्रमिकों को मिलेगा 2 लाख और पूरे परिवार को 10 लाख तक का कैशलेस उपचार

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी के श्रमिकों व उनके परिवारों के स्वास्थ्य को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट ने राजधानी के पंजीकृत भवन निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए 'दिल्ली भवन निर्माण श्रमिक स्वास्थ्य योजना' को स्वीकृति प्रदान की है। योजना के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों तथा उनके पात्र परिवारजनों, जिनमें पति या पत्नी, बच्चे और माता-पिता शामिल हैं, को सूचीबद्ध अस्पतालों और मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयों के माध्यम से निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रत्येक पंजीकृत श्रमिक को सूचीबद्ध अस्पतालों में दो लाख रुपये तक के उपचार की सुविधा मिलेगी, जबकि एक परिवार के लिए यह सीमा 10 लाख रुपये तक होगी। उपचार की पूरी प्रक्रिया कैशलेस होगी, जिससे श्रमिकों और उनके परिवारों को आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ेगा। इस योजना के तहत पंजीकृत श्रमिकों और उनके जीवनसाथियों का वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त निःशुल्क ओपीडी एवं आईपीडी सेवाएं, जांच एवं प्रयोगशाला सुविधाएं, आपातकालीन चिकित्सा सहायता, रेफरल सेवाएं तथा निर्माण स्थलों और श्रमिक बहुल क्षेत्रों में

मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस योजना से दिल्ली के लगभग 2.70 लाख पंजीकृत निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों सहित करीब 10 लाख लोगों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा। इस योजना के अंतर्गत श्रमिकों और उनके परिवार का वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण तो कराया जाएगा ही, साथ ही कई चिकित्सीय सुविधाएं भी निशुल्क मिलेंगी। उपचार की पूरी प्रक्रिया कैशलेस होगी, जिससे श्रमिकों और उनके परिवारों को आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ेगा। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेष रूप से गरीब, श्रमिक और वंचित परिवारों के कल्याण के लिए पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। निर्माण श्रमिक राजधानी के विकास की नींव हैं। उनके स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से कैबिनेट ने इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजना को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों से जुड़े श्रमिकों को अपने कार्य के दौरान पत्थरों को काटने से निकली धूल, रसायनों, अत्यधिक शोर, भारी मशीनों, सामान्य धूल और कठिन श्रम जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। इसके कारण उन्हें सिलिकोसिस (फेफड़ों की बीमारी), श्वसन संबंधी रोग, त्वचा रोग और अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बना रहता है। लंबे समय से इस वर्ग के लिए किसी व्यापक स्वास्थ्य सुरक्षा योजना का अभाव था, जिसे ध्यान में रखते हुए यह योजना तैयार की गई है। मुख्यमंत्री के अनुसार योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड तैयार किए जाएंगे और एक आधुनिक लाभार्थी ट्रैकिंग प्रणाली विकसित की जाएगी।

अमित शाह ने किया नैफेड के ई-ऑक्शन पोर्टल का शुभारंभ

एजेंसी
नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के ई-ऑक्शन पोर्टल NAFEX.in का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि, किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान, सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, सहकारिता सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी और NAFED के अध्यक्ष जेठाभाई अहीर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि नैफेड ने आज चार प्रमुख पहलों की शुरुआत की है, जिसमें NAFEX.in, दृष्टि, ईआरपी और नैफेड कल्याण शामिल हैं। उन्होंने कहा कि NAFEX.in सहित अन्य पहलें काफी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वर्ष 2014 में NAFED बंद होने की कगार पर था, लेकिन आज इन प्रयासों के कारण NAFED 30,000 करोड़ रुपये के टर्नओवर और 500 करोड़ रुपये के मुनाफे के साथ देश के 74 लाख से अधिक किसानों की सेवा कर रहा है। श्री शाह ने कहा कि जब NAFED गहरे आर्थिक संकट में था, तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने इसे पूरी पारदर्शिता के साथ चलाने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि भारत

सरकार ने आर्थिक सहायता प्रदान कर NAFED को एक बार फिर मजबूती से खड़ा कर दिया है। श्री शाह ने कहा कि आज NAFED उत्पादन और खरीद दोनों में काफी बढ़ोत्तरी कर चुका है। देश को दलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए NCCF और NAFED को सीधे किसानों से दलहन का एक-एक दाना खरीदने की दिशा में और भी तेजी से आगे बढ़ना है। इससे किसानों को उचित और लाभकारी मूल्य मिलेगा, तो दलहन की खेती का रकबा अपने आप बढ़ेगा और देश दलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में हमने दलहन, मक्का तथा अन्य उत्पादों की सीधी खरीद के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर लिया है। अब इस इंफ्रास्ट्रक्चर को नीचे तक पहुंचाना है। श्री शाह ने कहा कि NAFED और NCCF को पूरी दृढ़ता और पारदर्शिता के साथ काम करना होगा, तभी परिणाम मिलेंगे। उन्होंने कहा कि हम सुनिश्चित करेंगे कि अगले दो वर्षों के भीतर सभी किसान इन दोनों संगठनों को सीधे दलहन बेच सकें और उन्हें भुगतान भी सीधे उनके खाते में मिले। अमित शाह ने कहा कि आज NAFED केवल कृषि उत्पादों की खरीद तक सीमित नहीं रहा है। विगत तीन वर्षों में NAFED ने जैविक खेती, बीज उत्पादन, खुदरा कारोबार, जैव उर्वरक निर्माण, खाद्य सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय व्यापार जैसे क्षेत्रों में बहुत अच्छा कार्य किया है, जिससे NAFED की प्रासंगिकता भी बढ़ी है और मुनाफा भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जब सहकारिता मंत्रालय बना था, तब NAFED का टर्नओवर 20,000 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़ कर 30,000 करोड़ रुपये हो चुका है। उन्होंने विश्वास जताया कि अगले दो वर्षों में यह टर्नओवर बढ़कर 50,000 करोड़ रुपये के पार हो जाएगा।

क्रास वोटिंग मामले में भाजपा नेतृत्व ने दी सख्त हिदायत, पार्टी के साथ विश्वासघात करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

एजेंसी
नई दिल्ली। कर्नाटक विधान परिषद चुनाव में कथित क्रॉस-वोटिंग के मामले में भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन ने प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र से नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि जो लोग क्रॉस-वोटिंग करके पार्टी के साथ विश्वासघात करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में नितिन नवीन ने 2028 में होने वाले विधानसभा चुनावों में एकजुट होकर लड़ने और पार्टी की जीत सुनिश्चित करने की सलाह दी है। भाजपा मुख्यालय में हुई बैठक में कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक भी मौजूद रहे। बैठक के बाद कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष ने मीडिया को बताया कि विपक्ष के नेता आर. अशोक और वरिष्ठ नेताओं के साथ एमएलसी चुनावों के दौरान हुई क्रॉस-वोटिंग पर एक शुरुआती रिपोर्ट सौंपने के लिए अध्यक्ष नितिन नवीन से मिले। प्रदेश इकाई ने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है और इसकी जांच के लिए पहले ही एक जांच समिति बनाने की घोषणा कर दी गई है। अब पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने भरोसा दिलाया है कि जो लोग क्रॉस-वोटिंग करके पार्टी के साथ विश्वासघात करेंगे, उनके खिलाफ हम खुद कार्रवाई करेंगे। हमें 2028 के चुनावों में एकजुट होकर लड़ने और पार्टी की जीत सुनिश्चित करने की सलाह दी है और हम उसी के अनुसार आगे बढ़ेंगे। कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने कहा कि एमएलसी चुनाव में भाजपा के दो उम्मीदवारों की जीत हुई। पार्टी के 2-3 विधायकों ने भाजपा के खिलाफ क्रॉस-वोटिंग की। उन्होंने कहा कि यह पार्टी के साथ धोखा है और इसे हल्के में नहीं लिया जाएगा। आज भाजपा अध्यक्ष से मिलकर कर्नाटक में हुई क्रॉस-वोटिंग के पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी गई। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को सभी तथ्यों से अवगत कराया गया। उन्होंने कहा कि पार्टी इस मामले को लेकर गंभीर है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा नेतृत्व इस मुद्दे पर उचित निर्णय लेगा। उल्लेखनीय है कि हाल ही में हुए कर्नाटक विधान परिषद चुनाव में कांग्रेस को 7 में से 5 सीटों पर जीत मिली थी। इससे पहले विजयेंद्र ने सुझाव दिया था कि संदिग्ध विधायकों को भगवान मंजुनाथ के समक्ष शपथ दिलाई जाए, ताकि क्रॉस-वोटिंग की सच्चाई सामने आ सके। हालांकि, पार्टी ने अब इस प्रस्ताव को लागू नहीं करने का फैसला किया। भाजपा ने मामले की जांच के लिए एक तथ्य-खोज समिति (फैक्ट-फाइंडिंग पैनल) गठित की है।

उज्बेकिस्तान के खिलाफ जीत के बाद बोले रोनाल्डो-

वी आर बैक...

हुआस्टन, एजेंसी। पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने उज्बेकिस्तान के खिलाफ मिली जीत के बाद 'वी आर बैक', यानी हम वापस आ गए कहा। रोनाल्डो ने फीफा विश्व कप के इस मैच में दमदार प्रदर्शन किया और दो गोल किए जिससे पुर्तगाल ने ग्रुप के मुकाबले में उज्बेकिस्तान को 5-0 से करारी मात दी। इस जीत के साथ ही पुर्तगाल ने नॉकआउट के लिए दावा मजबूत कर लिया है।

मैच में चमके रोनाल्डो

रोनाल्डो पिछले मैच में गोल नहीं कर सके थे, जिसका दबाव उन पर दिख रहा था। रोनाल्डो ने इस मैच में शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने पहले छठे मिनट में गोल किया और फिर पहला हाफ खत्म होने से 39वें मिनट में दूसरा गोल दागा। रोनाल्डो इन दो गोल की मदद से पुर्तगाल के लिए विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। इतना ही नहीं रोनाल्डो छह अलग-अलग विश्व कप में गोल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं।

जीत के बाद गदगद हुए रोनाल्डो

उज्बेकिस्तान के खिलाफ जैसे ही पुर्तगाल ने जीत दर्ज की, रोनाल्डो खुशी से झूम उठे। रोनाल्डो दर्शक दीर्घा के पास जाकर कुछ बोलते सुनाई दिए। उन्होंने बाद में इंस्टाग्राम पर पोस्ट डाल लिखा, 'वी आर बैक।' फोटो में वह अपनी सिग्नेचर स्टाइल में खड़े नजर आए। रोनाल्डो और पुर्तगाल के लिए यह जीत काफी अहम है क्योंकि टीम के लिए फीफा विश्व कप की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने डीआर कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला था, लेकिन उज्बेकिस्तान के खिलाफ पुर्तगाल पूरे दम में नजर आई और एकतरफा अंदाज में मैच जीता।

पुर्तगाल ने नॉकआउट की ओर बढ़ाए कदम

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल की मदद से पुर्तगाल ने उज्बेकिस्तान को 5-0 से हराया। पुर्तगाल ने पिछले मैच में ड्रॉ खेला था, लेकिन टीम इस मैच में बड़ी जीत दर्ज करने में सफल रही। टीम के लिए रोनाल्डो ने दमदार प्रदर्शन किया। रोनाल्डो ने मैच के बाद 'आई एम बैक', यानी मैं वापस आ गया हूं कहा। रोनाल्डो पिछले मैच में गोल नहीं कर सके थे, लेकिन इस मैच में दमदार प्रदर्शन करने में सफल रहे। उज्बेकिस्तान की टीम का सफर ग्रुप चरण में ही थम गया।

पुर्तगाल के लिए रोनाल्डो के अलावा नूनो मेंडेस और राफेल लियाओ ने एक-एक गोल किए। वहीं, उज्बेकिस्तान के नेमातोव ने आत्मघाती गोल किया।इसके साथ ही पुर्तगाल ग्रुप के में चार अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है और उसने नॉकआउट के लिए दावा मजबूत कर लिया है। पुर्तगाल के दो मैचों में एक जीत और एक ड्रा से चार अंक हो गए हैं। दूसरे स्थान पर कोलंबिया है जो एक मैच में एक जीत के साथ तीन अंक लेकर दूसरे नंबर पर है। कोंगो डीआर एक अंक के साथ तीसरे और उज्बेकिस्तान दो मैच में दो हार के साथ चौथे स्थान पर है।

उज्बेक खिलाड़ी ने किया आत्मघाती गोल

दूसरे हाफ में उज्बेकिस्तान के अब्दुखोदिर खुसानोव ने आत्मघाती गोल किया जिससे पुर्तगाल 4-0 की बढ़त बनाने में सफल रहा। दरअसल, पुर्तगाल के ब्रूनो फर्नांडेस ने कॉर्नर पर किक मारा और गोल पोस्ट के पास खड़े खुसानोव के कंधे से लगते ही गेंद गोल पोस्ट को पार कर गई। इसके बाद पुर्तगाल ने पांचवां गोल कर उज्बेकिस्तान के खिलाफ बढ़त को बेहद मजबूत कर लिया। पुर्तगाल के लिए पांचवां गोल राफेल लियाओ ने 87वें मिनट में किया। उज्बेकिस्तान की टीम अंत तक मैच में एक भी गोल नहीं कर सकी।

लियोनल मेसी: 39 के हुए फुटबॉल के जादूगर!

संन्यास लिया...वापसी की और फिर दुनिया जीत ली

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फुटबॉल की दुनिया में महानतम खिलाड़ी को लेकर बहस कभी खत्म नहीं होती, लेकिन जब आंकड़ों, उपलब्धियों और मैदान पर जादू की बात आती है तो लियोनल मेसी का नाम सबसे आगे दिखाई देता है। 24 जून 1987 को अर्जेंटीना के रोसारियो शहर में जन्मे मेसी आज 39 साल के हो गए हैं। उनका यह जन्मदिन इसलिए भी खास है क्योंकि वह फीफा विश्व कप 2026 में शानदार फॉर्म में हैं। मेसी ने विश्वकप में ओवरऑल मिरोस्लाव क्लोज के सबसे ज्यादा गोल का रिकॉर्ड तोड़ा और फिलहाल पांच गोल के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष गोल स्कोरर बने हुए हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। ऐसे में पूरी दुनिया एक बार फिर उस खिलाड़ी का जश्न मना रही है जिसने अपने करियर में लगभग हर सपना पूरा किया।

बीमारी से जंग, फिर दुनिया पर राज

आज जिस खिलाड़ी को दुनिया फुटबॉल का भगवान कहती है, उसका बचपन संघर्षों से भरा था। महज 11 साल की उम्र में मेसी को ग्रोथ हार्मोन डेफिशिएंसी नामक बीमारी हो गई थी। इस बीमारी के कारण उनका शारीरिक विकास रुक गया था और इलाज बेहद महंगा था।उनके परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी मजबूत नहीं थी कि लगातार इलाज का खर्च उठा सके। तभी स्पेनिश क्लब बार्सिलोना ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और इलाज का पूरा खर्च उठाने का फैसला किया। कहा जाता है कि मेसी का पहला अनुबंध एक नैपकिन पेपर पर लिखा गया था। वही नैपकिन आगे चलकर फुटबॉल इतिहास की सबसे चर्चित कहानियों में शामिल हो गई।

बार्सिलोना में शुरू हुआ स्वर्णिम युग

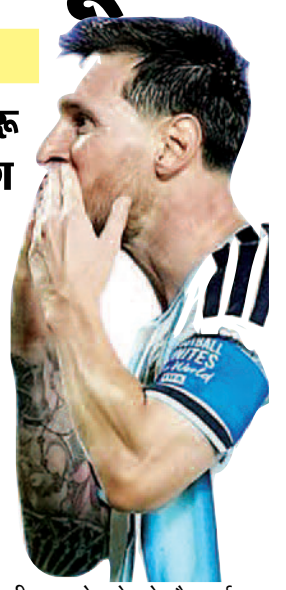

बार्सिलोना पहुंचने के बाद मेसी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अगले डेढ़ दशक तक उन्होंने क्लब फुटबॉल पर लगभग एकछत्र राज किया। बार्सिलोना के लिए उन्होंने 778 मैचों में 672 गोल किए और क्लब के सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ गोल स्कोरर बने। उनके नेतृत्व में बार्सिलोना ने 10 ला लीगा, 4 यूईएफए चैंपियंस लीग, 7 कोपा डेल रे और कई अन्य ट्रॉफियां जीतीं। साल 2012 उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 91 गोल दागकर विश्व रिकॉर्ड बनाया।

आलोचनाओं से टूटे, संन्यास लेकर दुनिया को चौंकाया

मेसी के करियर का सबसे भावुक पल 2016 में आया। अर्जेंटीना लगातार बड़े टूर्नामेंटों के फाइनल हार रहा था और कोपा अमेरिका फाइनल में चिली के खिलाफ पेनाल्टी चूकने के बाद मेसी बुरी तरह टूट गए। मैच के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। यह खबर सुनकर अर्जेंटीना ही नहीं, पूरी दुनिया के फुटबॉल प्रशंसक स्तब्ध रह गए। आलोचकों का मानना था कि मेसी दबाव में बड़े खिताब नहीं जिता सकते। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई।अर्जेंटीना की जनता, पूर्व खिलाड़ियों और देशभर से उठी भावनात्मक अपीलों के बाद मेसी ने अपना फैसला बदला और राष्ट्रीय टीम में लौट आए। इसके बाद उन्होंने वह कर दिखाया जिसका इंतजार करोड़ों अर्जेंटीनी वर्षों से कर रहे थे। 2021 में अर्जेंटीना को कोपा अमेरिका जिताकर उन्होंने 28 साल का खिताबी सूखा खत्म किया। इसके बाद 2022 में फाइनलिसिमा और फिर विश्व कप जीतकर उन्होंने अपने करियर की सबसे बड़ी कमी भी पूरी कर ली। उनकी वापसी फुटबॉल इतिहास की सबसे सफल वापसी में गिनी जाती है।

एशियन गेम्स से बाहर होने पर मनिका ने उठाए सवाल

मुझे टीम नहीं, जवाब चाहिए

कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेबल टेनिस की स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा एशियन गेम्स 2026 के लिए घोषित भारतीय टीम से बाहर किए जाने के बाद लगातार चर्चा में हैं। चयन को लेकर उठे विवाद के बीच मनिका ने एक बार फिर अपना पक्ष रखते हुए स्पष्ट किया है कि वह किसी विशेष रियायत या टीम में जबरन जगह की मांग नहीं कर रही हैं, बल्कि केवल यह जानना चाहती हैं कि आखिर उन्हें चयन के योग्य क्यों नहीं माना गया।मनिका ने चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और फैसलों में कथित मनमानी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया से हस्तक्षेप की अपील करते हुए कहा है कि यदि उन्हें इस फैसले के पीछे की वजह का संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है तो वह कानूनी कार्रवाई का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगी।

मुझे टीम नहीं, जवाब चाहिए

मनिका ने अपने बयान में कहा, 'पिछले दो दशकों से मुझे सर्वोच्च स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। अपने पूरे करियर में मैंने जीत, हार, चयन और चयन न होने, सभी परिस्थितियों को स्वीकार किया है। यह खेल का हिस्सा है। लेकिन जिस बात को स्वीकार करना मुश्किल है, वह है पारदर्शिता की कमी और मनमानी।'उन्होंने आगे कहा, 'मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि मैं चयन की मांग नहीं कर रही हूं और न ही किसी से फैसला बदलने को कह रही हूं। मैं सिर्फ जवाब मांग रही हूं। मुझे यह नहीं बताया गया कि मेरा चयन क्यों नहीं किया गया। यदि मुझे इस फैसले के आधार के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं मिलता, तो मेरे पास कानूनी विकल्प अपनाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा।'

रैंकिंग और फॉर्म को लेकर उठाए सवाल

विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर काबिज मनिका ने पूछा कि आखिर किस आधार पर खिलाड़ियों का मूल्यांकन किया गया। उन्होंने कहा कि टेबल टेनिस की रैंकिंग हर सप्ताह बदलती रहती है, ऐसे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि चयन किसी एक सप्ताह, दो महीने, छह महीने या पूरे वर्ष के प्रदर्शन के आधार पर किया गया। मनिका का मानना है कि केवल रैंकिंग ही नहीं, बल्कि हालिया प्रदर्शन और मौजूदा फॉर्म को भी चयन का आधार बनाया जाना चाहिए।

वोटिंग आधारित चयन पर भी जताई चिंता

मनिका ने उन रिपोर्टों पर भी सवाल उठाए, जिनमें दावा किया गया था कि अंतिम चयन वोटिंग के जरिए किया गया। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा हुआ है तो खिलाड़ियों को यह जानने का अधिकार है कि किसने और किन कारणों से फैसला लिया। उन्होंने कहा, 'अगर मेरे खिलाफ वोटिंग हुई है तो उसके पीछे क्या कारण थे? क्या फैसला खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर लिया गया था या व्यक्तिगत राय के आधार पर? इन सवालों के जवाब पारदर्शी तरीके से सामने आने चाहिए।'

शुभमन गिल वनडे रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच

दुबई। भारत के ओपनर शुभमन गिल की ताजा वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने अलग-अलग फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन के बाद टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में भारत के जसप्रीत बुमराह के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है।

टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी शीर्ष पर बदलाव हुआ है जिसमें इंग्लैंड के अनुभवी खिलाड़ी जो रूट ने फिर से नंबर 1 स्थान हासिल किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ रूट के 46 और 77 रनों के स्कोर ने उन्हें दो स्थान ऊपर चढ़ने और अपने साथी हैरी ब्रूक और ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड से आगे निकलने में मदद की जिससे वे अपने करियर में 12वीं बार शीर्ष स्थान पर पहुंचे।

हालिया प्रदर्शन के बाद गिल तीन स्थान ऊपर चढ़े और अब वनडे बल्लेबाजों में दूसरे स्थान पर हैं जो शीर्ष रैंकिंग वाले डेरिल मिशेल से केवल 24 रेटिंग अंक पीछे हैं। भारत के ही बल्लेबाज ईशान किशन ने भी उल्लेखनीय प्रगति की है।

यशस्वी को लेकर भी अटकलों का बाजार गर्म...

कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलेंगे हार्दिक पांड्या !

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2027 का सीजन अभी दूर है, लेकिन फ्रेंचाइजी ने अभी से इसकी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। मुंबई इंडियंस में हार्दिक पांड्या की वापसी सुखद नहीं रही है और जब से वह टीम में दोबारा शामिल हुए हैं, तभी से टीम और स्वंय उनके लिए चीजें विपरीत होती चली गई हैं। अब खबर आ रही है कि हार्दिक ने मुंबई इंडियंस से राहें अलग करने का मन बना लिया है और उन्हें इसके लिए दो प्रस्ताव मिले हैं।

केकेआर ने मुंबई से साधा संपर्क

शाहरुख खान के सहस्वामित्व वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स की ओर से हार्दिक को दो प्रस्ताव मिले हैं। सूत्र ने बताया कि नाइट राइडर्स के शीर्ष प्रबंधन और मुंबई इंडियंस के मालिकों के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली को लेकर कई बार बातचीत हुई है। सूत्र ने बताया, अजिंक्य रहाणे केकेआर के लिए हमेशा से एक कामचलाऊ व्यवस्था थे और इस सत्र के बाद उन्हें रिलीज किया जाना तय था। केकेआर के बड़े अधिकारियों ने पिछले सत्र के आखिर में मुंबई इंडियंस के मालिकों से संपर्क किया था लेकिन उस समय रिलायंस की सालाना आम बैठक होने वाली थी इसलिए उस समय आईपीएल ट्रेड उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता नहीं थी। हालांकि पता चला है कि केकेआर ने फिर से मुंबई इंडियंस के बड़े अधिकारियों से संपर्क किया है और इस बारे में कुछ दौर की बातचीत भी हुई है। यह तय है कि अगर हार्दिक पूरी तरह से नकद करार या खिलाड़ी की अदला-बदली के जरिए केकेआर में जाते हैं तो उन्हें कप्तानी मिल सकती है क्योंकि इस समय रिंकू सिंह सही विकल्प नहीं लग रहे हैं। हालांकि जब पूछा गया कि मुंबई की टीम इस स्टार भारतीय ऑलराउंडर के लिए पूरी तरह नकद करार चाहती है या खिलाड़ी की अदला-बदली तो सूत्र ने इसकी पुष्टि नहीं की।

ट्रेड को लेकर क्या कहते हैं आईपीएल के नियम

आईपीएल के नियमों में साफ कहा गया है कि कोई खिलाड़ी टीम छोड़ने को लेकर किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के साथ व्यक्तिगत रूप से कोई बातचीत नहीं कर सकता। नियम के अनुसार बातचीत केवल फ्रेंचाइजी के बीच ही हो सकती है। यह भी कहा गया है कि खिलाड़ी की सहमति के बिना ट्रेड नहीं हो सकता। अगर खिलाड़ी सहमति नहीं देता है तो उसे रिलीज करके वापस नीलामी में भेजना होगा।

राजस्थान रॉयल्स से भी मिला प्रस्ताव

राजस्थान से मिली ट्रेड की पेशकश

मुंबई को मिली दूसरी पेशकश यशस्वी जायसवाल और हार्दिक के बीच अदला-बदली की बताई जा रही है, लेकिन पक्के तौर पर यह नहीं कहा जा सकता कि बातचीत आगे बढ़ी है या नहीं। हालांकि रॉयल्स की टीम असम के स्टार रियान पराग को लंबे समय के कप्तान के तौर पर देख रही है इसलिए हार्दिक को कप्तानी की भूमिका मिलना मुश्किल होगा। अगर हार्दिक किसी अन्य टीम के साथ जुड़ते हैं तो राजस्थान रॉयल्स की तुलना में केकेआर फिलहाल कहीं अधिक बेहतर विकल्प लग रहा है।

ऑस्ट्रेलिया का विजय रथ जारी, पाकिस्तान को 113 रन से रौंदा

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 113 रन से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की और सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाया। एलिस पेरी ने 71 रन बनाने के साथ दो विकेट भी लिए। दूसरी ओर श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने नाबाद 106 रन की पारी खेलकर आयरलैंड के खिलाफ टीम को नौ विकेट से जीत दिलाई। वहीं न्यूजीलैंड ने स्कॉटलैंड को छह विकेट से हराकर अंतिम चार की उम्मीदें बरकरार रखीं।

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को हराया

लीड्स में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 199/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम को पहला झटका मैच की पहली ही गेंद पर बेथ मूनी के रूप में लगा, लेकिन इसके बाद एलिस पेरी और

जॉर्जिया वोल ने पाकिस्तान के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए केवल 56 गेंदों में 100 रन की साझेदारी की। वोल ने 39 रन बनाए, जबकि पेरी ने 48 गेंदों में 71 रन की शानदार पारी खेली। अंत में एनाबेल सदरलैंड (27) और निकोला कैरी (26) ने तेजी से रन जोड़कर स्कोर को 199 तक पहुंचाया।जवाब में पाकिस्तान की टीम महज 86 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से मुनीबा अली ने सर्वाधिक 32 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज टिक नहीं सके। पाकिस्तान की पारी तीन रन आउट से भी प्रभावित रही। गेंदबाजी में पेरी ने एक ही ओवर में दो विकेट झटके, जबकि कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स और सदरलैंड ने भी दो-दो विकेट लिए।

सेमीफाइनल अभी भी पूरी तरह तय नहीं

चार मैचों में चार जीत के बावजूद ऑस्ट्रेलिया की सेमीफाइनल की जगह अभी आधिकारिक रूप से पक्की नहीं हुई है। दक्षिण अफ्रीका और भारत भी चार-चार जीत के साथ बराबरी कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया का अगला मुकाबला रविवार को लॉर्ड्स में भारत से होगा। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स ने कहा, 'हमारे पास विकल्प हैं, गहराई है और टीम अच्छी स्थिति में है। हालांकि अभी भी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें हमें और बेहतर होना है।' ब्रिस्टल में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने आयरलैंड के खिलाफ नाबाद 106 रन की विस्फोटक पारी खेली। यह महिला टी20 विश्व कप इतिहास का आठवां शतक और अटापट्टू के टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का चौथा शतक रहा। उन्होंने टीम के 134 रन में से 106 रन अकेले बनाए। उनकी पारी में 17 चौके शामिल रहे और उन्होंने विजयी रन भी खुद ही लगाए। दो दिन पहले ही अटापट्टू ने खुद को कप्तान के रूप में असफल बताया था, लेकिन इस मुकाबले में उन्होंने बल्ले से शानदार जवाब दिया। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'पिछले मैच में मैं जल्दी आउट हो गई थी और उससे निराश थी। लेकिन आज हमने जीत हासिल की और एक खिलाड़ी तथा कप्तान के रूप में मेरे लिए यही सबसे महत्वपूर्ण है। मैंने अपना स्वाभाविक खेल खेला और हमेशा की तरह आक्रामक बल्लेबाजी की।' श्रीलंका ने यह मुकाबला 4.3 ओवर शेष रहते नौ विकेट से जीत लिया। दिन के दूसरे मुकाबले में न्यूजीलैंड ने स्कॉटलैंड को छह विकेट से हराकर सेमीफाइनल की उम्मीदों को जीवित रखा। स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 131/7 का स्कोर बनाया। डार्सी कार्टर ने शानदार नाबाद 72 रन बनाए।

फिल्मों के बजट का बड़ा हिस्सा स्टार्स पर खर्च होता है

पंजाबी एक्टर गिप्पी ग्रेवाल की फिल्म 'कैरी ऑन जट्टा 4' इस महीने रिलीज को तैयार है। इससे पहले हाल ही में उन्होंने भारतीय सिनेमा में बजट के मॉडल को लेकर बात की। उन्होंने इस पर चिंता जताते हुए कहा कि पूरे बजट का एक बड़ा हिस्सा सितारे ले लेते हैं। इसके बाद प्रोडक्शन के लिए कम बजट बचता है। यह मॉडल लंबे वक्त तक नहीं चलेगा।

गिप्पी ग्रेवाल ने बॉलीवुड की टूटी अर्थव्यवस्था और खराब बजट मॉडल पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि फिल्मों से 79 प्रतिशत हिस्सा एक्टर ले जाते हैं। उनका कहना है कि बजट इंडस्ट्री की सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है। गिप्पी ग्रेवाल ने कहा कि स्टार्स की बढ़ती फीस और घटता प्रोडक्शन बजट। इंडियन सिनेमा में बजट का एक ऐसा मॉडल बन गया है, जो लंबे समय तक नहीं चल सकता। इसमें फिल्म के बजट का बहुत बड़ा हिस्सा प्रोडक्शन के बजाय टैलेंट (स्टार्स) पर खर्च हो जाता है।

विदेशी इंडस्ट्री से तुलना की

गिप्पी ग्रेवाल का कहना है, 'कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में, कास्ट, डायरेक्टर और राइटर की कुल फीस फिल्म के बजट का लगभग 21 प्रतिशत होती है। बाकी 79 प्रतिशत हिस्सा फिल्म बनाने में खर्च होता है। यहां अक्सर इसका उल्टा होता है'। गिप्पी ग्रेवाल ने कहा, 'लगभग 79 प्रतिशत हिस्सा तो टीम ही ले जाती है, जिससे फिल्म बनाने के लिए बहुत कम पैसा बचता है। कलाकार करोड़ों रुपये लेते हैं और यहीं से असंतुलन शुरू होता है'।

लागत पर ध्यान की बजाय सुधार की जरूरत

गिप्पी ग्रेवाल का मानना है कि सिर्फ लागत कम करने पर ध्यान देने के बजाय, इंडस्ट्री को सुधार की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, 'यह रिकवरी मॉडल है। अगर रिकवरी स्वस्थ हो जाती है, तो उत्पादन मूल्यों में काफी सुधार हो सकता है। दिन के आखिर में, यह सब गणित है'। स्टार्स की फीस पर लगी सीमा (कैपिंग) को लेकर हो रही बहस पर वे कहते हैं कि बार-बार बॉक्स-ऑफिस पर फ्लॉप होने के बावजूद मार्केट एक्टर्स को अच्छा पैसा देता रहता है।

अदा शर्मा की मराठी डेब्यू फिल्म 'गजरा' का एलान; साल 2027 में होगी रिलीज

'द केरल स्टोरी' और '1920' जैसी फिल्मों से दर्शकों के बीच पहचान बनाने वाली अदा शर्मा अब मराठी इंडस्ट्री में कदम रखने वाली हैं। उनकी पहली फिल्म होगी 'गजरा'। इसका एलान हो गया है। साथ ही पहली झलक भी सामने आई है। अदा शर्मा की डेब्यू मराठी फिल्म 'गजरा' का आधिकारिक एलान कर दिया गया है। यह फिल्म साल 2027 में रिलीज होगी। अदा इसमें लीड रोल निभाती नजर आएंगी।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर कर यह जानकारी साझा की है। साथ ही लिखा है, 'मराठी में मेरी पहली फिल्म 'गजरा'। आप सभी के प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है'।

अदा ने फैंस से की ये गुजारिश

अदा शर्मा ने आगे लिखा है, 'मेरी पहली फिल्म '1920' से 'केरल स्टोरी', 'सनफ्लावर', 'कमांडो', 'बस्तर', 'रीता सान्याल' तक, आपने मुझे बहुत प्यार दिया। हार्टअटैक, क्षणम, राणा विक्रम और मेरी सभी साउथ फिल्मों के लिए भी खूब प्यार दिया। मुझे अपने मराठी डेब्यू के लिए भी आप सभी के आशीर्वाद, साथ और प्यार की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि मैं आप सभी को गौरवान्वित कर सकूंगी और एक ऐसी फिल्म बना सकूंगी, जिसे आप सभी पसंद करें।

सच्ची घटना पर आधारित होगी कहानी

फिल्म का पोस्टर काफी दिलचस्प है। इससे सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक अंधेरे, परेशान करने वाली और कठिन कहानी का संकेत मिल रहा है। अदा शर्मा की इस फिल्म का निर्देशन श्रेयस जाधव कर रहे हैं। वहीं, फिल्म का निर्माण अमोल बोरकर कर रहे हैं। गणराज स्टूडियोज की पेशकश फिल्म 'गजरा' जिग जैग प्रोडक्शन्स की पहली फिल्म है। अदा ने अपने पोस्ट में यह बताया है कि यह फिल्म सच्ची घटना पर बेस्ड है।

देवदत्त मनीषा बाजी का होगा संगीत

फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी देवदत्त मनीषा बाजी संभालेंगे। बता दें कि देवदत्त महाराष्ट्र के एक जाने-माने संगीतकार, म्यूजिक अरेंजर और प्रोड्यूसर हैं। वे मराठी सिनेमा में अपने शानदार ऐतिहासिक और लोक-संगीत के लिए विशेष रूप से लोकप्रिय हैं।

बॉक्स ऑफिस को लेकर आज भी एक्साइटमेंट और टेंशन

अपनी आने वाली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की रिलीज से पहले सुनील शेट्टी ने बताया कि बॉक्स ऑफिस को लेकर आज भी एक्साइटमेंट, टेंशन और घबराहट बनी रहती है।

बातचीत में सुनील शेट्टी ने कहा कि एक फिल्म की सफलता काफी हद तक उसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा, 'सब कुछ इससे जुड़ा होता है। एक शुक्रवार को आप टॉप पर हो सकते हैं और अगले शुक्रवार को नहीं भी हो सकते। इसलिए एक्साइटमेंट, टेंशन और घबराहट हमेशा रहती है।'

क्या है सेफ्टी नेट

इस पर सुनील ने कहा, 'इस फिल्म में बहुत शानदार स्टार कास्ट है- अक्षय, परेश जी, जॉनी भाई, अरशद, तुषार, श्रेयस, दलेर पाजी और कई दूसरे कलाकार। इतने टैलेंटेड लोगों के साथ काम करना एक तरह का सेफ्टी नेट देता है।' सुनील ने आगे कहा, 'फिल्म बहुत एंटरटेनिंग है। मैं यह नहीं कह सकता कि यह अच्छी है या खराब, क्योंकि हर किसी का नजरिया अलग होता है। जब हम फिल्म देखते हैं, तो हमें बहुत मजा आता है। लेकिन जब दर्शक शुक्रवार को इसे देखेंगे, तो उनका नजरिया बिल्कुल अलग हो सकता है।' फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' 26 जून को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में अक्षय और सुनील शेट्टी के अलावा दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, फरीदा जलाल, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, आफताब शिवदासानी, मुकेश तिवारी, यशपाल शर्मा, किरण कुमार, जाकिर हुसैन, विंदू दारा सिंह भी हैं। इनके अलावा भी कई एक्टर्स इस फिल्म का हिस्सा हैं।

वेब सीरीज 'राख' से बदली दिव्या शर्मा की जिंदगी

अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई वेब सीरीज 'राख' में दिव्या शर्मा ने सुमन की भूमिका निभाई है। इस सीरीज में अली फजल मुख्य भूमिका में नजर आए। 1978 के कुख्यात रंगा-बिल्ला केस से प्रेरित इस सीरीज से दिव्या की जिंदगी में काफी बदलाव आए हैं। जिसकी खास झलक उन्होंने तस्वीरों के जरिए सोशल मीडिया पर शेयर की है। दिव्या ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। जिससे साफ पता चल रहा है कि सीरीज 'राख' ने उनकी जिंदगी कितनी बदल दी है। इस तस्वीर में दिव्या 'मिर्जापुर' फेम श्वेता त्रिपाठी उर्फ गोलू के साथ बेहद खुश दिख रही हैं। बॉलीवुड निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने वेब सीरीज का एक खास पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्टर के साथ करण जौहर ने दिव्या की तारीफ की है। करण ने लिखा, ' दिव्या शर्मा, आप बहुत बढ़िया हैं।' इस तस्वीर में दिव्या के साथ फिल्म 'राख' की पूरी टीम के सदस्य पोज देते नजर आ रहे हैं। इस सीरीज में अली फजल और सोनाली बेंद्रे मुख्य भूमिका में हैं। वहीं आकाश मखीजा, रमनदीप यादव, दिव्या शर्मा और विवान शर्मा भी वेब सीरीज में खास भूमिका निभाई है। वेब सीरीज 'राख' का निर्देशन 'परी' और 'पाताल लोक' जैसी डार्क दुनिया रच चुके प्रोसित रॉय ने किया है। यह सीरीज अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम हो चुकी है। इस तस्वीर में दिव्या सीरीज 'राख' के पोस्टर के

सामने पोज देती नजर आ रही हैं। इससे पहले दिव्या 'ग्राम चिकित्सालय' में जुही के किरदार में नजर आई थीं। सीरीज में सुमन को एक 16 साल की मासूम लेकिन समझदार लड़की के रूप में दिखाया गया है, जो अपने भाई के साथ घर से निकलती है और फिर दोनों लापता हो जाते हैं। सीरीज 'राख' में दिव्या शर्मा के अभिनय की हर कोई तारीफ कर रहा है। इस किरदार में दिव्या काफी नेचुरल और प्रभावशाली नजर आई, जो उन्हें खास बनाती है। 'ग्राम चिकित्सालय' में दिव्या ने जुही का किरदार निभाया है। ये वेब सीरीज भी अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई थी। इस शो के दो सीजन रिलीज हो चुके हैं।

करियर में आए बदलावों पर प्रियंका चोपड़ा ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड से निकल हॉलीवुड तक नाम कमा चुकीं प्रियंका चोपड़ा ग्लोबल स्टार हैं। इन दिनों वे अपनी आगामी फिल्म 'वाराणसी' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह भारी-भरकम बजट में बनी फिल्म है, जिससे प्रियंका चोपड़ा को बहुत उम्मीदे हैं। एसएस राजामौली की इस फिल्म में प्रियंका के अलावा महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हाल ही में प्रियंका ने इस फिल्म पर बात की। साथ ही बताया कि वे जल्द ही एंजेलिना जोली के साथ काम करेंगी। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने फ्यूचर प्लान पर 'फॉर्च्यून इंडिया' से बात करते हुए बताया कि वे एंजेलिना जोली के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम करेंगी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि यह प्रोजेक्ट कोई फिल्म होगी, विज्ञापन होगा या कोई चैरिटी से जुड़ा काम। प्रियंका ने हॉलीवुड की उन महिलाओं में एंजेलिना जोली का भी जिक्र किया, जिनसे उन्हें प्रेरणा मिलती है। प्रियंका चोपड़ा ने अपने करियर में हुई तरक्की के बारे में बात की। हैदराबाद में शूटिंग के दौरान अपनी जिंदगी के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, 'फिल्म 'वाराणसी' के सेट पर शूटिंग का माहौल बहुत मजेदार है। सभी एक्टर्स के परिवार साथ में हैं। हम मस्ती कर रहे हैं। हंस-बोल रहे हैं। साथ ही काम पर पूरा ध्यान है। रिहर्सल और फोकस के साथ काम हो रहा है'। इतने वर्षों में अपने करियर में हुई तरक्की पर बात करते हुए देसी गर्ल ने माना कि अब उन्हें काम में ज्यादा क्रिएटिव आजादी मिलती है। उन्होंने कहा, 'जब मैंने शुरुआत की थी, तब स्क्रिप्ट्स मेरे हिसाब से नहीं लिखी जाती थीं। अब मैं अपने प्रोजेक्ट्स खुद चुन सकती हूं और बना सकती हूं। इंटरनेशनल लेवल पर प्रियंका चोपड़ा फिल्ममेकर मीरा नायर की बायोपिक ड्रामा 'अमरी' से भी जुड़ी हुई हैं।

जो चीज खुशी दे, वो करना चाहिए

हमारे समाज में औरतों के चरित्र को उसके कपड़ों की लंबाई से जज किया जाता है और सोसायटी की इसी सोच पर चोट करती है, माधुरी दीक्षित की नई फिल्म मां बहन। फिर में सोसायटी के तमाम नियमों को तोड़ने वाली रूल बेक्रर रेखा बनी माधुरी दीक्षित ने खुद भी लोगों के जजमेंट का सामना किया है, मगर वह उनकी परवाह न करके अपनी मर्जी के मुताबिक जीने में यकीन रखती हैं।

लोगों के जजमेंट को लेकर माधुरी कहती हैं, 'समाज में जजमेंट तो है ही। आप चाहे स्क्रीन पर हों या किसी भी प्रफेशन में, हमें जज किया ही जाता है, खासकर सिंगल औरतों को और भी ज्यादा। मतलब वे काम से लेट आई तो लोग कॉमेंट करना शुरू कर देते हैं कि अरे, इतनी देर से आ रही है। ऐसे ही हमारे भी प्रफेशन में है कि अच्छा, अब तो मां बन चुकी है, अभी भी क्यों काम कर रही हैं या ये कोई उम्र है क्या डांस करने की? ऐसे कॉमेंट भी आते हैं, जिसका सामना करना होता है, लेकिन मेरा मानना है कि जजमेंट के बावजूद आपको वो करना चाहिए जो चीज आपको खुशी देती है। कॉमेंट्स करना उन्हें खुशी देता है लेकिन हमें अपने आप में खुश रहना चाहिए।'

डांस से मुझे खुशी मिलती है

आज हम सोशल मीडिया के दौर में एज शेमिंग और वेट शेमिंग बहुत आम है। इस चलन पर माधुरी का कहना है, 'उम्र के साथ बदलाव आएगा ही। चेहरा बदलेगा, शरीर बदलेगा, लेकिन मैं फिर वही कहूंगी कि कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना। आपकी जिंदगी में लोगों की सोच का इतना प्रभाव नहीं होना चाहिए। आप वो करें जो आपको खुशी देता है। जैसे, मुझे डांस पसंद है तो मैं करूंगी क्योंकि उससे मुझे खुशी मिलती है। आप लोगों के नजरिए से हिसाब से अपनी जिंदगी नहीं जी सकते। आप अपनी जिंदगी अपने हिसाब से जिएं, लोग तो बोलते रहेंगे। हां, कभी-कभी बुरा बेशक लगता है कि लोग ऐसा क्यों कह रहे हैं, लेकिन उसे इतना सीरियसली न लें कि उससे आपकी जिंदगी प्रभावित होने लगे।' वहीं, 59 की उम्र में भी बेहद खूबसूरत और फिट माधुरी की फिटनेस का राज पूछने पर बताती हैं, 'इसके पीछे बहुत अनुशासन है। डायट का ख्याल रखना। एक्सरसाइज करना। मेरा डांस ही बहुत बड़ा एक्सरसाइज है। इसके साथ साथ सही समय पर सोना, कोई बुरी आदतें नहीं, वो सब मायने रखता है।'

मैन्युल पढ़कर नहीं बन सकते मां

फिल्म में दो जवान बेटियों की मां की भूमिका निभा रहीं माधुरी मांओं को एक ऊंचे मकाम पर खड़ा कर दिए जाने पर भी सवाल करती हैं। बकौल माधुरी, 'मां को हम एक ऐसे ऊंचे मकाम पर खड़ा कर देते हैं कि मां कुछ गलत नहीं कर सकती। उन्हें ये करना चाहिए, वो करना चाहिए। उन्हें कुछ भी हो जाए, कितनी भी बीमार हो जाए, पर घर का ख्याल तो रखना ही चाहिए। हमें समझना चाहिए कि वो भी इंसान हैं और उन्हें भी उसी तरह से देखा जाना चाहिए। उनकी भी कभी तबीयत खराब होगी, वे भी आराम डिजर्व करती हैं।' वहीं, निजी जिंदगी में उनका अपने बेटों संग कैसा तालमेल रहता है? इस पर वह हंसकर कहती हैं, 'मां बनने का मतलब है केयास। उसके बाद उथल-पुथल ही रहता है जिंदगी में क्योंकि हर बच्चा अलग होता है और आपको उन्हें समझना होता है। बच्चा किसी मैनुअल के हिसाब से तो पाला नहीं जा सकता।

बहुत तैयारी से आते हैं आज के ऐक्टर्स

माधुरी अपने दौर और आज नई पीढ़ी के कलाकारों, दोनों के साथ काम कर रही हैं। ऐसे में, इन दोनों पीढ़ियों के कलाकारों में वह क्या अंतर पाती हैं? यह पूछने पर वह बताती हैं, 'पहले के कलाकार जब इंडस्ट्री में आते थे तो दूर-दूर तक फिल्मों के बारे में कुछ पता नहीं होता था। हम बिल्कुल भी अनुभवी नहीं थे। हमें यह भी पता नहीं था कि सेट कैसे होते हैं। हमने काम करते-करते सब सीखा, लेकिन आज की पीढ़ी बहुत सारे ऐक्टिंग क्लासेस डांस क्लासेस करके आती है। उन्होंने ऐक्टिंग सीखी होती है। रील्स बनाए होते हैं। जैसे, मैं धारणा (इंफ्लूएंसर कोस्टार धारणा दुर्गा) को देखती हूं तो मुझे उन पर बहुत गर्व होता है क्योंकि वह खुद अपना कॉन्टेंट लिखती हैं। उनका आब्जर्वेशन इतना स्ट्रॉन्ग है, फिर उसे कॉमिडी में ढालती हैं और लोगों को हंसाती हैं, वह कमाल की चीज है। हमारे यहां वुमन कमीडियंस बहुत कम रही हैं। ऐसे में आज जब मैं देखती हूं कि लड़कियां स्टैंड अप कॉमिडी कर रही हैं तो मुझे बहुत खुशी होती है। इसी तरह तृप्ति ने बहुत कमाल की फिल्में की हैं, जिसके बाद उन्हें पहचान मिली है। इस फिल्म में भी उनका अभिनय लाजवाब है तो मुझे इन पर बहुत गर्व होता है कि इन्होंने बहुत कम समय में इतना कुछ हासिल किया है।'

नजरंदाज न करें हल्का बुखार

मामूली बुखार, हड्डी तोड़ बुखार, ऐसा तेज बुखार कि जैसा कभी हमें जिंदगी में हुआ ही नहीं, हल्का बुखार, मियादी बुखार आदि कई तरह से आप इसे अपने चिकित्स से बताते हैं। बुखार को लेकर इतनी तरह की गलतफहमियां हैं और चिकित्सा विज्ञान की सीमाएं हैं कि इस मामूली-सी प्रतीत होती बीमारी के इन पक्षों को जानना जरूरी हो जाता है।

पहली बात तो यह कि कोई भी, कितना भी कम बुखार हो वह कभी भी मामूली नहीं होता। हर बुखार इस बात की घोषणा है कि शरीर में कुछ ऐसा गलत हो रहा है जिससे लड़ने के लिए शरीर के अपने हथियारों को चलाना शुरू कर देता है जिसका कारण यह गर्मी पैदा हो रही होती है। बल्कि हल्के बुखार कई मायनों में ज्यादा खतरनाक होते हैं।

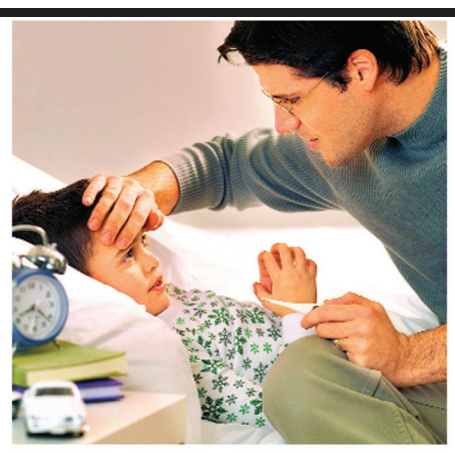

अन्य बीमारियों का भी लक्षण

हल्का बुखार गठिया से लेकर साइकोलोसिक फीवर तक कुछ भी हो सकता है। हो सकता है कि आप किसी पक्ष की जांच न कराएं और दो माह बाद पता चले कि हड्डी में टीबी थी या आंतों में कैंसर था, जो आपने तब सोचा या देखा ही नहीं। कहना यह है कि हल्के बुखार को कभी भी हल्के में न लें। हमेशा किसी अच्छे डॉक्टर से इसकी सलाह लें क्योंकि मामूली बुखारों की डायग्नोसिस के लिए गैरमामूली डॉक्टर ही चाहिए जो इस जटिल चीज को समझता हो।

कोल्ड स्पॉन्जिंग की प्रक्रिया

तेज बुखार हो तो डॉक्टर कहते हैं कि मरीज की कोल्ड स्पोन्जिंग कीजिए। कहते हैं पर बताते नहीं कि कैसे कीजिए? प्राय : वे नर्स को कह देते हैं और नर्स आपसे कह देती है कि ठंडे पानी की पट्टियां रखिए। बस कहां रखिए, कैसे रखिए यह बताने का समय किसी के भी पास नहीं। आप दिन भर लगे रहते हैं और बुखार नहीं उतरता। कारण यह कि कोल्ड स्पोंजिंग के कुछ सामान्य सिद्धांत हैं। एक तो यह कि इसे बर्फ के पानी से न करें। बर्फीला ठंडा पानी चमड़ी की खून की नलियों को उल्टा सिकोड़ ही देता है जिससे शरीर और ठंडे कपड़े के बीच तापमान का आदान-प्रदान नहीं हो पाता और बुखार उतनी तेजी से नहीं उतर पाता।

पट्टी रखने की प्रक्रिया

नल में आ रहे सामान्य ताप वाले पानी या घड़े में भरे पानी को लें, दूसरी बड़ी बात यह करें कि गीले कपड़े को बढ़िया निचोड़कर और गले पर, कांखों में, पेट पर तथा जांघ के संधि स्थल (हिप ज्वायंट के पास) रखते जाएं और हर बीस-पच्चीस सेकंड में बदलकर नया गीला कपड़ा लगाएं। गर्दन, कांख, जंघा तथा पेट से खून की बहुत बड़ी नलियां एकदम चमड़ी के पास से गुजर रही होती हैं। इनमें बुखार से तपता हुआ गर्म खून बह रहा है जिसे ठंडक मिलेगी तो बुखार फटाफट कम होगा।

तापमान का बनाएं चार्ट

होने वाले बुखार को गंभीरता से लें क्योंकि बुखार यदि गंभीर हो गया तो लेने के देने पड़ सकते हैं। इससे भी पूर्व बेहतर सलाह होगी कि बुखार लगे तो थर्मामीटर से नापकर कागज पर रिकार्ड बनाते रहें। डॉक्टर को इससे बड़ी मदद मिलेगी। अलग-अलग समय पर तापमान अंकित करें। बहुत से मरीज कहते हैं कि हमारा हड्डी का बुखार है, या अंदरूनी बुखार है जो रहता तो है पर किसी भी थर्मामीटर में नहीं आ पाता। ऐसा कोई बुखार नहीं होता जो थर्मामीटर के पारे को नहीं चढ़ाता।

शाम को बढ़ सकता है शरीर का तापमान

जान पहचान के एक व्यक्ति को टायफायड तो ठीक हो गया परंतु रोज शाम होते-होते 99.8 डिग्री चढ़ जाता था। आस पास जो देखने जाता वह कहता अरे आपका टायफायड फिर बिगड़ गया है। मैंने सलाह दी कि यह नार्मल वेरिएशन है, समझदार थे मान गए तो सामान्यत : शाम को हमारा तापमान 99.9 तक भी हो जाए तो इसे बुखार न मानें। बस एक बार चिकित्सक को तय करने का मौका दें। शेष शरीर पर रखी पट्टियां इतनी जल्दी न बदलें क्योंकि हाथ-पांव की चमड़ी की पतली रक्त नलियों में खून ठंडा होने में समय लेगा। हां, माथे तथा सिर पर बर्फ की थैली (आइस कैप) रखना चाहिए क्योंकि खोपड़ी की हड्डियों का तापमान इतनी आसानी से कम न होगा।

खुद न बनें डॉक्टर

एक और आखिरी बात स्वयं इलाज न लें। बुखार एक ऐसी बीमारी है जिसका सबसे ज्यादा सेल्फ ट्रीटमेंट होता है। याद रखें कि हर ठंड के साथ कंपकंपी देने वाला बुखार मलेरिया नहीं होता, न ही वही एंटीबायटिक इस बार भी काम करेगी जो कभी पिछले बुखार में आपको दी गई थी। बुखार होने पर डॉक्टर की बताई दवाएं ही लें और उतने दिनों तक लें जितने दिनों तक बताया जाए।

कई अन्य कारण

बुखार जैसा लगने के पचासों और भी कारण हो सकते हैं। उनका इलाज भी कुछ अलग ही होगा। आप बुखार कहते हो और लापरवाह चिकित्सक बुखार की कोई दवाई आपको दे देता है। तो पहले यह तय कर लें कि बुखार है भी या नहीं? नापें जब लगे तब नापें आपको यह सलाह नहीं दी जा रही कि जेब में थर्मामीटर लेकर घूमें और जब-तब मुंह में रखते फिरें, पर रिकॉर्ड जरूर करें। बुखार रिकॉर्ड न हो तो डॉक्टर को यही कहें कि मुझे बुखार सा लगता है पर होता नहीं इस तरह की स्थिति एनीमिया, थकान, तनाव से लेकर अन्य बहुत सी गंभीर बीमारियों में भी हो सकती हैं। और नापने में भी याद रखें कि आदमी के नार्मल टेंपरेचर में भी बहुत-से नार्मल उतार-चढ़ाव हो सकते हैं।

विशेषज्ञ की सलाह ही सही

थोड़ा-थोड़ा बुखार हो रहा हो तो कई बार आदमी लंबे समय तक इसकी परवाह ही नहीं करता और बाद में बीमारी बढ़ाकर डॉक्टर के पास पहुंचता है। दूसरा यह कि वे हल्के-हल्के निन्यानवे-सौ वाले, कभी-कभी आने वाले बुखारों की जड़ में बेहद खतरनाक, जानलेवा होने की हद तक खतरनाक कारण भी हो सकते हैं। टीबी, एड्स, कई तरह के कैंसर, आंतों की बीमारियां, यहां-वहां पनपती पस (मवाद) आदि किसी के कारण भी ऐसा हो सकता है। प्राय : यह हल्का बुखार विभिन्न तरह की जांचों में आपके खासे पैसे लगवा सकता है। हो सकता है कि तब भी डॉक्टर किसी ठीक नतीजे पर न पहुंच पाए और आप डॉक्टरों की जमात को ही बेकार कहते फिरें कि यहां-वहां से कट लेने के लिए ऐसा करते रहते हैं।

क्या है अस्थि संक्रमण?

ऑस्टियोमाइलाइटिस हड्डी या अस्थि मज्जा का एक संक्रमण है, जो आमतौर पर पायोजेनिक बैक्टीरिया या माइकोबैक्टिरियम के कारण होता है। यह कारणात्मक जीव, इसके मार्ग, अवधि और संक्रमण के शारीरिक स्थान के आधार पर उपवर्गीकृत किया जा सकता है।

लक्षण

अस्थि दर्द
अस्थि सूजन
बुखार
मांसपेशियों में ऐंठन
स्थानीय लालिमा
स्थानीय गर्मी
दर्द बढ़कर पास के जोड़ तक फैल जाता है।

प्रभावित हड्डी के आधार पर विशिष्ट लक्षण निर्भर करते हैं

शाखा की हड्डी में दर्द
टांग की हड्डी में दर्द
श्रोणि की हड्डी में दर्द

स्पाइनल ऑस्टियोमाइलाइटिस के लक्षण

हल्का बुखार
रीढ़ की हड्डी में दर्द
पीठ के दर्द का बिगड़ना
पीठ के में दर्द आराम से राहत न होना
सामान्य दर्द द्वारा पीठ दर्द में राहत न होना।
पीठ का दर्द संचालन से बद्तर होना

चिरकालीन माइलाइटिस के लक्षण

आवर्तक माइलाइटिस
हड्डी का आवर्तक दर्द
त्वचा से पूर्व का स्राव
विद्रधि की पुनरावृत्ति
रक्त के थक्के
अस्थि ऊतक का परिगलन
प्रभावित क्षेत्र में मवाद
अस्थि सूजन

कारण

बच्चों में यह जीवाणु नाक या आंत के माध्यम से रक्त में प्रवेश करता है और हड्डी के भागों में बस जाता है, जो पहले से टूटी होती हैं या हड्डी के कुछ क्षतिग्रस्त हिस्सों में, जहां अच्छी रक्त की आपूर्ति हो। यह जीवाणु संवर्धन करता है और शरीर की प्रतिरक्षा के कारण मवाद बनता है। यह हड्डी को निगल लेता है, विद्रधि का रूप ले लेता है और जो हड्डी के माध्यम से फैलता है और अंतत : सतह तक आ जाता है। एक फ्रेक्चर के बाद, जीवाणु सीधे घाव में प्रवेश करते हैं और नंगे सिरों पर बस जाते हैं। वे फिर द्विगुणित होकर और मवाद बनता है और घाव के माध्यम से जो अंतत : स्राव बन कर निकलता है। कुछ लोगों में यह संक्रमण दूसरे अंग में शुरू हो सकता है, जैसे फेफड़े। यहां से यह रोगाणु रक्त के माध्यम से हड्डी में फैल सकता है। मधुमेह के रोगी को विशेष रूप से संक्रमण होने का खतरा रहता है। यदि एक अल्सर पैर की अंगुली या पैर पर विकसित होता है, यह कीटाणु का जल्दी ही अंतर्निहित हड्डी के माध्यम से घुसना असामान्य नहीं है। इस मामले में यह लक्षण बहुत साधारण सा हो सकता है, केवल कुछ सूजन देखी जा सकती है। कुछ बच्चों में विशेष रूप से नवजात में रक्त परीक्षण या एक अंत : शिरा ड्रिप फीड के बाद बैक्टीरिया खून में प्रवेश कर सकते हैं। अन्य बच्चों में जो रक्त के सिकल सेल जैसे रोग से ग्रसित होते हैं, इस बीमारी के परिणामस्वरूप हड्डी की क्षति होने से और अधिक संक्रमण हो जाता है। मधुमेह के साथ वयस्कों में संक्रमण का प्रतिरोध कमी, अल्प रक्त परिसंचरण और दर्द के अहसास की कमी अक्सर चिरकालीन घातक रोग विशेष रूप ऑस्टियोमाइलाइटिस का कारक होती है।

निदान

रोगी का इतिहास, शारीरिक परीक्षा और रक्त परीक्षण ऑस्टियोमाइलाइटिस की पुष्टि करने के लिए मदद मिलती है।

श्वेत रक्त कोशिकाओं की गिनती ल्यूकॉसाइटोसिस दर्शाती है।

एरिथ्रोसाइट सेडिमेंटेशन दर या सी-प्रतिक्रियाशील प्रोटीन आमतौर पर बढ़ा होता है, लेकिन अवशिष्ट गंभीर मामलों में भी बढ़ा हो सकता है।

घाव के कल्चर से जीवाणु के स्रोत का संकेत मिलता है। रक्त कल्चर से कारणात्मक जीवाणु को पहचानने में मदद हो सकती है।

मेगनेटिक अनुनाद इमेजिंग रीढ़ के संक्रमण का पता लगाने के लिए सबसे अच्छा उपाय है।

हड्डी के मृत द्वीपों को देखने के लिए कम्प्युटेड टॉमाग्राफी सबसे अच्छा साधन है। जब तक यह रोग हड्डी को प्रभावित करने तक, आम तौर पर 2 से 3 सप्ताह सक्रिय रहने तक हड्डी के एक्स-रे में नहीं देखा जा सकता है। स्कैन अस्थि संक्रमण का जल्दी पता लगा सकते हैं। निदान द्वारा पोलियोमाइलिटिस, आमवात का बुखार, मॉयोसाइटिस, और अस्थि भंग का सही निदान हो जाता है। ऑस्टियोमाइलाइटिस निदान के लिए हिस्टोपैथॉलॉजी और अन्वीक्षण परीक्षा स्वर्ण मानक है।

उपचार

ऑस्टियोमाइलाइटिस में अक्सर लंबे समय तक, एक सप्ताह या महीने एंटीबायोटिक चिकित्सा की आवश्यकता है। एक पीआईसीसी लाइन या सेंट्रल अन्त : शिरा कैथिटर अक्सर इस प्रयोजन के लिए लगाया जाता है। ऑस्टियोमाइलाइटिस में सर्जिकल डेब्रीडमेंट (क्षतिग्रस्त मृत या संक्रमित ऊतक के हटाने) की भी जरूरत हो सकती है, ताकि शेष स्वस्थ ऊतक की चिकित्सा की क्षमता में सुधार हो सके। गंभीर मामलों में एक अंग के हानि का कारण बन सकता है। प्रारंभिक पहली पंक्ति एंटीबायोटिक पसंद रोगी के इतिहास और क्षेत्रीय अंतर से सामान्य संक्रामक जीवाणु के आधार पर निर्धारित होता है। रिफ्रेक्टॉरी ऑस्टियोमाइलाइटिस के उपचार के लिए हॉपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी उपयोगी सहायक होती है।

सिरदर्द को न करें नजरंदाज

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में सभी लोगों को सिर-दर्द की परेशानी होती है, मगर ज्यादातर लोग इस पर ध्यान ही नहीं देते हैं या फिर इसका उचित इलाज नहीं करवाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक रिपोर्ट के मुताबिक, सिर-दर्द की परेशानी सभी को होती है, यह बहुत आम है और इसका उचित इलाज भी है। रिपोर्ट के अनुसार, इसके बावजूद पूरी दुनिया में इसकी कम पहचान हो पाती है और इसका इलाज भी बहुत कम होता है। इसके अनुसार, अपने तरह के इस पहले अंतरराष्ट्रीय सर्वे में यह बात सामने आई है कि लोग इस बड़ी परेशानी को नजरअंदाज कर देते हैं। रिपोर्ट का कहना है कि दुनिया में आधे से ज्यादा वयस्कों ने हाल ही में एक या ज्यादा बार सिरदर्द की परेशानी महसूस की होगी।

काम होते हैं प्रभावित

विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि सिरदर्द के कारण उद्यम प्रभावित होने से होने वाला वितीय नुकसान बहुत बड़ा है। किशोरों से लेकर 50 साल की उम्र तक के लोगों में सिरदर्द एक आम समस्या है। इससे काम के घंटे प्रभावित होते हैं और उद्यम प्रभावित होता है। अकेले ब्रिटेन में रोज 2.5 करोड़ लोग हर साल सिरदर्द (माइग्रेन) के कारण स्कूल या दफ्तर नहीं जा पाते हैं।

अकेलापन पुरुषों के लिए खतरनाक हो सकता है। एक अध्ययन से पता चला है कि जो पुरुष अकेले होते हैं, उन्हें दिल का रोग होने का खतरा ज्यादा होता है। इसलिए शोधकर्ताओं की सलाह है कि समाज में अन्य लोगों से मेल-जोल दिल के लिए अच्छा है।

अकेलेपन से दिल के रोग का खतरा

अध्ययन से पता चला कि जिन पुरुषों के दोस्त नहीं होते और परिवार से करीबी संबंध नहीं होते, उनके खून में एक विशेष अणु की मात्रा ज्यादा होती है।

ब्रिटेन में दिल के रोग के विशेषज्ञों का कहना है कि जो रोग सामाजिक तौर पर कटे हुए होते हैं, उनकी खेल-कूद में दिलचस्पी कम और सिगरेट पीने की संभावना ज्यादा होती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ये दोनों ही कारण दिल के रोग के खतरे को बढ़ाते हैं।

यह शोध पूरे अमेरिका में 1998 से 2001 के बीच 62 वर्ष की औसत उम्र के 3267 पुरुषों और महिलाओं पर किया गया। जिसमें इनकी शादी, रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ-साथ धार्मिक बैठकों इत्यादि में भाग लेने की जानकारी भी ली गई।

शोध में महिलाओं के दिल पर इस तरह का असर नहीं दिखा।